जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 7 नवम्बर, 2026

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

दिवाली का सबसे बड़ा डिस्काउंट

पूरे 10 लाख रुपये की छूट.

अब कुछ ही यूनिट बाकी है

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर



FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

AJMER ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ



KOTHI STARTS
~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए.



SHOP
~~30 Lacs~~ @20 Lacs

KOTHI STARTS
~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR , JAIPUR
RERA No. RAJ/P/2022/1900

KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS



2BHK
~~37 Lacs~~ @27 Lacs

3BHK
~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

KEDIA™ Pavitra

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

इस दिवाली

सिर्फ सोना नहीं कुकिंग ऑयल भी

24 कैरेट खरीदो



MRP : ₹300
1 Ltr

केमिकल एसिड से रिफाइंड नहीं

केमिकल फ्री **अन-रिफाइंड** कुकिंग ऑयल

कच्ची घानी सरसों तेल

- पहली धार से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाला कच्ची घानी तेल
- COLD PRESSED OIL
- तेज झांझ (0.36 झांझ)

ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल

- सोर्टेक्स क्लीन मूंगफली दानों से निर्मित
- TRIPLE FILTERED
- Low FFA (0.50 से कम)



MRP : ₹300
1 Ltr

रिटेलर और होलसेलर सम्पर्क करें ! 1800-120-2727

आटा | दलिया | सूजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | हींग | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मखाना | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

AVAILABLE ON:
blinkit zepto

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

त्योहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट का खतरा ज्यादा

त्योहार खुशियों का पैगाम लेकर आते हैं। दीपावली, होली, नवरात्रा, दशहरा पर बाजार मिठाइयों और पकवानों से सज जाते हैं। लोग दिल खोलकर खरीदारी करते हैं।त्योहारों का मौसम नजदीक आते ही खाद्य पदार्थों में मिलावट का खतरा तेजी से बढ़ जाता हैइस दौरान खाने-पीने की चीज़ों की डिमांड तेजी से बढ़ जाती है। बाजार में दूध, घी और मावे से बनी मिठाईयां जोरों शोरों से बिक्री होती हैं। इनकी बढ़ती मांग की वजह से मिलावट और तेजी से होने लगी है। सिर्फ दूध और मावा में ही नहीं बल्कि कई चीज़ों में मिलावट किया जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पनीर में सोयाबीन पाउडर की मिलावट, मावा में कुट्टू का आटा, मिठाई पर लगने वाले सिल्वर वर्क में एल्यूमिनियम तो गोलगप्पे का स्वाद बढ़ाने के लिए टॉयलेट क्लीनर का इस्तेमाल होने लगा है। देशका सबसे बडा त्योहार दीपावली 8 अक्टूबर को है। दीपावली को पंच पर्वों का त्योहार कहा जाता है जो धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर समाप्त होते हैं। इस दौरान मावा, पनीर, घी, दूध, तेल और मसालों की मांग कई गुना बढ जाती है। कई व्यापारी ज्यादा प्रॉफिट कमाने के चक्कर में उसमें मिलावट करने से भी नहीं हिचकते। खाद्य विभाग सदा की तरह मिलावटियों की धरपकड का अभियान चलाते है। नमूने एकत्र किये जाते है। प्रदूषित सामग्री नष्ट भी की जाती है। मगर यह कार्यवाही ऊंट के मुंह में जीरे के सामान है। सच तो यह है सिर्फ सरकार के भरोसे यह लडाई नहीं जीती जा सकती। उपभोक्ता को भी जागरूक होना होगा। दीपावली पर गरीब और अमीर सभी वर्ग के लोग अपने सामर्थ्य के अनुरूप घर की साफ सफाई, नए कपड़, सोने चांदी के सामान के साथ मिठाइयां बनाने और खरीदने में व्यस्त हो जाते है। इस दौरान घर घर में मीठे पकवान बनते है। होटलों पर मिठाइयां सज्ज जाती है। त्योहारी सीजन शुरू होते ही मिलावटिये भी सक्रीय होकर आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड करते है। दीपावली से पहले देश में खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। मिलावट और त्योहार का लगता है चोली दामन का साथ हो गया है। विशेषकर उत्तर भारत के राज्यों ने शुद्ध के लिए युद्ध अभियान का आगाज कर दिया है। प्रतिदिन मिलावटी मावा, पनीर, दूषित मिठाइयां, खाद्य सामग्री और खराब सूखे मेवे बहुत बडी संख्यां में पकडे जा रहे है। मगर 'तूं डाल डाल और मैं पात पात' के मुहावरे को चरितार्थ करते हुए मिलावटियों के हौसले भी बुलंद हो रहे है। मिलावट खोरी रोकने के लिए जिम्मेदार एजेंसियां अभियान भी चलाती हैं और बडे पैमाने पर मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए जाते हैं। मगर लगता है सरकारी कार्यवाही के बावजूद मिलावट खोरी पर इस अभियान का कोई खास असर दिखाई नहीं देता है। मिलावट खोरों को पकडने के लिए सरकारी संसाधन पर्याप्त नहीं है। मिलावटिये गली गली और नगर नगर में सक्रीय होकर आम आदमी की सेहत को खराब करने में जुटे है मगर इनको पकडने वाली टीमें काफी कम संख्या में होने के कारण शुद्ध के लिए युद्ध अभियान अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पा रहा है।

मिलावट खोरी रोकने के लिए जिम्मेदार एजेंसियां अभियान भी चलाती हैं और बड़े पैमाने पर मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए जाते हैं। मगर लगता है सरकारी कार्यवाही के बावजूद मिलावट खोरी पर इस अभियान का कोई खास असर दिखाई नहीं देता है। मिलावट खोरों को पकड़ने के लिए सरकारी संसाधन पर्याप्त नहीं है। मिलावटिये गली गली और नगर नगर में सक्रीय होकर आम आदमी की सेहत को खराब करने में जुटे है मगर इनको पकड़ने वाली टीमें काफी कम संख्या में होने के कारण 'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पा रहा है।

त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही सोने से रसोई तक मिलावटखोर भी सक्रिय हो जाते हैं। हर चीज में मिलावट जैसे आम बात हो गई है। मिठाई के बिना त्योहार अधूरा है। त्योहार आये और मिठाई न खाये यह हो ही नहीं सकता। त्योहारी सीजन शुरू होते ही बाजार में ग्राहकी बढने लगती है। मिठाई त्योहारों की खुशी को दुगना कर देती है। मिलावटखोर भी इसी इंतजार में रहते है। उनकी दुकाने रंग बिरंगी मिठाइयों से सज जाती है और हम बिना जांचे परखे इन मिठाइयों को खरीद कर ले आते है। मिलावटखोर अधिक मुनाफे के चक्कर में धड़ल्ले से अपना मिलावटी सामान बेचते देर नहीं लगाते। मिलावटखोरों को नियम-कानून का भी भय नहीं रह गया। खासकर त्योहार के सीजन में तो इनकी पौ-बारह रहती है।

खाद्य पदार्थों में अशुद्ध, सस्ती अथवा अनावश्यक वस्तुओं के मिश्रण को मिलावट कहते हैं। आज समाज में हर तरफ मिलावट ही मिलावट देखने को मिल रही है। पानी से सोने तक मिलावट के बाजार ने हमारी बुनियाद को हिला कर रख दिया है। पहले केवल दूध में पानी और शुद्ध देशी घी में वनस्पति घी की मिलावट की बात सुनी जाती थी, मगर आज घर-घर में प्रत्येक वस्तु में मिलावट देखने और सुनने को मिल रही है। मिलावट का अर्थ प्राकृतिक तत्त्वों और पदार्थों में बाहरी, बनावटी या दूसरे प्रकार के मिश्रण से है।

मुनाफाखोरी करने वाले लोग रातोंरात धनवान बनने का सपना देखते हैं। अपना यह सपना साकार करने के लिए वे बिना सोचे-समझे मिलावट का सहारा लेते हैं। सस्ती चीजों का मिश्रण कर सामान को मिलावटी कर महंगे दामों में बेचकर लोगों को न केवल धोखा दिया जाता है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के साथ खिलवाड भी किया जाता है। सत्य तो यह है कि हम जो भी पदार्थ सेवन कर रहे हैं चाहें वे खाद्य पदार्थ हो या दूसरे, सब में मिलावट ही मिलावट हो रही है। दूध, मावा, घी, हल्दी, मिर्च, धनिया, अमचूर, सब्जियां, फल आदि सभी मिलावट की चपेट में है। आज खाने पीने सहित सभी चीजों में धड़ले से मिलावट हो रही है। ऐसा कोई भोज्य पदार्थ नहीं है, जो जहरीले कीटनाशकों और मिलावटों से मुक्त हो। बाजार में पपीता, आम और केला, सेव अनार जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाईड की मदद से पकाया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार यह स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है।

हमारे देश में मिलावट करने को एक गंभीर अपराध माना गया है। मिलावट साबित होने पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 272 के तहत अपराधी को आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। मगर बहुत कम मामलों में सजा और जुर्माना हो पाता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से आदमी अनेक प्रकार की बीमारियों का शिकार हो जाता है। पेट की असाध्य बीमारियों से लेकर कैंसर तक का रोग लग जाता है। अंधापन और अपंगता को भी झेलना पडता है। मिलावट साबित होने कई बार छोटे-मोटे मिलावटखोरों की पकड-धकड़ के समाचार अवश्य पढने और सुनने को मिल जाते हैं मगर मिलावट का थोक व्यापार करने वाले लोग अब तक कानून की पहुंच से दूर हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 7 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत-2083, चित्रा नक्षत्र रविवार प्रात: 5:53 तक, प्रीति योग रात्रि 3:28 तक, वणिज करण दिन 10:48 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:15 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 5:53 से सूर्योदय तक है। आज धनवन्तरी जयन्ती है। आज नरक और रूप चतुरदशी निमित्त सायं दीपदान और आगामी अरुणोदयकाल में प्रभात स्नान और दीपदान है। चन्द्रोदय प्रात: 5:41 पर होगा। आज मास शिवरात्रि, हनुमान जयन्ती, पदम प्रभु जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ 8:06 से 9:37 तक, चर 12:14 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:15 तक।

राहुकाल– 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 5:36



मेष

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। परिवार में शुभ-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।



तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

बीकानेर की माटी में रचा गया सांप्रदायिक सद्भाव का अनूठा दस्तावेज़ : उर्दू रामायण

दीपावली के अवसर पर होता है उर्दू रामायण का वाचन



राजेन्द्र जोशी

थार मरुस्थल की गोद में बसे बीकानेर की पहचान केवल अपने ऐतिहासिक वैभव, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विरासत तक सीमित नहीं है। यह शहर सदियों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल भी रहा है। इसी साझा संस्कृति और उदार सामाजिक चेतना का एक विलक्षण उदाहरण वर्ष 1936 में सामने आया, जब बीकानेर में कार्यरत मौलवी बादशाह हुसैन खां राना ने उर्दू में रामायण की रचना की। यह रचना केवल साहित्यिक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि भारतीय संस्कृति की साझी विरासत और धार्मिक सहिष्णुता का ऐसा दस्तावेज़ बनी, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

लखनऊ निवासी मौलवी बादशाह हुसैन खां राना वर्ष 1913 में बीकानेर आए थे। वे फारसी भाषा के विद्वान थे। बीकानेर के अभिलेखागार में मुगल शासकों के फरमानों का फारसी से उर्दू में अनुवाद करने का महत्वपूर्ण दायित्व उन्हें महाराजा गंगासिंह ने सौंपा था। उनके कार्य और विद्वत्ता से प्रभावित होकर बीकानेर रियासत ने उन्हें लखनऊ वापस जाने से रोक लिया और डूंगर कॉलेज में उर्दू-फारसी के मौलवी पद पर नियुक्त किया। वे वर्ष 1919 से 1943 तक डूंगर कॉलेज में अपनी सेवाएं देते रहे।

उर्दू में रामायण की रचना का प्रसंग भी बेहद रोचक है। वर्ष 1936 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने तुलसीदास जयंती के अवसर पर उर्दू में रामायण नज़्म लिखने की अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की थी। बीकानेर में उस समय मौलवी बादशाह हुसैन खां राना का संपर्क मोहम्मद उस्मान आरिफ, गाजी साहब, गोविंद नारायण व्यास, इस्माईल साहब सहित उनके शागिर्द थे । इन्हीं शागिर्दों के बीच एक कश्मीरी पंडित ने उन्हें इस प्रतियोगिता की जानकारी दी और उर्दू में रामायण लिखने का आग्रह किया।

दिलचस्प बात यह थी कि मौलवी साहब ने तब तक रामायण पढ़ी नहीं थी। उन्हें अवधी भाषा का ज्ञान भी नहीं था। मित्रों के आठाह पर उन्होंने पहले रामायण का अध्ययन किया, उसे सुना और उसके भावों को आत्मसात किया। इसके बाद उन्होंने रामकथा को उर्दू की नज़्म के रूप में अभिव्यक्त किया। इस रचना में उन्होंने रामायण के प्रसंगों, पात्रों की संवेदनाओं और घटनाओं को उर्दू की काव्यात्मक भाषा में अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी रचना का स्वरूप मुसद्दस शैली का था, जिसमें प्रत्येक बंद में 6-6 पंक्तियां बताई जाती हैं। बीकानेर की साहित्यिक और सांस्कृतिक भूमि पर रची गई इस उर्दू रामायण को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रतियोगिता में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय ने मौलवी बादशाह हुसैन खां राना को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। इस उपलब्धि का महत्व इसलिए भी विशेष था कि एक मुस्लिम विद्वान ने हिंदू धर्म के महाकाव्य रामायण को उर्दू जैसी भाषा में काव्यबद्ध कर सांस्कृतिक एकता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। महाराजा गंगासिंह ने इस उपलब्धि पर नागरी भंडार में एक समारोह आयोजित कर राना साहब से उर्दू रामायण का वाचन करवाया। इसी अवसर पर बनारस से आए वरिष्ठ साहित्यकार सर तेज बहादुर सप्रू ने विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें गोल्ड मेडल प्रदान किया। यह आयोजन बीकानेर की गंगा-जमुनी तहजीब और साहित्य के प्रति तत्कालीन राजपरिवार के सम्मान का भी परिचायक था।

इस उर्दू रामायण का साहित्यिक सफर भी उल्लेखनीय रहा है। वर्ष 1999 में बीकानेर के उर्दू के लेखक खुर्शीद साहब ने अपनी पुस्तक शीरो-सकर में इसे प्रकाशित किया। वर्ष 1967 में नागरी भंडार की स्मारिका में भी इसका प्रकाशन हुआ। राजतंत्र के समय यह रचना कक्षा आठ के पाठ्यक्रम में शामिल रही और बाद में लोकतांत्रिक व्यवस्था में कक्षा बारहवीं बोर्ड के ऊर्दू पाठ्यक्रम तक पहुंची। इस तरह उर्दू रामायण ने साहित्य के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली की प्रोफेसर डॉ. मुकुल चतुर्वेदी ने इसका अंग्रेजी अनुवाद भी किया है।

इस ऐतिहासिक रचना की परंपरा को जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य पर्यटन लेखक संघ एवं महफिले अदब द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2012 से लगातार दीपावली के अवसर पर, विशेषकर धनतेरस के आसपास, उर्दू रामायण का सार्वजनिक वाचन आयोजित किया जाता रहा है। इस आयोजन में डॉ. जिया उल हसन कादरी, असद अली असद और जाकिर अदीब उर्दू साइड का प्रभावशाली वाचन करते हैं। श्रोता इस नज़्म को बड़े चाव से सुनते हैं और कई बार विशेष पंक्तियों को दोबारा सुनाने का आठाह भी करते हैं। हाल ही में हुए वाचन में सीता के विरह और युद्ध के प्रसंगों को विशेष सराहना मिली। सीता की मनोदशा को व्यक्त करती ये पंक्तियां संवेदना की गहराई को सामने रखती हैं-

रंजो हसरत की घटा सीता के दिल पर छा गई,
गोया जूही की कली थी, ओस से मुरझा गई।

इसी तरह लंका युद्ध के दृश्य का चित्रण करते हुए रचनाकार लिखते हैं-

थोड़े दिन में जंग के भी साजो-सामां हो गए,
खून से रंगीन सब कोह-ओ-बियाबां हो गए।
ये भी कुछ जख्मी हुए, कुछ वो भी बेजान हो गए,
कत्ल-ए-रावण के सब आसार अब नुमायां हो गए।

आगे हनुमान और लंका दहन के प्रसंग को जिस काव्यात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है, वह विशेष रूप से उल्लेखनीय है-

देखने को जाहिरा हनुमान जी की चल गई,
वरना सीता की ये आहें थीं कि लंका जल गई।

इन पंक्तियों में उर्दू की रवानी, भावों की गहराई और रामकथा की आत्मा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

डॉ. जिया उल हसन कादरी का मानना है कि राम तोड़ने का नहीं, जोड़ने का नाम है। इसी विचार को केंद्र में रखकर वे और उनके साथी वर्षों से उर्दू रामायण के वाचन की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। वास्तव में यह आयोजन केवल किसी साहित्यिक रचना का पाठ नहीं है, बल्कि समाज को अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत की याद दिलाने का एक सार्थक प्रयास है।

बीकानेर का इतिहास इस सद्भाव की परंपरा का साक्षी रहा है। 1488 में स्थापित यह शहर अपनी 538 वर्षों की यात्रा में सामाजिक सौहार्द की विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। यहां की सामाजिक चेतना, विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच आत्मीय संबंध और सांस्कृतिक गतिविधियों में साझा भागीदारी ने इस परंपरा को मजबूत किया है। बीकानेर के इतिहास में सांप्रदायिक कर्फ्यू की स्थिति का न आना भी शहर की इस विशिष्ट सामाजिक पहचान के रूप में अक्सर रेखांकित किया जाता है। यहां के शासकों ने भी समय-समय पर सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के प्रयास किए।

यह समझना आवश्यक है कि सांप्रदायिक सद्भाव किसी एक दिन में पैदा नहीं होता और न ही केवल भाषणों या नारों से कायम रह सकता है। इसके लिए पीढ़ियों तक विकसित होने वाली आपसी समझ, विश्वास, प्रेम और सांस्कृतिक सहभागिता की आवश्यकता होती है। जब एक मुस्लिम विद्वान रामायण को उर्दू में लिखता है, जब हिंदू-मुस्लिम साहित्यकार मिलकर उसका वाचन करते हैं और जब अलग-अलग धर्मों के लोग एक साथ बैठकर उसे सुनते हैं, तब सद्भाव केवल विचार नहीं रहता, बल्कि जीवन का हिस्सा बन जाता है।

मौलवी बादशाह हुसैन खां राना की उर्दू रामायण इसी साझा विरासत का जीवंत प्रमाण है। यह बीकानेर की माटी की वह सौंधी खुशबू है, जो बताती है कि भाषा, धर्म और आस्था की विविधताओं के बावजूद मनुष्यता का रिश्ता सबसे बड़ा होता है। रामकथा को उर्दू में रचने वाले मौलवी साहब और आज तक उसे जीवित रखने वाले साहित्यकारों का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को यही संदेश देता रहेगा कि साहित्य और संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति लोगों को जोड़ना है, तोड़ना नहीं।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार,
लेखक हिन्दी- राजस्थानी भाषा के साहित्यकार है।

दीपावली: तीन युग, तीन कथाएं और एक जीवंत सभ्यता

श्री अरविंद का चिंतन और भारतीय सभ्यता की निरंतरता



सूर्य प्रताप सिंह राजावत

दीपावली क्यों मनाएँ? आज की उलझनों के सामने यह प्रश्न स्वाभाविक है। क्या दीपावली केवल एक धार्मिक पर्व है, पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा है, अथवा अपनी सभ्यता के इतिहास, दर्शन और सांस्कृतिक चेतना को समझने का अवसर? आधुनिकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के युग में युवा परंपराओं के पीछे का तर्क जानना चाहते हैं। इस प्रश्न का उत्तर दीपावली से जुड़ी कथाओं और भारतीय सभ्यता की प्रकृति को समझने में निहित है।

भारतीय सभ्यता की ऐतिहासिक यात्रा को समझने के लिए कभी-कभी पैलिम्प्सेस्ट का रूपक प्रस्तुत किया जाता है। पैलिम्प्सेस्ट ऐसी प्राचीन पांडुलिपि होती है, जिस पर पुरानी लिखावट मिटाकर नई लिखावट अंकित की जाती थी, फिर भी पहले के लेखन के चिह्न शेष रहते थे। इस रूपक के माध्यम से भारतीय इतिहास को विभिन्न कालखंडों के विचारों, सांस्कृतिक प्रभावों, प्रवासों और ऐतिहासिक घटनाओं की परतों के रूप में समझने का प्रयास किया जाता है। हालाँकि, इस दृष्टिकोण की एक ऐसी व्याख्या भी सामने आती है, जिसमें भारत को विभिन्न प्रवासों और आक्रमणों से बनी सांस्कृतिक परतों का समूह मान लिया जाता है। इस विचारधारा के अनुसार, भारत की अपनी कोई स्वतंत्र, मौलिक सांस्कृतिक पहचान नहीं है; उसकी संस्कृति विभिन्न बाहरी प्रभावों का परिणाम मात्र है। ऐसी धारणा भारत की सभ्यता को एक धर्मशाला की तरह प्रस्तुत करती है, जहाँ विभिन्न समुदाय आते रहे और अपनी छाप छोडते रहे। लेकिन क्या भारतीय संस्कृति को केवल प्रवासों और आक्रमणों के परिणाम के रूप में समझा जा सकता है? क्या उसकी अपनी कोई मौलिक चेतना, विचार-परंपरा और सृजनशील शक्ति नहीं रही है?

श्री अरविंद का सांस्कृतिक चिंतन इन प्रश्नों पर गहराई से विचार करने की प्रेरणा देता है। अपनी पुस्तक भारतीय संस्कृति के आधार में वे भारतीय मानस की आध्यात्मिकता, जीवनशक्ति और बौद्धिकता को उसकी विशिष्ट पहचान के रूप में रेखांकित करते हैं।वे लिखते हैंकिआध्यात्मिकता निस्संदेह भारतीय मानस की मूल कुंजी है; अनंत का बोध इसकी सहज प्रकृति है किन्तु आध्यात्मिकता स्वयं पृथ्वी पर शून्य में विकसित नहीं होती, ठीक वैसे ही जैसे हमारे पर्वतों की चोटियाँ किसी स्वप्निल जादू के प्रभाव से बादलों में से बिना किसी आधार के नहीं उठ खडी होतीं। जब हम भारत के अतीत पर दृष्टि डालते हैं, तो इसके बाद जो बात हमें सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है उसकी अद्भुत जीवनशक्ति, जीवन के प्रति उसकी अक्षय ऊर्जा और आनंद की अनुभूति तथा उसकी अकल्पनीय रूप से विपुल सृजनशीलता। प्राचीन भारतीय आत्मा की तीसरी शक्ति थी उसकी प्रबल बौद्धिकता-जो एक साथ तपस्वी और समृद्ध, सुदृढ और सूक्ष्म, शक्तिशाली और कोमल, सिद्धांतों में व्यापक तथा विवरणों के प्रति जिज्ञासु थी।

श्री अरविंद का यह विचार स्पष्ट करता है कि भारतीय आध्यात्मिकता किसी आधारहीन अवधारणा का नाम नहीं है। उसका विकास एक समृद्ध जीवन-दृष्टि, व्यापक बौद्धिक परंपरा और असाधारण सृजनशीलता के साथ हुआ है। इसी संदर्भ में गोविंद चंद्र पांडे का विचार भी उल्लेखनीय है। वे लिखते किभारतीय संस्कृति न तो सदियों के दौरान घटित हुई मात्र आकस्मिक घटनाओं का परिणाम है और न ही प्रवासों एवं आक्रमणों की परत-दर-परत लिखी गई कोई पैलिम्प्सेस्ट मात्र। अपने सारतत्त्व में यह उन आधारभूत विचारों का विकास है, जिन्होंने एक सृजनात्मक आधारभूमि का निर्माण किया है। इसके बदलते हुए ऐतिहासिक स्वरूपों के पीछे सृजनशीलता का एक गहन और निरंतर प्रवाह विद्यमान है, जिसका चरित्र आध्यात्मिक है।

इस दृष्टि से भारतीय सभ्यता की निरंतरता का अर्थ अतीत को ज्यों का त्यों दोहराना नहीं, बल्कि उसके मूलभूत आदर्शों को प्रत्येक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नए रूपों में अभिव्यक्त करना है। यही विचारयुगधर्म की अवधारणा से भी जुड़ता है। प्रत्येक युग की चुनौतियाँ अलग होती हैं, इसलिए सत्य, धर्म, न्याय और लोककल्याण जैसे मूल्यों की अभिव्यक्ति भी समयानुसार बदल सकती है। भारतीय पुनर्जागरण का वास्तविक अर्थ केवल अतीत का गौरवगान नहीं, बल्कि उसकी चिरंतन चेतना को वर्तमान जीवन में रचनात्मक रूप से प्रकट करना है।

दीपावली से जुड़ी विभिन्न परंपराएँ भारतीय सांस्कृतिक स्मृति की विविधता और गहराई को समझने का अवसर देती हैं। सतयुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग से संबंधित तीन प्रमुख कथाएँ समृद्धि, धर्म और स्वतंत्रता के अलग-अलग आदर्शों को सामने लाती हैं।

1. **सतयुग:** समुद्र मंथन और माँ लक्ष्मी का प्राकट्यय-हिंदू धर्मग्रंथों में वर्णित समुद्र मंथन से माँ लक्ष्मी का प्राकट्यय समृद्धि, ऐश्वर्य और कल्याण का प्रतीक है। दीपावली पर लक्ष्मी-पूजन की परंपरा आर्थिक संपन्नता के साथ शुभता और मंगल की कामना भी व्यक्त करती है।

2. **त्रेतायुग:** श्रीराम की अयोध्या वापसी-रामायण की परंपरा के अनुसार, चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या लौटने पर लोगों ने दीप जलाकर प्रसन्नता व्यक्त की। यह प्रसंग धर्म की पुनर्स्थापना, आशा और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक बन गया।

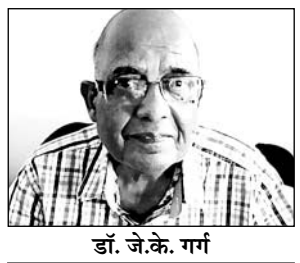
3. **द्वापरयुग:** श्रीकृष्ण की नरकासुर पर विजय-नरक चतुर्दशी की परंपरा श्रीकृष्ण की नरकासुर पर विजय से जुड़ी है। इस आख्यान का केंद्रीय भाव अत्याचार का अंत और बंदियों की मुक्ति है। यह स्वतंत्रता, मानवीय गरिमा तथा अन्याय के प्रतिरोध का संदेश देता है।

इन कथाओं के युग-संबंधी विवरण धार्मिक परंपराओं का हिस्सा हैं। इनका महत्त्व उन मूल्यों में भी है, जिन्हें भारतीय समाज ने पीढ़ियों तक इनके माध्यम से संप्रेषित किया है। इन तीनों कथाओं में समृद्धि, धर्म और स्वतंत्रता के अलग-अलग आदर्श दिखाई देते हैं। परंपरा का जीवंत होना तभी संभव है, जब वह वर्तमान से संवाद करे। अतीत को समझना आधुनिकता से विमुख होना नहीं है; बल्कि वह वर्तमान की समस्याओं का सामना करने के लिए नैतिक और बौद्धिक आधार प्रदान कर सकता है। दीपावली का उत्सव इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि उसके संदेश आज के जीवन में नए अर्थ ग्रहण कर सकते हैं। समृद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ मर्यादा और स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व-ये मूल्य किसी एक युग तक सीमित नहीं हैंयुवा पीढ़ी के सामने चुनौती परंपरा और आधुनिकता में से किसी एक को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों के बीच सार्थक संवाद स्थापित करने की है। किसी परंपरा को समझे बिना उसका पालन करना उसे औपचारिकता बना सकता है; वहीं, उसके ऐतिहासिक और दार्शनिक संदर्भों को जाने बिना उसे अप्रासंगिक मान लेना भी उचित नहीं। दीपावली युवाओं को प्रश्न पूछने, अपनी सांस्कृतिक विरासत के स्त्रोतों को जानने और उसके मूल्यों को समकालीन जीवन से जोड़ने का अवसर देती है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी समझ और विवेक के आधार पर इन परंपराओं से संवाद कर सकता है। भारत का वास्तविक पुनर्जागरण अतीत की नकल करने में नहीं, बल्कि उसकी चिरंतन चेतना को प्रत्येक युग में नए विचारों, नए संकल्पों और नई सृजनशीलता के साथ अभिव्यक्त करने में निहित है। दीपक प्राचीन हो सकता है, लेकिन उसका प्रकाश हर युग को नई दिशा दे सकता है। यही दीपावली का संदेश है-अपनी जड़ों को जानिए, अपनी सभ्यता को समझिए और उसके भविष्य के सृजनकर्ता बनिए।

शुभ दीपावली!

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
उपाध्यक्ष, श्री अरविंद सोसाइटी,
राजस्थान राज्य समिति

माता लक्ष्मी की स्थाई कृपा प्राप्त करने का अचूक इलाज



डॉ. जे.के. गर्ग

दीपावली के पावन पर्व सौभाग्य धन,सम्पन्नता,सुख खुशी की कामना रखने वाले सभी व्यक्ति माता लक्ष्मी जी पूजा अर्चना और आराधना श्रद्धा के साथ करते हैं। साधारणतया हम अपने-अपने घरों की बाहरी सफाई करते हैं रंग रोशन भी करवाते हैं, घरों को सजाते भी हैं।

हम दीपावली पर अपने आप से सवाल पूछें क्या हमारा दिल सभी अवगुणों यानी क्रोध, ईर्ष्या, लोभ, लालच, असीमित इच्छा, घृणा, राग-द्वेष छल-कपट से मुक्त है? अधिकांश लोगों की अंतरात्मा से यही आवाज आयेगी-नहीं-नहीं। क्योंकि कमोपेश इनमें बहुत से दुर्गुण हमारें दिलों में मोजूद हैं। याद रखिये जब तक हम अपनी आत्मा एवं दिल को इन दुर्गुणों से मुक्त नहीं करंगे माँ मोक्ष लक्ष्मी हमारे घर मे प्रवेश नहीं करेगी । यह मान कर चले जिस दिन हमने अपनी आत्मा और -दिल को इन दुर्गुणों से मुक्त कर लिया उसी क्षण से माँ मोक्ष लक्ष्मी आप के घर मे सदेव के लिए निवास करेंगी ओर आपका घर परिवार हमेशा धन सम्पदा खुशियों के हजारो दीपों से रोशन होगा।

माँ लक्ष्मी उन्हें पसंद करती है जो रचनात्मक सोच रखते है, जिनके पास एक कार्य योजना है, सब के सहयोग से काम करते हैं, सभी की मदद करते है, खुद खुश रहते हैं और अन्य को भी खुशी देते हैं, अच्छे काम और दूसरे की भलाई के लिए प्रयास करते हैं। गरीबों की मदद करते हैं, किसी भी उपेक्षा ओर अपमान नहीं करते हैं और ना ही किसी से कोई अपेक्षा रखते हैं और जीवन में हुए हर परिवर्तन को दिल से स्वीकार करते है। किसी भी उपेक्षा ओर अपमान नहीं करतें हैं, सच सुनते हैं, सच बोलते हैं तथा हमेशा मीठी वाणी

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 98 प्रभात जयपुर, शनिवार 7 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



A Dawat And The Guest

Good hospitality is measured not by how much the host provides, but by how thoughtfully everything is arranged

Copper Pots Get Scientific Validation

Hukkus Bukkus Telyi Wan Tsch Kus

भारत में जन्मी नित्या रमण लॉस एंजलिस की मेयर निर्वाचित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। अमेरिका की लॉस एंजलिस सिटी काउन्सिल की सदस्य नित्या रमण, जिन्हें ''डेमोक्रेटिक



सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका'' का समर्थन प्राप्त था, और जो पहले बहुत कम जानी जाती थीं, ने मेयर कैरेन बास को हरा दिया है। इस अप्रत्याशित जीत से देश के दूसरे सबसे बड़े शहर की दिशा बदल जाएगी।

भारत में जन्मी नित्या रमण के चुनाव अभियान ने सिटी हॉल में एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत दिया। मतदाताओं ने न्यूयॉर्क की राह अपनाई, जहां पिछले साल लोकतांत्रिक समाजवादी जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए थे। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर पर नित्या रमण की ममदानी जैसी पहचान नहीं थी, और उन्होंने अपने चुनाव अभियान के दौरान कई बार इस बात पर जोर भी दिया कि जरूरत पड़ने पर वे ''प्रोग्रेसिव पार्टी'' से अलग रुख अपनाने के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धारमैया, पूर्व मु.मंत्री, राहुल गांधी की चाय पार्टी में शरीक नहीं हुए

सिद्धारमैया ने उपस्थित नहीं हो पाने की वजह बताई कि वे वार्षिक हसनांबा उत्सव में शामिल होने की काफी समय पहले ही घोषणा कर चुके हैं

- जैसा विदित ही है, सिद्धारमैया के खिलाफ एक ''स्टिंग'' ऑपरेशन वाला वीडियो काफी चर्चित है, सोशल मीडिया में।
- हालांकि, बैंगलोर के पुलिस कमिश्नर ने अपनी जांच के बाद वीडियो को फर्ज़ी बताया है तथा फर्ज़ी वीडियो जारी करने के आरोप में काफी धर-पकड़ भी हुई है, बैंगलोर में।
- तथापि, वर्तमान मु.मंत्री शिवकुमार व पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष, दोनों राहुल की चाय-पार्टी में जरुर शामिल हुए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई चाय बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने हासन में पहले से तय कार्यक्रम का हवाला देते हुए उन्होंने पार्टी को सूचित किया है कि वह बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद और मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद है।

सिद्धारमैया शुक्रवार को हासन जाने वाले हैं, जहां वे वार्षिक हसनांबा उत्सव में शामिल होंगे और ऐतिहासिक हसनांबा मंदिर में दर्शन करेंगे। होयसल काल के इस मंदिर के द्वार 29 अक्टूबर, 2026 को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे और वार्षिक जात्रा महोत्सव 11 नवंबर को संपन्न होगा।

बैठक में शामिल नहीं होने का उनका फैसला सोमवार, 3 नवंबर को नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात के कुछ दिनों बाद आया है। दोनों नेताओं ने सिद्धारमैया को निशाना बनाने वाले एक कथित स्टिंग ऑपरेशन वीडियो से पैदा हुए विवाद पर चर्चा की थी।

बंद कमरे में यह हुई बैठक कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर हुई थी। सिद्धारमैया के साथ उनके बेटे और कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री यतीन्द्र सिद्धारमैया भी मौजूद थे। उन्होंने ए.आई.सी.सी. महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और पार्टी अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमिताभ बच्चन को एक और धमकी मिली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। मुंबई के कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इनमें बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का बंगला ''जलसा'', बॉम्बे

- 22 अक्टूबर को अमिताभ बच्चन को पहली धमकी मिली थी और अब यह दूसरी धमकी ई-मेल के मार्फत मिली है, पन्द्रह दिन के अंतराल पर। बच्चन परिवार व पुलिस इस धमकी को काफी गंभीरता से ले रही है।

हाईकोर्ट और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) शामिल हैं। इस धमकी के बाद पूरे शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

हाईकोर्ट को एक धमकी भरा ई-मेल मिला, जिसमें इन तीनों स्थानों के साथ-साथ वर्ली रेसकोर्स में भी बम हमले की चेतावनी दी गई है।

धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है।

अमिताभ बच्चन को मिली यह दूसरी धमकी है। बाईस अक्टूबर को शहर के एक स्कूल को धमकी भरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करोल बाग में चार मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग में भारी आग लगी

गफ्फार मार्केट में मोबाइल फोन से संबंधित सामान बेचने वाली दुकान से आग शुरु हुई थी

- पुलिस का अनौपचारिक तौर पर यह मानना है कि मोबाइल फोन की बैटरीज़ की ओवर चार्जिंग होने से शायद आग लगी है।
- करीब 20-25 दमकल, तीन कैट एंबुलैंस, दो पी.सी.आर. वाहन काम में लिए गए, आग को काबू पाने के लिए।
- प्रारंभिक जाँच के अनुसार, आग ग्राउण्ड फ्लोर पर स्थित, दुकान नम्बर 13/21, जहाँ मोबाइल फोन की बैटरियां चार्ज होती थीं तथा स्टोर की जाती थीं, वहाँ से शुरु हुई तथा शीघ्र ही उस भवन की चारों मंजिलों पर फैल गई।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। दिवाली से ठीक पहले और धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार तड़के दिल्ली के गफ्फार मार्केट में चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद बड़े पैमाने पर आपातकालीन बचाव अभियान शुरू किया गया।

आग पर काबू पाने के लिए दमकल की करीब 20 से 25 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, चेन वाली गली में आग लगने की सूचना शुक्रवार रात करीब 1:28 बजे करोल बाग पुलिस थाने को मिली। थाना प्रभारी और रात की ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने पुरी प्लाज़ा की दुकान नंबर 13/21 में आग लगी हुई देखी। इस चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में मोबाइल फोन के सामान का कारोबार होता है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग इमारत के भूतल पर स्थित एक दुकान से शुरू हुई, जहां मोबाइल फोन की बैटरियां रखी हुई थीं। इसके बाद आग इमारत की चारों मंजिलों तक फैल गई।

दमकल की 20 से 25 गाड़ियों के अलावा, तीन सीएटी (कैट) एंबुलेंस और दो पीसीआर वाहन भी मौके पर तैनात किए गए। आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी घटना स्थल पर तुरंत सक्रिय हो गए।

हालांकि, आग बुझा दी गई है, लेकिन इस घटना में संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। किसी की जान जाने या घायल होने की खबर नहीं है।

पुलिस को संदेह है कि बैटरियों के अधिक गर्म होने या जरूरत से ज्यादा चार्ज होने के कारण आग लगी होगी। लेकिन आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग और इलेक्ट्रिकल इन्स्पेक्टर से विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाएगी।

फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की टीम भी इमारत की जांच करेगी, यह पता लगाने के लिए, कि आग फैलने में किसी अन्य ज्वलनशील पदार्थ की भूमिका तो नहीं

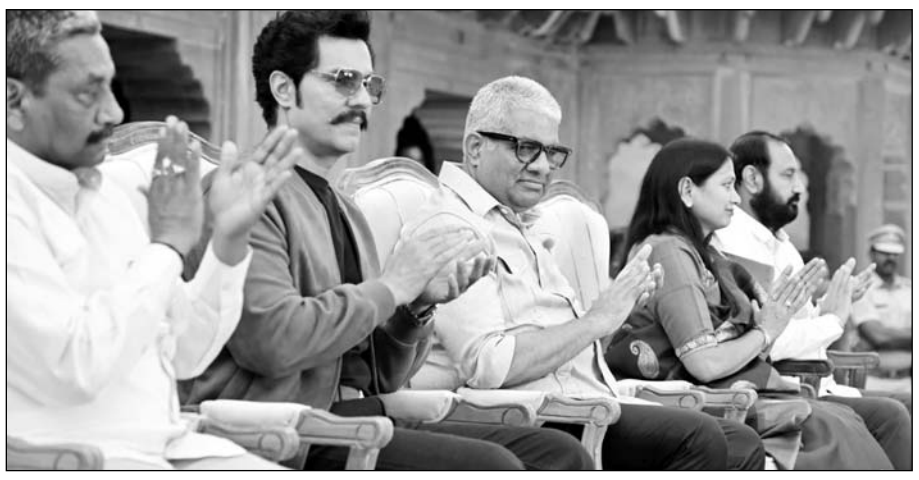
(शेष अंतिम पृष्ठ पर)



वन मंत्री यादव व रणदीप हुड्डा की मौजूदगी में ''अलवर टाइगर मैराथन'' टी-शर्ट का अनावरण

अलवर, (निसं)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं मैराथन के ब्रांड एंबेसडर एवं प्रसिद्ध अभिनेता रणदीप हुड्डा की गरिमामयी उपस्थिति में आज ऐतिहासिक मूसी महारानी की छतरी परिसर में 7 फरवरी 2027 को आयोजित होने वाली 'अलवर टाइगर मैराथन' के तीसरे संस्करण के उद्घोष कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अलवर टाइगर मैराथन के आधिकारिक शुभंकर 'सरिस्का वीर' का शुभारंभ रहा। सरिस्का वीर के माध्यम से बच्चों, युवाओं एवं परिवारों को बाघ संरक्षण, वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर सरिस्का वीर द्वारा केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं अभिनेता रणदीप हुड्डा को अलवर टाइगर मैराथन-2027 की आधिकारिक टी-शर्ट भेंट की गई। इसके पश्चात अतिथियों ने संयुक्त रूप से टी-शर्ट का अनावरण किया तथा फोटो सेशन में भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थान पर्यटन विभाग एवं वी-शक्ति ट्रस्ट के मध्य अलवर टाइगर मैराथन के संबंध में एमओयू हुआ, जिस पर राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से अतिरिक्त निदेशक राजेश शर्मा एवं वी-शक्ति ट्रस्ट की ओर से प्रज्ञा यादव ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान अतिथियों द्वारा मुम्बई हमले के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने वाले अलवर निवासी कमांडो सुनील जोधा एवं अजमेर निवासी अल्ट्रा रनर सुफिया सोफी का शॉल ओढाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया।



केंद्रीय मंत्री यादव व अभिनेता रणदीप हुड्डा 'अलवर टाइगर मैराथन' के तीसरे संस्करण के उद्घोष कार्यक्रम में शामिल हुए।

- 7 फरवरी को होगा मैराथन का तीसरा संस्करण, आधिकारिक शुभंकर 'सरिस्का वीर' का हुआ लोकार्पण
- आधिकारिक टी-शर्ट का किया अनावरण

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने आमजन को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अलवर टाइगर मैराथन टाइगर एवं प्रकृति के संरक्षण के साथ पर्यटन को बढावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जो खेल के साथ-साथ स्वस्थ नागरिक, सुरक्षित प्रकृति व सशक्त समाज का संदेश देती है।

पावटा: दीपावली पर सड़कों पर लगा जाम, यातायात व्यवस्था चरमराई

पावटा(निसं)। दीपावली पर्व को लेकर बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भारी भीड़ के बीच पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आई। कस्बे के प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों पर दिनभर जाम के हालात बने रहे।

- त्योहारी भीड़ के आगे बेबस नजर आई पुलिस, घंटों जाम में फंसे रहे वाहन चालक और राहगीर

सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों सहित मरीजों को ले जाने वाली एम्बुलेंस घंटों तक जाम में फंसे रहे। दीपावली जैसे बड़े पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हुईं। बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से लोग पहुंचे। इसके चलते मुख्य बाजार, चौराहों और प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। दुकानों के सामने बेतरतीब खड़े वाहन और सड़क तक फैले सामान के कारण रास्ते संकरे हो गए। देखते ही देखते यातायात बाधित हो गया और वाहन रेंगते नजर आए। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को उठानी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि दीपावली पर्व को देखते हुए पहले से ही यातायात प्रबंधन की आवश्यकता थी। बाजारों में पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती, वन-वे व्यवस्था और पार्किंग के लिए वैकल्पिक स्थान निर्धारित किए जाने चाहिए थे। लेकिन समय रहते प्रभावी इंतजाम नहीं होने से आमजन को परेशानी झेलनी पड़ी। त्योहारों पर बाजारों में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इस स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन को पहले से योजना बनानी चाहिए। इसके बावजूद जाम के हालात बने रहना यातायात प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में त्योहारों के दौरान जाम से निजात दिलाने के लिए स्थायी यातायात योजना बनाई जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यो के लिए कमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं.: 1। निविदा संख्या/कार्य का नाम:** निविदा स०-इजी.-जेपी-2026-27-117-R जयपुर डिवीजन में फेज्ड ऐरे अल्ट्रासोनिक सिंगल रेल टेस्टर (PAUT SRT) का उपयोग करके रेल की अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग। **अनुमानित लागत:** 3800000.00। **बिड प्रतिभूति राशि:** 76000.00। **क्र. सं.: 2। निविदा संख्या/कार्य का नाम:** निविदा स०-इजी.-जेपी-2026-27-134 सहायक मंडल इंजी. मुख्यालय/II उप-मंडल DO-GGC खंड में रेलवे भूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए बाड (फेंसिंग वॉल) लगाना। **अनुमानित लागत:** 28620018.52। **बिड प्रतिभूति राशि:** 572400.00। **क्र. सं.: 3। निविदा संख्या/कार्य का नाम:** निविदा स०-इजी.-जेपी-2026-27-136 सहायक मंडल इंजी. रींगस सेक्शन के अधिकार क्षेत्र में. कुंड से नारनौल तक हाल ही में चालू किए गए ट्रैक का रखरखाव, जिसमें शेष (P-way) कार्य भी शामिल हैं। **अनुमानित लागत:** 66491528.70। **बिड प्रतिभूति राशि:** 1329800.00। **1.** उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड-मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। **2.** निविदा संख्या **इंजी./जेपी/2026-27-134 व 136 & 117-R** की बन्द होने की तिथि 26.11.2026 समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथि 26.11.2026 समय 16.00 बजे।

1616-MG/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली), उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या:** मं.रे.प्र. (बि.) – 34-26-27। **कार्य का नाम:** All Div.: Rewiring of Staff quarters on age cum condition basis at Railway Hospital & GLO Ajmer and Aburoad station। **अनुमानित लागत:** ₹59,58,910/-। **बयाना राशि :** ₹1,19,200/-। **ई निविदायें बन्द होने की तिथि:** 27/11/2026। उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता – www.ireps.gov.in। **1610-MG/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

शुभकामनाएं दी

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट काना राम ने दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज के पावन पर्व पर जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

कोटपूतली : खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में 350 किलोग्राम दूषित मिठाई नष्ट

जलेबी, पेड़ा, गुलाब जामुन, लड्डू, रसगुल्ला सहित विभिन्न मिठाइयां करवाई गई नष्ट, मिठाई निर्माण इकाई का भी किया निरीक्षण

कोटपूतली(निसं)। दीपावली पर्व के मद्देनजर आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत सघन निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कोटपूतली शहर के विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों एवं खाद्य कारोबार स्थलों का निरीक्षण किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों बहादुर सिंह चौधरी, विजेंद्र कुमार एवं राजसिंह चौहान की टीम ने निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों पर पाई गई दूषित एवं अस्वास्थ्यकर मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट करवाया। कार्रवाई के दौरान जलेबी, पेड़ा, गुलाब जामुन, लड्डू, रसगुल्ला, बालूशाही एवं सोनपापड़ी सहित लगभग 350 किलोग्राम मिठाई नष्ट करवाई गई।



खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कोटपूतली शहर के विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों एवं खाद्य कारोबार स्थलों का निरीक्षण किया।

- प्रतिष्ठानों पर पाई गई दूषित एवं अस्वास्थ्यकर मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट करवाया

इसी क्रम में टीम द्वारा राजस्थान स्वीट भंडार एवं उसकी निर्माण इकाई का भी निरीक्षण किया गया। खाद्य कारोबारकर्ता को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम तथा संबंधित नियमों के अनुरूप खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं विक्रय करने तथा स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने के लिए निर्धारित समय में मिलेगी छूट

कोटपूतली-बहरोड़, (निसं)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से राज्य सरकार के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं उपयोग को लेकर नवीन दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान सरकार के शासन सचिव शैलजा देवल द्वारा जारी आदेश के अनुसार कोटपूतली-बहरोड़ जिले सहित राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र में शामिल जिलों में केवल निर्धारित समयावधि के दौरान - द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति प्रदान की गई है। जिले की तहसील बहरोड, नीमराना, मांढण, बानसूर, नारायणपुर क्षेत्र एनसीआर में शामिल है। आदेश के अनुसार जिले में 7 एवं 8 नवंबर 2026 को प्रात: 6 से 7 बजे तक तथा रात्रि 8 से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे चलाए जा सकेंगे। निर्धारित दो दिवसों के अतिरिक्त अन्य दिनों में पटाखे चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे निविदा सूचना

शुद्धि-पत्र-01

भारतसंघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), उत्तर पश्चिम रेलवे, जवाहर सर्किल, जयपुर, आमंत्रित निविदा संख्या-**NWR-SC-HQ-JP-05-2026-2027, dated 03/11/2026,** निविदा जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय 15/12/2026 को 15:00 बजे के स्थान पर दिनांक: 27/11/2026 को 15:00 बजे कर दी गई है।

उप मुख्य इन्जीनियर (निर्माण) वर्क्स, उत्तर-पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय जयपुर

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें **1613-MG/26**

कार्यालय प्रधानाचार्य महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नरायना सांभर लेक (जयपुर)

क्रमांक : MGGS/narayana/JPR/380 दिनांक 6/11/2026

नीलामी सूचना

सर्व धारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमान सीबीईओ सांभर लेक के आदेश क्रमांक: सीबीईओ/सांभर/जय/लेखा/2026-27/1749 दिनांक 3/11/2026 की अनुपालना मे स्थानीय विद्यालय में आईसीटी लैब के अनुपयोगी कंप्यूटर, सीपीयू, मॉनिटर, प्रिंटर आदि अन्य सामग्री की नीलामी दिनांक 23/11/2026 को प्रातः 11:00 बजे रखी गई है।

अतः इच्छुक जीएसटी रजिस्टर्ड खरीदार धरोहर राशि 2% जमा करवाकर बोली में भाग ले सकते है। सामान एवं अन्य शर्तों का अवलोकन कार्यालय समय मे विद्यालय में उपस्थित होकर किया जा सकता है।

प्रधानाचार्य म गा रा विद्यालय, नरायना सांभर लेक (जयपुर)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम कान सिंह पुत्र भरत सिंह से बदलकर कान सिंह राजावत रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये कान सिंह राजावत ए-111, मुरलीपुरा स्कीम जयपुर

I, RUKMANI mother of No. 8037389N HAV(GD) Ajit Kumar R/o Vill: No-486, Plot-26 Mohalla-Jarauli face-2 , Po: Barra, Teh: Kanpur, PS: Barra, Dist: Kanpur Nagar, State: Uttar Pradesh, PIN: 208027 I have changed my name from RUKIMIN DEVI to RUKMANI and Date of Birth from 01 January 1955 to 01 January 1974 Vide affidavit No. CP735768 Date 04/11/2026 (Jaipur)

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 4/52, अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्री जोधराज सैनी को आवंटन पत्रांक 1745 दिनांक 31.08.2010 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा इनके पक्ष मे आवास का उदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 1105 दिनांक 22.05.2012 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास की रजिस्टरी स्वयं के पक्ष मे दिनांक 17.06.2012 को उप पंजीयक कार्यालय भिवाडी मे पंजीकृत करवाई जा चुकी है। इनके द्वारा उक्त आवास का बेचान उपरांत मण्डल द्वारा अंतिम क्रेता श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री महादेव प्रसाद के पक्ष मे लीज हस्तांतरण आदेश क्रमांक 161 दिनांक 27.04.2023 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास का बेचान दिनांक 29.04.2024 के पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा श्री सुन्दर पाल शर्मा पुत्र श्री सुर्वसिंह शर्मा को कर दिया गया।

श्री सुन्दर पाल शर्मा द्वारा उक्त आवास का बेचान पंजीकृत विक्रय पत्र के जरिये दिनांक 22.05.2025 को श्रीमती मधुबाला पत्नी श्री सुधीर सिंह को कर दिया गया।

श्रीमती मधुबाला द्वारा स्वयं के नाम से आवास का लीज डीड परिवर्तन करवाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं प्रशासनिक शुल्क उच्च आय वर्ग दो बार विक्रय का राशि रुपये 40000.00 जमा कराकर चालान व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि उक्त आवास का लीज स्थानान्तरण उनके पक्ष मे किया जावे। अतः जरिये इस विज्ञिप्त यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 4/52 अरावली विहार पुरानी कॉलोनी, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी के संबन्ध मे किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञिप्त के प्रकाशित होने के 10 दिवस मे आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी मे अपना एतराज लिखित मे प्रस्तुत करे अन्यथा श्रीमती मधुबाला पत्नी श्री सुधीर सिंह के पक्ष में आवास संख्या 4/52 अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी जिला खैरथल-तिजारा के लीज स्थानान्तरण की कार्यवाही की जावेगी ।

आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड-भिवाडी

मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर कलेक्टर ने बैठक ली

कोटपूतली(निसं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता दिनांक 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में जिले के चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कार्यक्रम के तहत जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम की निर्धारित समय-सारणी, मतदाता सूचियों के अद्यतन एवं शुद्धिकरण तथा दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

- 12 नवंबर को होगा मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन, 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची होगी प्रकाशित

बैठक में उपस्थित अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोहन सिंह नरुका सहित चुनाव शाखा से तहसीलदार स्नेहलता राजोरिया एवं बीजेपी से अशोक सुरेलिया तथा कांग्रेस से जगदीश मीणा, रोहित यादव, रामनिवास यादव, रघुवीर सिंह यादव एवं सुरेश कुमार यादव ने भी अपने विचार रखे जिस पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सारणी के संबंध में बताया गया कि मतदान केंद्रों के पुनर्गठन एवं सुव्यवस्थीकरण की प्रक्रिया 2 नवंबर 2026 तक पूर्ण कर ली गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया जाएगा।

संख्यांक 2

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम । और 5)

न्यायालय अपर सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्र.-4, जयपुर महानगर-द्वितीय श्रीमती मन्दू देवी बनाम मुकेश शर्मा व अन्य

वाद बावत स्थाई निषेधाज्ञा

वाद संख्या 147/2026

नाम

1-मुकेश शर्मा पुत्र श्री जगदीश शर्मा पार्टनर सप्तऋषि बिल्डकॉम प्रा. लि. निवासी-206, विनायक एनक्लेव, वैशाली नगर, जयपुर।

2-सतीश त्रिपाटी पुत्र श्री अवधेश नारायण त्रिपाठी पार्टनर सप्तऋषि बिल्डकॉम प्रा. लि., निवासी-ई-30, जमना नगर, सोडाला, जयपुर।

3-योगराज शर्मा पुत्र श्री गोविन्द नारायण शर्मा पार्टनर सप्तऋषि बिल्डकॉम प्रा.लि. निवासी- 21, सुन्दर नगर विस्तार, अजमेर रोड, जयपुर।

वादी ने आपके विरुद्ध उपरोक्त के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय मे दिनॉक 21/11/2026 को दिन मे 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय मे स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति मे है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति मे हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप मे निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची मे प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मे उपसंजात नही होगे तो वादकी सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज दिनांक 05 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।

मोहर अदालत

अपर जिला न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय अपर सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्र.-4, जयपुर महानगर-द्वितीय श्रीमती मन्दू देवी बनाम मुकेश शर्मा व अन्य

प्रार्थना पत्र बाबत् अस्थाई निषेधाज्ञा

प्रार्थना-पत्र संख्या 164/2026

नाम

1- मुकेश शर्मा पुत्र श्री जगदीश शर्मा पार्टनर सप्तऋषि बिल्डकॉम प्रा. लि. निवासी-206, विनायक एनक्लेव, वैशाली नगर, जयपुर।

2- सतीश त्रिपाटी पुत्र श्री अवधेश नारायण त्रिपाठी पार्टनर सप्तऋषि बिल्डकॉम प्रा.लि. निवासी-ई-30, जमना नगर, सोडाला, जयपुर।

3- योगराज शर्मा पुत्र श्री गोविन्द नारायण शर्मा पार्टनर सप्तऋषि बिल्डकॉम प्रा.लि. निवासी- 21, सुन्दर नगर विस्तार, अजमेर रोड, जयपुर।

उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि उपरोक्त के लिये

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 21/11/2026 को स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज दिनांक 05 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-09, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/100867 **लोक सूचना** दिनांक: 06.11.2026

श्रीमति MADHU MEHTA पत्नी श्री BHUPENDRA RAJ MEHTA जाति JAIN निवासी NEAR DGP BUNGLOW, BAPNA FLATS, HIRA BAGH, SAWAI RAM SINGH ROAD, JAIPUR- 302004 ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **वाणिज्य** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम खसरा व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	क्षेत्रफल बिस्वा बिस्वांसी
1	सिरोही, तहसील (अण्डुर)	1.) मधुमोहता पत्नि भुपेन्द्रराज मेहता हिन्दू पूर्ण जाति जैन नि बापना फ्लेट्स हीरा बाग स्वाई रामसिंह रोड जयपुर खातेदार	3530/3520	0.2445	0.2445
			कुल	0.2445	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर 'विरुद्धित के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें।' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त निर्धारित समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के प्रस्तुत न किए जाने पर यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06-11-2026 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी जोन-09**

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मस्जिद मोमिनान बालजी की कोठी का रास्ता, घाटगेट, जयपुर पर सूचनादाता के दादा हाफीज अब्दुत्ता द्वारा उक्त मस्जिद की जमीन मस्जिद बनाने के लिये तथा दुकानों के लिये दी गई थी जिस पर मेरे द्वारा व समाज के लोगो द्वारा मस्जिद तथा दुकाने तामीर कराई थी। मस्जिद का इन्द्राज राजस्व रिकार्ड मे मेरे दादा के नाम से दर्ज है जिसका खसरा नम्बर 2719 से 2770 पर है। इस मस्जिद की देखभाल तथा दुकानो से किराया मुझे वसूल करने का अधिकार मुझे अधिकार है। पूर्व मे मेरे दादा हाफीज अब्दुत्ता तथा उनके इंतकाल के बाद मेरे वालिद अब्दुत रहमान जी तथा उनके इंतकाल के बाद मै उक्त मस्जिद का मुतवल्ली हूँ। कुछ असामाजिक तत्वो फरीदउद्दीन मुर्तजा आदि लोगो ने फर्जी कमेटी बनाई है जो पूर्णतया फर्जी व अवैध है यदि मस्जिद की देखभाल तथा दुकानो को कोई किरायेदार तथा कमेटी का कोई मेम्बर उक्त कमेटी के द्वारा किराया वसूल करेगा या किसी प्रकार का लेन-देन, इकरारनामा, किरायानामा, आदि बनायेगा तो वह पूर्णतय अवैध होगा तथा उक्त आपराधिक कृत्य के लिये कमेटी के सदस्य, पदाधिकारी तथा दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होगे इस मस्जिद तथा दरगाह के बाबत दिनांक 03-07-2026 को राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा सूचनादाता के पक्ष मे स्थायी रुप से स्थगन आदेश/स्टे हो चुका है। उक्त स्टे के बावजूद कोई उक्त सम्पति बाबत अवैध कार्यवाही करेगा तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही पुलिस तथा न्यायालय मे की जावेगी व उसके लिये स्वयं जिम्मेदार होगे। **(हसीन अख्तर) मुतवल्ली व संरक्षक मस्जिद मोमीयान, बाईजी की कोठी का रास्ता, घाटगेट, जयपुर मो. 9414079891**

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रामदयाल, मोहनलाल, रामजीलाल पुत्रान मोतीलाल, श्रीमति सावित्री देवी पत्नि श्री मोतीलाल के द्वारा अपनी कृषि भूमि खसरा नं0 190 रकबा 0.16 हैक्टेयर, खसरा नं0 191 रकबा 0.07 हैक्टेयर, खसरा नं0 426/1659 रकबा 0.05 हैक्टेयर, खसरा नं0 427/1860 रकबा 0.04 हैक्टेयर कुल किता 4 कुल रकबा 0.32 हैक्टेयर ग्राम जयरामपुरा तहसील आमेर के संबंध मे दिनांक जुलाई, 2014 को श्री आमीन पुत्र श्री शरीफ खां निवासी कायमखानियो का मोहल्ला ग्राम आसोजाई तहसील रामपुरा डाबडी जिला जयपुर को मुख्त्यार आम नियुक्त किया था। रामजीलाल पुत्र मोतीलाल की मृत्यु हो चुकी है। अब मेरे अभिभाष्यगण रामदयाल, मोहनलाल, पुत्रान श्री मोतीलाल, श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री मोतीलाल निवासी जयरामपुरा ने दिनांक 05.11.2026 को उक्त मुख्तारनामा आम जो आमीन के हक मे किया था उसे निरस्त कर दिया गया है। तथा निरस्तीकरण को नोटेरी पब्लिक से रजिस्टर करा दिया है। इसलिए अब आमीन मेरे अभिभाष्यगण का मुख्तारआम नही है। उक्त कृषि भूमि के संबंध मे आम व खास कोई आमीन से किसी भी प्रकार का संव्यवहार या खरीद फरोक्त आदि नही करे न आमीन कोई विक्रय, हस्तान्तरण आदि करे न ही अन्य कोई व्यक्ति करे, सूचित रहे। श्री आमीन को भी इस संबंध मे जरिये रजिस्टर्ड डाक सूचित कर दिया गया है।

जयपुर **आरिफ मोहम्मद, एडवोकेट**

दिनांक : 06.11.2026 **मो.नं.-7742611602**

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/102143 **लोक सूचना** दिनांक: 06.11.2026

श्री KUNJ BIHARI, श्री NARAYAN LAL SHARMA , श्री SHANKAR LAL SHARMA पुत्र श्री PRABHU NARAYAN SHARMA जाति BRAHMAN निवासी WARD NO- 9, GAYTRI MANDIR KE PICHE,VIMALPURA, SANGANER, JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	क्षेत्रफल बिस्वा बिस्वांसी
1	विमलपुरा, (जयपुर)	(1.) कुंजबिहारी पुत्र प्रभुनारायण शर्मा हिस्सा 1/3 अजितब्राह्मण ता. दे. खातेदार 2.)	180	0.2	0.09
2	सांगानेर (जयपुर)	नारायणतत्तारामपुत्रप्रभुनारायण शर्मा हिस्सा 1/3 अजितब्राह्मण ता.दे. खातेदार	280	0.25	0.08
3			281	0.17	0.17
4		3.) शंकरतत्तारामपुत्रप्रभुनारायण	282	0.11	0.05
		हिस्सा 1/3 अजितब्राह्मण ता. दे. खातेदार		कुल	0.39

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर 'विरुद्धित के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें।' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त निर्धारित समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के प्रस्तुत न किए जाने पर यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06-11-2026 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी जोन-14**

16 निर्

रावत मिष्ठान भंडार की मिठाइयों और चॉकलेट में जिंदा-मृत कीड़े मिले

बेकरी उत्पादों में कॉकरोच और मक्खियां मिलीं, पैकिंग पर निर्माण-समाप्ति तिथि भी नहीं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रावत मिष्ठान भंडार की अजमेर रोड और नारायण सिंह सर्किल स्थित दुकानों पर शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान टीम को बेकरी उत्पादों में जिंदा और मृत कीड़े, मक्खियां तथा कॉकरोच मिले। पैकिंग बंद मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों पर निर्माण और समाप्ति तिथि सहित जरूरी जानकारियां भी अंकित नहीं थीं। कार्रवाई के दौरान टीम ने विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे व अवधिपार सामग्री नष्ट करवाई।

खाद्य सुरक्षा टीम ने सबसे पहले अजमेर रोड स्थित दुकान का निरीक्षण किया। यहां बिक्री काउंटर और चिलर में रखी पैकिंग बंद मिठाइयों पर पैकिंग, निर्माण और समाप्ति तिथि सहित जरूरी जानकारियां नहीं मिली। तैयार खाद्य पदार्थों पर भी आवश्यक विवरण अंकित नहीं था। टीम ने यहां से केसर पिस्ता बर्फी का नमूना लिया। निरीक्षण के दौरान बेकरी काउंटर के नीचे मृत कॉकरोच और मक्खियां मिलीं। मिठाई बनाने वाली जगह पर जमीन पर खाद्य पदार्थों के अवशेष





खाद्य सुरक्षा टीम ने जयपुर में रावत मिष्ठान भंडार के अजमेर रोड और नारायण सिंह सर्किल स्थित प्रतिष्ठान पर छापा मारा तो यहां मिठाईयों व चॉकलेट में जिंदा-मृत कीडे पड़े मिले।

- खाद्य सुरक्षा टीम ने रावत मिष्ठान भंडार जयपुर की दो दुकानों पर छापा मारा तो पोल खुली
- बिना लाइसेंस संचालित नारायण सिंह सर्किल स्थित रेस्टोरेंट भी बंद कराया टीम ने

और गंदगी भी पाई गई। कच्चा माल रखने के स्थान पर भी साफ-सफाई की कमियां मिलीं। राज कचौरी और दही पूरी जैसे खाद्य पदार्थ अखबार पर रखकर परोसे जा रहे थे। कोल्ड स्टोरेज में रावत मिष्ठान भंडार के नाम से तैयार और पैक किए गए हेजलनट मिल्क तथा रोस्टेड चोको आलमंड हैंडक्राफ्टेड चॉकलेट में जिंदा और मृत कीडे मिले। इन उत्पादों के पैकेट पर भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अनुसार जरूरी जानकारियां पूरी नहीं थीं।

बिना वैध लाइसेंस चल रहा था रेस्त्रां

टीम ने नारायण सिंह सर्किल स्थित रावत मिष्ठान भंडार की दूसरी दुकान का निरीक्षण किया। यहां बिना वैध खाद्य लाइसेंस के रेस्टोरेंट संचालित मिला। जांच में पिज्जा टॉपिंग, ब्रेड, पाव, फ्रूट कॉकटेल, एमडीएच चना मसाला, बेबी कॉर्न, रेड चिली सॉस, ग्रीन टी, स्वीट कॉर्न और क्रीम सहित कई अवधिपार खाद्य सामग्री मिली। टीम के अनुसार इन सामग्रियों का उपयोग खाद्य पदार्थ तैयार करने में किया जा रहा था।

जांच में यह भी सामने आया कि रेस्टोरेंट संचालन, खाद्य पदार्थों की दोबारा पैकिंग और समोसा-कचौरी बनाने के लिए आवश्यक श्रेणी का वैध खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं था। इस पर टीम ने रेस्टोरेंट का संचालन तत्काल बंद करवा दिया। साथ ही निर्देश दिए कि संबंधित गतिविधियों के लिए वैध लाइसेंस मिलने तक रेस्टोरेंट संचालन, समोसा-कचौरी निर्माण और खाद्य पदार्थों की दोबारा पैकिंग नहीं की जाए।

टीम ने अवधिपार सामग्री करवाई नष्ट

नारायण सिंह सर्किल स्थित प्रतिष्ठान से एक्सोटिक डार्क चॉकलेटियर चॉकलेट और काजू पिस्ता रोल के दो नमूने जांच के लिए लिए गए। इसके अलावा वहां मिली अवधिपार खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा टीम की इस कार्रवाई में दोनों प्रतिष्ठानों पर खाद्य पदार्थों के रखरखाव, स्वच्छता, पैकेजिंग और वैध लाइसेंस से जुड़ी कई अनियमितताएं सामने आईं।

रिश्वत प्रकरण में सीए के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आरोप पत्र रद्द

- अदालत ने एसीबी की ट्रेप कार्रवाई व जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ता के बीच पहले से वित्तीय लेन-देन तथा बकाया राशि का विवाद था। इसकी जानकारी उसने शिकायत में नहीं दी थी। एसीबी ने मौजूद महत्वपूर्ण दस्तावेजों की अनदेखी करते हुए सीए के खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी।

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिश्वत के आरोप से जुडे केस में निजी सीए को राहत देते हुए उसके खिलाफ एसीबी की एफआईआर और आरोप पत्र सहित सभी कार्रवाई को रद्द कर दिया है। अदालत ने एसीबी की ट्रेप कार्रवाई व जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ता के बीच पहले से वित्तीय लेन-देन तथा बकाया राशि का विवाद था। इसकी जानकारी उसने शिकायत में नहीं दी थी। एसीबी ने मौजूद महत्वपूर्ण दस्तावेजों की अनदेखी करते हुए सीए के खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी, जबकि इन परिस्थितियों में उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7र एवं आईपीसी की धारा 420 के जरूरी तत्व ही स्थापित नहीं होते। इसलिए उसके खिलाफ एसीबी की एफआईआर व चार्जशीट सहित अन्य सभी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करना उचित होगा। जस्टिस वीके भारवानी ने यह आदेश सीए पुनीत मोहनोत की आपराधिक याचिका को मंजूर करते हुए दिया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच में आयकर विभाग में शिकायतकर्ता के किसी लंबित मामले और किसी लोक सेवक का शामिल होना भी सामने नहीं आ पाया है। दस्तावेजों से सीए की बकाया फीस और उधार की राशि की पुष्टि होती है। इसलिए वैध बकाया राशि मांगने को धोखाधड़ी नहीं कह सकते।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता एसके पंवार ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता सीए और शिकायतकर्ता के बीच पूर्व में पेशेवर संबंध रहे थे। शिकायतकर्ता पर सीए की प्रोफेशनल फीस के 1,04,400 तथा व्यक्तिगत लोन के एक लाख रुपए सहित कुल दो लाख चार हजार रुपए बकाया थे। सीए ने एसीबी की ट्रेप कार्रवाई से पहले ईमेल से शिकायतकर्ता को बकाया राशि जमा कराने के लिए बैंक का विवरण भेजा था। एसीबी ने उसके खिलाफ झूठे तथ्यों पर गलत आपराधिक कार्रवाई की है, जिसे रद्द किया जाए। गौरतलब है कि शिकायतकर्ता ने आरोपी के खिलाफ एसीबी में शिकायत दी थी कि वह आयकर विभाग में लंबित काम करवाने के लिए रिश्वत मांग रहा है। एसीबी ने उसे 24 मई 2022 को दो लाख रुपए लेते हुए ट्रेप किया था, जबकि यह राशि उसकी स्वयं की ही बकाया थी।

चोर गिरफ्तार

जयपुर। वैशाली नगर पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी करने वाले एक शातिर बदमाश शुभम गुर्जर उर्फ बाबू (30) निवासी गणेश नगर मोती डूंगरी को खिरनी फाटक के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के 11 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए। पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपी आवासीय कॉलोनियों में घूम कर घरों के बाहर रखे सिलेंडर चोरी करता और उन्हें दुकानदारों व थडी-ठेलों पर कम कीमत में बेच देता था। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

सार-समाचार

सास के बैंक लॉकर से सोने के गहने और 3 बिस्किट गायब, मामला दर्ज

जयपुर। जवाहर नगर क्षेत्र में एक बुजुर्ग ने अपनी बहू पर पत्नी के बैंक लॉकर से सोने के गहने और तीन सोने के बिस्किट गायब करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि बहू से गहनों के बारे में पूछने पर उसने सास-ससुर से अभद्रता की और दहेज के मामले में फंसाने की धमकी दी। पुलिस के अनुसार जवाहर नगर निवासी बुजुर्ग ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनकी पत्नी ने पंजाब नेशनल बैंक में लॉकर ले रखा है। इसमें पत्नी ने अपने सोने के गहने और तीन सोने के बिस्किट सुरक्षित रखे थे। शिकायत में बताया कि पिछले कुछ महीनों से बहू भी बैंक लॉकर से लेन-देन कर रही थी। परिवादी के मुताबिक उन्होंने काफी समय से लॉकर की जांच नहीं की थी। कुछ दिन पहले जब वे लॉकर संभालने बैंक पहुंचे तो उसमें रखे सोने के गहने और तीनों बिस्किट गायब मिले। इस संबंध में बहू से पूछताछ की तो वह नाराज हो गई। आरोप है कि उसने लॉकर में गहने और बिस्किट रखे होने से ही इनकार कर दिया और उल्टा सास-ससुर पर झूठा आरोप लगाने की बात कहते हुए दहेज के मामले में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद बुजुर्ग ने थाने में बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वार्ड 47 के चुनाव में गड़बड़ी पर जवाब मांगा

जयपुर। महानगर प्रथम की जिला अदालत ने नगर निगम के वार्ड 47 के पार्षद पद के चुनाव में अनियमिता से जुडे मामले में निर्वाचित प्रत्याशी दीपा नाथावत, राज्य निर्वाचन आयोग, जिला निर्वाचन अधिकारी और आरओ, सांगानेर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने यह आदेश कांग्रेस के पराजित प्रत्याशी दामोदर मीणा की चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत को बताया कि गत 11 सितंबर को हुए चुनाव में मतदान केन्द्र संख्या 673 पर एक ही ईवीएम के दो अलग-अलग सीरियल नंबर दर्ज किए गए। कांग्रेस प्रत्याशी के इलेक्शन एजेंट को दिए गए प्रपत्र में ईवीएम का नंबर दूसरे अभ्यर्थी के इलेक्शन एजेंट को दिए नंबर से अलग था। याचिका में कहा गया कि पहली ईवीएम में खराबी के कारण दो घंटे तक मतदान बाधित रहा। पहली मशीन में 191 व दूसरी मशीन में 549 वोट दर्ज थे, लेकिन मतगणना विवरण में केवल 549 मत ही दर्शाये गए। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता और विजय उम्मीदवार के बीच जीत का अंतर केवल 206 मतों का ही रहा है। मौके पर लिखित पुनर्मतदान की मांग के बावजूद उसका निस्तारण नहीं किया गया और चुनाव परिणाम घोषित कर दिया।

24 साल पुराने केस में जेल अधीक्षक बरी

जयपुर। जयपुर महानगर प्रथम की अदालत (अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-12) ने 24 साल पुराने आपराधिक मामले में जयपुर सेंट्रल जेल के तत्कालीन अधीक्षक विनोद कुमार माथुर (72) को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। मामला दिसंबर 2002 का है। लखनऊ से प्रोडक्शन वारंट पर लाए गए एक कैदी को रात में जेल में दाखिल नहीं करने और रेलवे प्लेटफॉर्म पर रखने के आरोप में तत्कालीन मजिस्ट्रेट ने जेल अधीक्षक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 166, 188, 174 और 222 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता भानु प्रकाश शर्मा एवं हर्ष गोस्वामी ने पैरवी करते हुए दलील दी कि कैदी को जेल लाए जाने की पूर्व सूचना तत्कालीन अधीक्षक को नहीं दी गई थी। मुख्य गवाह कांस्टेबल की जिरह में भी सामने आया कि जेल के मुख्य द्वार पर तैनात गार्ड ने अधीक्षक तक सूचना नहीं पहुंचाई थी। बचाव पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि जानबूझकर अवज्ञा साबित हुए बिना किसी अधिकारी को आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और कानूनी दलीलों पर विचार के बाद माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा।

भाजपा मुख्यालय में दीपोत्सव का आगाज

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव के प्रथम दिन धनतेरस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां मुख्यालय को रोशनी से सजाया गया। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यालय में प्रवेश द्वार पर स्थित प्रथम पूज्य श्री गणेशजी की पूजा अर्चना की और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, डॉ. मिथिलेश गौतम ने रोशनी का निरीक्षण किया और आतिशबाजी की।

त्योहारों पर भीड़ नियंत्रण के लिए 117 स्पेशल ट्रेन

- जयपुर, गांधीनगर जयपुर, अजमेर व जोधपुर स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया से चरणबद्ध प्रवेश

जयपुर (कासं)। त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए हैं। जयपुर, गांधीनगर जयपुर, अजमेर और जोधपुर स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां से यात्रियों को चरणबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर प्रवेश दिया जा रहा है। इससे प्लेटफॉर्मों पर अनावश्यक भीड़ रोकी जा रही है।

स्टेशनों पर रोलिंग क्राउड मैनेजमेंट योजना लागू की गई है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कंट्रोल रूम और सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों और कर्मचारियों की तैनाती के साथ टिकट के लिए अतिरिक्त काउंटर भी खोले गए हैं। मुख्यालय और सभी मंडलों में 24 घंटे संचालित नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई हो सके। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए 117 विशेष ट्रेनों के 937 फेरे संचालित कर रहा है। साथ ही 50 ट्रेनों में विभिन्न श्रेणियों के 140 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए हैं। यात्री मांग की लगातार समीक्षा की जा रही है और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी है।

'दो दशक बाद पाँचना बांध की नहरों में लौटा पानी, 21 गांवों को मिलेगी सिंचाई सुविधा'

- 50 करोड़ की लिफ्ट सिंचाई परियोजना स्वीकृत, नहरी तंत्र के सुदृढ़ीकरण पर 11.50 करोड़ के कार्य शुरू; मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से जल विवाद का समाधान हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करौली जिले में गंभीर नदी पर बने पाँचना बांध से जुड़े करीब दो दशक पुराने जल वितरण विवाद का किसानों और प्रशासन के बीच संवाद एवं सहमति से समाधान हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर वर्ष 2026-27 के बजट में गुडला सहित आसपास के 21 राजस्व गांवों के लिए 50 करोड़ रुपए की पाँचना लिफ्ट सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई है। वहीं बांध के नहरी तंत्र की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए 11.50 करोड़ रुपए के कार्य शुरू हो चुके हैं।

लगभग 2100 एमसीएफटी जल भंडारण क्षमता वाला पाँचना बांध करीब 10 हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र की सिंचाई से जुड़ा है। जल वितरण को लेकर किसानों के बीच मतभेद के कारण वर्ष 2006 के बाद से बांध के कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा था। एक ओर कमांड क्षेत्र के किसान नहरों से सिंचाई की मांग कर रहे थे, वहीं गुडला सहित 21 गांवों के किसान लिफ्ट सिंचाई परियोजना चाहते थे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में दोनों पक्षों के बीच संवाद और समन्वय से 30 जून 2026 को समाधान पर सहमति बनी।

गुडला संघर्ष समिति, ग्रामोत्थान संस्था और गंभीर नदी जल बचाओ समिति के प्रतिनिधियों ने भी सरकार के प्रयासों की सराहना की।

समझौते के बाद तकनीकी परीक्षण और आवश्यक तैयारियां पूरी कर 6 जुलाई 2026 को करीब दो दशक बाद पाँचना बांध से नहरों में जल प्रवाह शुरू किया गया। लिफ्ट सिंचाई परियोजना से 21 गांवों को लाभ मिलेगा, जबकि नहरी तंत्र के सुदृढ़ीकरण से कमांड क्षेत्र के किसानों को बेहतर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

एफटीआईआई प्रवेश परीक्षा में जयपुर की सरगम भटनागर ने देशभर में किया टॉप

सरगम ने 82.25 प्रतिशत अंक हासिल कर पाया पहला स्थान, दूसरे प्रयास में मिली सफलता

जयपुर। जयपुर की सरगम भटनागर ने फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे की प्रवेश परीक्षा 2024-25 में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर राजस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने 82.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया। अब उन्हें संस्थान के एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (टेलीविजन) में इलेक्ट्रॉनिक सिनेमैटोग्राफी विशेषज्ञता के साथ प्रवेश मिलेगा।

सरगम ने जयपुर के महारानी कॉलेज से नाट्यशास्त्र (ड्रामेटिक्स) में स्नातक किया है। यह उनका दूसरा प्रयास था। पिछले वर्ष प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर साक्षात्कार तक पहुंची थीं, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो पाया। इसके बाद भी



उन्होंने तैयारी जारी रखी और इस बार देशभर में पहला स्थान हासिल किया।

एफटीआईआई में विभिन्न विभागों की महज 15 सीटों के लिए देशभर से हजारों अभ्यर्थी परीक्षा देते हैं। चयन प्रक्रिया में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईटी) के तहत दो लिखित परीक्षाओं के बाद प्रायोगिक परीक्षा और साक्षात्कार में सफल होना अनिवार्य है। संस्थान से जया बच्चन, शबाना आजमी, नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी जैसी फिल्मी हस्तियां प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं।

सरगम का लक्ष्य सफल सिनेमैटोग्राफर बनना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मेहनत और माता-पिता के विश्वास को दिया। सरगम ने बताया कि उनके पिता ने असफलता की स्थिति में भी प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उनके अनुसार, यही विश्वास और निरंतर मेहनत आज उनकी सफलता का आधार बने।

फर्जी पट्टा बनाकर भूखंड बेचने वाला बदमाश पकड़ा

जयपुर। बस्सी पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आवासीय भूखंड बेचने और खरीदार को 10 लाख रुपए नहीं देने पर भूखंड किसी अन्य व्यक्ति को बेचने की धमकी देने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक ही भूखंड के फर्जी आवंटन पत्र तैयार कर धोखाधड़ी की थी।

पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि परिवादी गोविंद सिंह ने 26 सितंबर 2026 को न्यायालय के इस्तगासे के जरिए बस्सी थाने में मामला दर्ज कराया था। परिवादी के अनुसार उसने सूरजपोल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड की शिव विहार-ए योजना, मानसाखेड़ी, बस्सी में 100 वर्ग गज का भूखंड संख्या ए-18 आरोपी पंकज नावरिया से 70 हजार रुपए में खरीदा था। इसके बदले आरोपी ने उसे आवंटन पत्र, नक्शा, साइट प्लान और रसीद भी दी थी। परिवादी जब भूखंड पर निर्माण कार्य कराने पहुंचा तो पता चला कि आरोपी ने कूटरचित आवंटन पत्र के जरिए भूखंड बेचा है, जबकि समिति की ओर से यह भूखंड पहले ही किसी अन्य व्यक्ति किस्तूर चंद सोनवाल को आवंटित किया जा चुका था। परिवादी ने आरोपी से इस संबंध में बात की तो उसने कथित तौर पर बताया कि उसने सोसायटी से भूखंड का दूसरा पट्टा बनवा रखा है और उसे मोटी रकम में बेच देगा। आरोपी ने भूखंड वापस लेने के लिए परिवादी से 10 लाख रुपए मांगे और रकम नहीं देने पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए किसी अन्य व्यक्ति को भूखंड बेचने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और थाना प्रभारी लिखमाराम बटेसर ने आरोपी पंकज नावरिया (43) निवासी गोनेर रोड जयपुर को गिरफ्तार किया गया।

दिवाली पर सुरक्षा में जुटेंगे 477 दमकलकर्मी

जयपुर। दीपावली पर जब पूरा शहर दीपों, रोशनी और आतिशबाजी के उल्लास में डूबा होगा, तब 477 फायर फाइटर्स और अधिकारी शहर की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे होंगे। लोग परिवार के साथ त्योहार मनाएंगे, लेकिन दमकलकर्मी दूसरों की खुशियों को सुरक्षित रखने के लिए अपने घरों से दूर रहकर मोर्चे पर तैनात रहेंगे। आगजनी की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने सभी फायरमैन की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। शहर के 12 फायर स्टेशनों के अलावा 12 चिह्नित पुलिस थानों और प्रमुख स्थानों पर दमकलें तैनात रहेंगी। तीन पारियों में 24 घंटे ड्यूटी होगी। निगम का कंट्रोल रूम भी चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा।

12-12 फायर और पुलिस स्टेशनों पर तैनाती

दीपावली पर आगजनी की घटनाओं से तत्काल निपटने के लिए फायर ब्रिगेड ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। शहर के सभी 12 फायर स्टेशनों पर दमकल और स्टाफ उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय और जिला प्रशासन की ओर से चिह्नित 12 पुलिस थानों पर भी दमकल वाहन तैनात किए जाएंगे। ये वाहन दीपावली से तीन दिन पहले और तीन दिन बाद तक संबंधित स्थानों पर मौजूद रहेंगे।

एडिशनल कमिश्नर नरेंद्र बंसल के अनुसार दीपावली को देखते हुए सभी फायर वाहनों की मॉक ड्रिल करवाई गई है और उन्हें कार्यशील स्थिति में तैयार किया गया है। प्रत्येक दमकल की लोकेशन, उस पर तैनात स्टाफ और संपर्क नंबर निर्धारित किए गए हैं। इस कार्ययोजना को आमजन के साथ भी साझा किया जाएगा, ताकि जरूरत पडने पर लोग नजदीकी फायर स्टेशन या उपलब्ध दमकल से सीधे संपर्क कर सकें।

परकोटे के बाजारों पर रहेगी विशेष नजर

पुराने शहर के बाजारों और संकरी गलियों में आग लगने की स्थिति में दमकलों को मौके तक पहुंचाना बड़ी चुनौती होती है। इसे देखते हुए परकोटे में विशेष इंतजाम किए गए हैं। कोतवाली, माणक चौक थाना और नगर निगम के हेरिटेज भवन पर एक-एक फायर वाहन तैनात रहेगा। इसके अलावा घाटगेट फायर स्टेशन भी नजदीक होने से वहां से तत्काल दमकल भेजी जा सकेगी। परकोटे के सबसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में शामिल पुरोहितजी का कटला भी फायर ब्रिगेड की विशेष निगरानी में है। यहां सामने स्थित नगर निगम के हेरिटेज भवन में एक दमकल स्थायी रूप से तैयार रखी है।

58 दमकल, 25 फायर बाइक और 477 कर्मचारी

फायर उपायुक्त दुर्गा कुमारी के अनुसार नगर निगम के पास वर्तमान में 12 फायर स्टेशन और कुल 58 दमकल वाहन उपलब्ध हैं। इनमें 46 बड़ी और 10 छोटी दमकलें शामिल हैं। इसके अलावा ऊंची इमारतों में आग बुझाने और बचाव कार्य के लिए 70 मीटर की एक एरियल हाइड्रोलिक लैडर प्लेटफॉर्म (एएचएलपी) और 36 मीटर की एक एडब्ल्यूटी उपलब्ध है। तंग गलियों और ऐसे इलाकों में जहां बड़ी दमकलों का पहुंचना मुश्किल है, वहां 25 फायर बाइक का उपयोग किया जाएगा। इन संसाधनों के संचालन के लिए 157 चालक और 309 फायरमैन तैनात रहेंगे। अधिकारियों की टीम में एक मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ), चार फायर ऑफिसर और पांच सहायक फायर ऑफिसर भी शामिल हैं। इस तरह कुल 477 फायर फाइटर्स और अधिकारी दीपावली के दौरान शहर की सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर पर रोडवेज चालक से मारपीट का आरोप

जयपुर। सिंधी कैंप बस स्टैंड पर शुक्रवार सुबह सवारियां बैठाने को लेकर हुए विवाद में एक ट्रैफिक इंस्पेक्टर पर रोडवेज बस चालक से मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगा है। चालक का आरोप है कि इंस्पेक्टर ने उसके साथ मारपीट करने के बाद उसे ड्यूटी रूम में करीब दो घंटे तक बंद रखा। घटना के बाद रोडवेज कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। भरतपुर डिपो के चालक सतवीर डागुर (57) के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे वह बस का पंचर टायर ठीक करवाने के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान सिविल ड्रेस में मौजूद ट्रैफिक इंस्पेक्टर लोकेश चौधरी (30) आगरा जाने वाली सवारियों को जबरन बस में बैठाने के लिए आगे आ गए। चालक ने बस का टायर पंचर होने की मजबूरी बताई तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

चालक का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर इंस्पेक्टर बस के केबिन में चढ़ गए और उसका गिरेबान पकड़कर थप्पड मार दिया। इसके बाद उसे ड्यूटी रूम में ले जाया गया, जहां सुबह करीब 9 बजे तक बंद रखकर मारपीट की गई। वहीं, ट्रैफिक इंस्पेक्टर लोकेश चौधरी ने मारपीट और बंधक बनाने के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि कुछ यात्री चलती बस के पीछे दौड़ रहे थे। उनकी सुरक्षा को देखते हुए उन्होंने बस रोकने का इशारा किया था, लेकिन चालक ने बस की गति बढ़ा दी। नीचे उतरने के लिए कहने पर चालक ने उनके साथ गाली-गलौज की। दूसरी ओर घटना को लेकर रोडवेज कर्मचारी फेडरेशन के महामंत्री सत्यनारायण शर्मा ने नाराजगी जताते हुए घटना की निंदा की। उन्होंने संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

जमीन विवाद में 3 आरोपियों को हाईकोर्ट से राहत मिली, गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक

- चार सप्ताह बाद होगी सुनवाई, पुलिस से मांगी तथ्यात्मक रिपोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने जमीन विवाद से जुड़े मामले में पूजा मोरदिया, महेश मोरदिया और राजेश सैनी को अंतरिम राहत देते हुए आगामी आदेश तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश उमाशंकर व्यास ने 5 नवंबर 2026 को यह आदेश दिया। अदालत ने आरोपियों को जांच में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

मामला जयपुर ग्रामीण के रायसर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 121/2026 से जुड़ा है। पूजा मोरदिया और राजेश सैनी की ओर से अलग-अलग आपराधिक विविध याचिकाएं दायर की गई थीं। दोनों याचिकाएं एक ही प्राथमिकी से संबंधित होने के कारण अदालत ने उनकी संयुक्त सुनवाई की।

याचिकाकर्ता पक्ष के अनुसार, महेश मोरदिया ने 11 अक्टूबर 2018 को 2.83 हेक्टेयर जमीन 99 लाख 88 हजार 500 रुपए में खरीदी थी। होटल व्यवसाय के अनुभव के आधार पर इस जमीन पर होटल या रिसॉर्ट विकसित करने के उद्देश्य से 21 जुलाई 2022 को मेसर्स इन्फिनिटी ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी गठित की गई। इसके बाद जमीन कंपनी को 45 लाख 50 हजार रुपए में बेचे जाने की बात कही गई। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि होटल-रिसॉर्ट विकसित नहीं हो पाने के कारण परिवादी ने 24 अप्रैल 2026 को स्वेच्छा से इस्तीफा दिया था। इसे कंपनी के चार्टर्ड अकाउंटेंट के माध्यम से कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) में अपलोड किया गया और बाद में मंजूरी मिली। इसके बाद आरओसी और राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) में कार्रवाई हुई तथा 2 जुलाई 2026 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई। बचाव पक्ष ने पूरे मामले को मूल रूप से दीवानी विवाद बताते हुए आपराधिक कार्रवाई पर सवाल उठाए। वहीं, परिवादी पक्ष का आरोप है कि इस्तीफे पर उसके हस्ताक्षर फर्जी थे और उसे कंपनी से बाहर करने के लिए साजिश रची गई। परिवादी के अधिवक्ता ने राजेश सैनी को भी कथित साजिश में प्रमुख भूमिका निभाने वाला बताया।

सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी डीसीपी रामकिशन केस डायरी और तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ अदालत में उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि परिवादी ने इस्तीफे के संबंध में ई-मेल प्राप्त नहीं होने की बात कही थी, लेकिन इस पहलू की स्वतंत्र जांच नहीं की गई। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें और मामले की परिस्थितियां देखने के बाद तीनों आरोपियों को आगामी आदेश तक गिरफ्तार नहीं करने के निर्देश दिए। साथ ही जांच अधिकारी को मामले की स्वतंत्र एवं गहन जांच कर अगली सुनवाई पर लोक अभियोजक के माध्यम से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

ARBiT
it happens here...



It is International Day of Medical Physics!

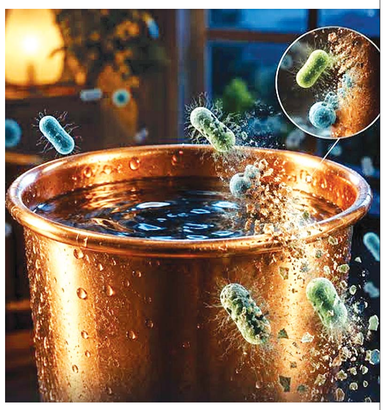
International Day of Medical Physics celebrates the vital role medical physicists play in modern healthcare. Their expertise connects physics, technology, and medicine to improve the diagnosis and treatment of diseases. From advanced medical imaging and radiation therapy to nuclear medicine and radiation safety, medical physicists help ensure that healthcare technologies are used accurately, safely, and effectively. The day also highlights their contributions to innovation, research, and patient care. It recognizes the scientists and professionals working behind the scenes to make medical procedures more precise and reliable. Ultimately, medical physics helps transform scientific discoveries into life-saving healthcare solutions.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
07 November 2026
A-B

#TRADITION

Copper Pots Get Scientific Validation

Water stored in the copper vessel showed no bacterial growth. In contrast, the samples stored in ordinary, non-copper containers showed substantial bacterial colonies



For generations, Indian households have followed the tradition of storing drinking water in copper vessels. What was once considered an age-old Ayurvedic practice has now attracted scientific attention, with laboratory experiments demonstrating copper's ability to eliminate several harmful bacteria from stored water.

Ancient Indian texts, including Ayurvedic literature, describe the use of copper vessels for storing water. The practice was traditionally associated with water purification and maintaining its quality. While people continued the custom for generations, modern researchers decided to investigate whether there was a scientific explanation behind it.

The findings were remarkable. A 2018 study published in the journal *Biomedicine* examined the antibacterial properties of water stored in copper vessels. Researchers introduced three diarrhoea-causing bacteria into drinking water: Escherichia coli (E. coli), Vibrio cholerae, which causes cholera, and Shigella flexneri, which causes shigellosis.

The contaminated water was kept separately in copper and non-copper vessels for 12 hours. The samples were then examined in laboratory conditions to measure bacterial growth.

The results showed a striking difference between the two containers. Water stored in the copper vessel showed no bacterial growth on the selective culture media. In contrast, the samples stored in ordinary, non-copper containers showed substantial bacterial colonies.

The researchers recorded:

- E. coli: 624 colonies in the non-copper container.
- Vibrio cholerae: 328 colonies.
- Shigella flexneri: 483 colonies.

No bacterial growth was detected in the corresponding copper-stored samples. The study had initially introduced approximately 500 colony-forming units per millilitre of each bacterial strain.

Science behind the traditional practice

Scientists describe this phenomenon as the oligodynamic effect. It refers to the ability of small amounts of certain metals, including copper, to exert an antimicrobial effect.

When water remains in contact with copper, small quantities of copper ions can enter the water. These ions interact with bacterial cell walls and membranes, damaging their structure. They can also interfere with essential cellular processes, including protein function and genetic material, ultimately preventing bacteria from surviving and multiplying.

The phenomenon is not merely theoretical. An earlier study published in 2012 in the *Journal of Health, Population and Nutrition* also found that storing contaminated drinking water in copper pots for 16 hours eliminated detectable growth of several diarrhoea-causing bacteria, including E. coli, cholera-causing bacteria and Shigella.

What makes these findings particularly interesting is the connection between traditional Indian knowledge and contemporary laboratory research. A practice followed in Indian households for centuries now has an identifiable scientific explanation.

However, researchers also caution against treating copper vessels as a complete substitute for safe drinking-water treatment. The experiments were conducted under controlled laboratory conditions, and copper storage alone cannot guarantee that every contaminated water supply is safe.

The lesson is fascinating: sometimes, traditions that appear to be simple household habits have a scientific basis waiting to be understood. The copper pot sitting in an Indian kitchen may have been doing considerably more than simply keeping drinking water ready for the next meal.





There is also the question of conversation. Distinguished guests are not invited merely to eat. They are invited to interact, exchange ideas and build relationships. If the host and the guests spend the entire evening discussing the next course, the central purpose of the gathering may be lost.

A Dawat And The Guest





Dr. Goutam Sen
CT'VS Surgeon
Traveller
Storyteller

#THE DAWAT

Recently, India had the opportunity to invite distinguished leaders from various nations. Besides the deliberation on important matters and trade issues, it was an opportunity for India to host a gala dinner. I am sure many heads were put together and good chefs were consulted. The menu was supposed to display the huge variety of cuisine of our country. Nearly every state has some dish to be proud of. Although many guests were meat eaters, it was decided to offer an exotic vegetarian meal with little options of anything familiar. The reports said that the menu failed because of lack of the familiar food. Some of the leaders even opted out!

When distinguished visitors come to our home, the occasion is more than an opportunity to serve food. It is a moment to express our hospitality, culture, refinement and consideration for the guests. The dining table becomes a meeting place where food communicates what words sometimes cannot. The host faces an interesting question: Should one serve an elaborate presentation of exotic dishes representing one's country, or offer a balanced meal combining local specialities with universally appreciated food? Further, in an Indian gathering, should liquor be served at all?

The ideal choice depends on the cultural background of those attending, the nature of the occasion and, above all, the host's ability to make everyone feel comfortable.

The first principle of entertaining distinguished guests should be to make them feel welcome rather than overwhelmed. A host may be tempted to demonstrate his culinary knowledge by preparing twenty different dishes, importing unusual ingredients or arranging an elaborate buffet. However, hospitality is not a competition in extravagance.

A meal that leaves guests confused, uncomfortable or hesitant to try the food has failed in one of its primary purposes.

The best host does not merely ask, "What can I serve?" but also, "What will my guests enjoy?"

This distinction separates hospitality from self-display.

Food is among the most effective ways of introducing visitors to a country's culture. A distinguished guest visiting India may have read about its history, architecture and traditions, but tasting its food offers a more intimate experience.

A meal could begin with delicate vegetable samosas, followed by a selection of regional specialities such as Kashmiri rogan josh, Bengali fish curry, South Indian appam or Rajasthani dal baati. Desserts might include ras malai, jalebi or a carefully presented traditional sweet.

Such a menu tells a story. It demonstrates that Indian cuisine is not a single tradition but a collection of regional cultures shaped by geography, history and local ingredients.

Consider a visiting Japanese delegation that is timid in experimenting different food. Serving a thoughtfully prepared Indian meal with explanations about the dishes could create a memorable cultural exchange. The host might explain how spices are combined, why certain dishes are traditionally served together and how regional cooking differs across India.

Similarly, a French visitor might appreciate the craftsmanship of Indian sweets, while an American guest might be intrigued by the variety of vegetarian preparations.

The presentation of exotic food, therefore, can be an expression of national pride. But it must not become a culinary extravaganza in which guests are expected to appreciate every unfamiliar flavour.

There is also a danger in confusing exoticism with authenticity. A host may select dishes simply because they sound unusual or impressive. Yet, the most authentic meal is not necessarily the most elaborate. A perfectly prepared bowl of simple khichdi, served with suitable accompaniments, may reveal more about the warmth of Indian home cooking than a complicated dish assembled solely for display.

Cultural hospitality is not about proving that our food is superior; it is about allowing others to discover its richness.

A second approach is to combine local specialities with dishes that are widely familiar. This is particularly useful when the guests come from different countries or have varied dietary preferences.

Suppose an Indian family is hosting an international group. The menu might include a mild soup, fresh bread, a salad, a rice preparation, a regional Indian curry, grilled vegetables and a dessert. Alongside these, the host could offer a signature local dish such as laal maas, malai kofta or dal baati, depending on the occasion and the guests' preferences.

This arrangement offers choice without sacrificing identity.

A visitor who is unfamiliar with Indian spices can enjoy the bread, rice, vegetables or soup, while the more adventurous guest can explore the regional dishes. Those who prefer vegetarian food can be accommodated without making them feel like an afterthought.

Indian hospitality has historically valued abundance and variety. A traditional 'thali' illustrates this philosophy, bringing together different flavours, textures and preparations in a single meal. However, modern entertaining requires an additional element: sensitivity to individual choice.

This approach allows the host to introduce culture while ensuring that guests do not feel obliged to experiment beyond their comfort.

An elaborate meal does not necessarily require a large number of dishes. Imagine a formal dinner where the table is crowded with numerous curries, several varieties of bread, multiple rice dishes and a succession of desserts. The host may have spent hours preparing the meal, but the guests might struggle to appreciate any individual dish.



A carefully planned menu of five or six well-prepared courses may create a stronger impression than an overwhelming buffet.

There is also the question of conversation. Distinguished guests are not invited merely to eat. They are invited to interact, exchange ideas and build relationships. If the host and the guests spend the entire evening discussing the next course, the central purpose of the gathering may be lost.

A meal should support conversation rather than compete with it.

Good hospitality is measured not by how much the host provides, but by how thoughtfully everything is arranged.

The question of serving liquor is more complicated because alcohol carries different meanings across Indian households, communities and social settings.

In some Indian urban circles, serving wine or spirits at a formal dinner is considered perfectly acceptable. In other families, alcohol is avoided for religious, cultural, personal or health-related reasons. Certain guests may not drink at all, while others may prefer to have a drink as part of a social occasion.

There is no universal Indian position that applies to every gathering.

The decision should begin with the nature of the event and the preferences of the guests. A formal business dinner involving international visitors may have different expectations from a family gathering or a religious celebration. Even then, the presence of distinguished guests does not create an obligation to serve alcohol.

Hospitality should never be measured by the quantity of liquor offered.

If the host decides to serve alcohol, it should be done discreetly and responsibly. Guests should not be pressured to drink and non-alcoholic alternatives should be equally attractive and readily available.

A well-organised dinner might offer a selection of Indian-inspired non-alcoholic drinks, such as aam panna, jal jeera or a carefully prepared nimbu soda sparkling water, fresh juices, mocktails, lassi or other beverages alongside wine or spirits. This ensures that those who do not drink are not treated as secondary participants.

The manner of serving matters as much as the decision to serve. Alcohol should not dominate the evening, encourage excessive consumption or become a source of embarrassment. The host has a responsibility to consider safety, including arrangements for guests who may need to travel home.

One of the most delicate aspects of hosting international guests is the relationship between cultural pride and cultural pressure.

Every host naturally wants visitors to appreciate the traditions of their country. An Indian host may feel particularly eager to demonstrate the richness of Indian cuisine, given its extraordinary variety. But appreciation cannot be demanded.

A guest who does not enjoy a particular curry is not necessarily rejecting Indian culture. A visitor who avoids alcohol is not being impolite. A person who prefers familiar food may simply have different tastes or dietary needs.

The host must avoid interpreting personal preferences as judgments about the country.

Likewise, guests should show courtesy by approaching unfamiliar food with an open mind, where possible. A respectful exchange requires consideration from both sides.

The dining table can become a place of mutual learning. The host might explain the origin of a dish, while the guest shares an experience from their own culinary tradition. A conversation about Indian spices could lead to a discussion of Mediterranean herbs, Japanese seasonings or European baking.

This is the true cultural value of a shared meal. It encourages curiosity without demanding conformity.

The visual appearance of food plays an important role in formal entertaining. A beautifully arranged plate can create anticipation, while a cluttered or careless presentation may undermine the quality of the meal.

However, presentation should be appropriate to the type of food being served. Traditional Indian cuisine need not be transformed into an imitation of Western fine dining to appear sophisticated. A well-arranged thali, attractive serving bowls and thoughtfully chosen tableware can create an elegant experience while preserving the character of the cuisine.

For instance, a Rajasthani meal could be served in traditional metal utensils, with small portions of different preparations arranged neatly. A Bengali meal might highlight the sequence of dishes and the importance of rice and fish. A South Indian meal served on a banana leaf could present its specialities with an appreciation for regional serving traditions.

The objective is to combine visual appeal with authenticity.

The host should remember, however, that decoration cannot compensate for poor taste or inadequate preparation.

At the conclusion of an elaborate meal, what will the distinguished guests remember?

They may recall an unusual dessert, a beautifully presented dish or a fine bottle of wine. But they are more likely to remember the warmth of the welcome, the ease of conversation and the feeling that their preferences were respected.

A host who spends a fortune on ingredients but ignores the comfort of guests may create an impressive spectacle without creating genuine hospitality. Conversely, a host who offers a carefully prepared local meal, provides suitable alternatives and ensures that everyone feels included may leave a lasting impression without excessive expense.

The most successful dinner is one in which food, culture and companionship complement one another.

When hosting distinguished visitors, the choice between exotic national food and a combination of local and universally accepted dishes should be guided by balance and consideration. A meal that introduces guests to local cuisine can express cultural pride, while familiar dishes ensure accessibility and comfort. The ideal arrangement often combines both.

Ultimately, the finest meal is not the one that displays the greatest wealth, the rarest ingredients or the most elaborate menu. It is the one in which guests feel valued, comfortable and genuinely welcomed.

A memorable host understands that food is only one part of hospitality. The other ingredients are generosity, sensitivity, moderation and the ability to make every guest feel at home. When these qualities come together, even a simple meal can become an extraordinary occasion.

Let us show ingenuity with equal measure of food preferences the next time a Gala Dinner is hosted!

rajeshsharma1049@gmail.com



#THE PHILOSOPHY

Hukkus Bukkus Telyi Wan Tsch Kus

The destination is not simply to find God. It is to realise that God was never truly separate from the self...



There are songs that are remembered because they are beautiful. And then, there are songs that survive because an entire culture has carried them from one generation to another. "Hukus Bukus Teli Wan Tsch Kus" is one such Kashmiri song, which goes like:

Hukkus Bukkus Telyi
wan tsch kus
Onum Battoukh
loddoum deygye
Shwaas Kichh
Kichh Waamgano
Bramman Zaaran
poyein chhokum
Teykes tyakkha
banyi kyohow

For many people, it is simply a familiar childhood rhyme. Its words can sound playful, almost nonsensical. Locals sometimes say that the song has no literal meaning at all. But beneath its seemingly mysterious phrases lies a philosophical tradition deeply connected to Kashmiri spiritual thought.

The song is traditionally attributed to the fourteenth-century Kashmiri mystic poetess Lal Ded, also known as Lalleshwari. Her poetry, composed in the form of vaakhs, explored the relationship between the individual self, the divine and the material world.

Read through this philosophical lens, "Hukus Bukus" becomes far more than a children's song.

Its opening is often interpreted as a profound question about identity: Who are you? Who am I? And who is the Creator within us?

The question immediately turns inward.

Instead of locating God somewhere distant, outside the individual, the poem directs the seeker towards the self. This resonates strongly with the philosophical idea of *Advaita Vedanta*, the understanding that the individual self and ultimate reality are not fundamentally separate.

The question, therefore, is not simply Who are you? It is also: What is the self beneath everything that we think we are? The song then moves towards the problem of attachment.

Human beings become absorbed in material life, our senses, desires, possessions and relationships. We become attached to what can be seen, touched and possessed. But in many Indian philosophical traditions, such attachment prevents the individual from recognising a deeper spiritual reality.

The song can be read as describing the movement away from this sensory and material existence towards purification.

Breath becomes particularly significant.

The idea of the breath reaching a state of purification evokes meditation and spiritual discipline. As the restless mind becomes still, the separation between the individual and the divine begins to dissolve. The destination is not simply to find God. It is to realise that God was never truly separate from the self. This is where the poem's imagery becomes especially beautiful.



The speaker reaches a point where the ultimate power seems to have become one with them. The individual self is no longer experienced as something isolated. Instead, the divine becomes an inseparable part of one's being.

One can think of the imagery of sandalwood and fragrance. You can separate the piece of sandalwood from other objects, but you cannot meaningfully separate the sandalwood from its fragrance. The fragrance is not something external that has been placed upon it. It is intrinsic to what the sandalwood is.

In the same way, the divine cannot be separated from the self. God is not merely somewhere outside us. The divine is within us.

This makes the song remarkable. What appears to be a children's rhyme can be read as a condensed meditation on identity, attachment, breath, purification, union and the nature of the divine.

And yet, perhaps, the most poignant part of the story is what happened to the song itself. For generations, "Hukus Bukus" belonged to the everyday cultural landscape of Kashmir. It could be sung to children, used as a lullaby or passed down orally within families. Its philosophical depth could remain hidden beneath the familiarity of childhood.

That is how culture often survives, not only through books and monuments, but through songs that parents teach their children without necessarily explaining every word. But when communities are displaced, traditions can become fragmented.

The loss is not limited to homes, land or physical spaces. Language, songs, stories, rituals and artistic traditions can also become casualties of displacement. A song can survive while its context disappears. The words may continue to be remembered, but the cultural world that once gave those words meaning can become increasingly distant.

That is what makes "Hukus Bukus" more than a song. It is also a reminder of how fragile cultural memory can be.

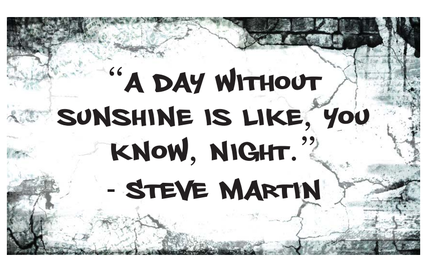
A lullaby can contain philosophy. A children's rhyme can preserve centuries of spiritual thought.

A few seemingly meaningless words can carry the memory of a civilisation's way of understanding the self and the divine. And when the community that carried that tradition is fractured or displaced, what is lost is not merely a song.

What risks disappearing is the context in which the song lived, the language, the memories, the rituals, the stories, the families and the everyday cultural practices that transformed words into living tradition. "Hukus Bukus" therefore exists at two levels.

On the surface, it is a children's song, familiar and playful. Beneath it lies a philosophical journey: from questioning the self, through the shedding of worldly attachment, towards purification, meditation and finally the realisation that the individual and the divine are not separate. And perhaps, that is why its apparent meaninglessness is itself so intriguing.

THE WALL



BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman



विधायकों का बेटे व भाभी सरपंच चुनाव में हारे

उदयपुर। उदयपुर जिले की 4 पंचायत समितियां नयागांव, खेरवाड़ा, ऋषभदेव और कल्याणपुर में गुरुवार रात को सरपंच चुनावों के देर रात तक घोषित परिणाम में कांग्रेस के एक विधायक की भाभी जो प्रधान रह चुकी वह चुनाव हार गई। यहीं नहीं भारतीय जनता पार्टी की एक मंडल अध्यक्ष को भी करारी हार का सामना करना पड़ा। उदयपुर के खेरवाड़ा के कांग्रेस विधायक दयाराम परमार के भाई की पत्नी नयागांव पंचायत समिति की पूर्व प्रधान कमला परमार सरपंच का चुनाव हार गई। वे नयागांव पंचायत समिति के ग्राम पंचायत महुवाल में चुनाव मैदान में थी और उनको जमना देवी ने हरा दिया।पंचायतीराज चुनाव में कमला के पति विधायक के भाई पन्नालाल नयागांव पंचायत समिति वार्ड 6 से कांग्रेस के बैनर तले चुनाव लड़ा है और प्रधान की दावेदारी में है।

पंचायतसमिति का रिजल्ट 20 नवंबर को आएगा। इधर नयागांव पंचायत समिति में ही सरेरा पंचायत में चार बार लगातार सरपंच रही दुर्गा देवी भगोरा चुनाव हार गई। दुर्गा भारतीय जनता पार्टी नयागांव मंडल की अध्यक्ष भी है। यहां पर कांतिलाल भगोरा जीते।इधर सलूबर की भाजपा विधायक शांता मीणा का बेटा भी सेमारी पंचायत समिति के सेमारी ग्राम पंचायत में चुनाव हार गया। यहां पर पंकज विजेता रहे है और भाजपा विधायक शांता का बेटा कपिल मीणा चुनाव में हारे और वे पहले तीन में भी नहीं रहे।

धौलपुर मावा मंडी में खाद्य सुरक्षा दल की दबिश, 100 किलो दूषित मावा नष्ट किया

पांच प्रतिष्ठानों से नमूने भी लिए, जांच के लिए भेजेंगे

धौलपुर। त्योहारी सीजन में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने तथा मिलावटखोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिलेभर में सघन निरीक्षण एवं नमूनीकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने धौलपुर शहर में कार्रवाई करते हुए करीब 100 किलोठाम प्रथम दृष्टया दूषित प्रतीत हो रहा मावा नष्ट करवाया तथा विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा दल ने बजरिया स्थित अठासेन मावा भंडार पर कार्रवाई करते हुए मावे के दो नमूने लिए। मौके पर दो डालियों में रखा करीब 100 किलोठाम मावा प्रथम दृष्टया खराब प्रतीत होने पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी से जांच करवाई गई। जांच में मावा दूषित पाए जाने पर इसे डंपिंग यार्ड में ले जाकर गड्ढा खुदवाकर नष्ट करवाया गया। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त मावा मंडी स्थित मुकेश मावा भंडार, राहुल मावा भंडार एवं सुरेंद्र मावा भंडार से एक-एक नमूना मावे का लिया गया। वहीं घी घर से घी का एक नमूना लेकर जांच के लिए भिजवाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. मीणा ने कहा कि त्योहारों के दौरान मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के साथ मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। आमजन के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभाग की ओर से निरंतर निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई जारी रहेगी।उन्होंने बताया कि लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट में मिलावट अथवा निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की।



धौलपुर में 100 किलो दूषित मावा जमीन में गाडकर नष्ट किया।

- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने धौलपुर शहर में कार्रवाई

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को मातृ शोक

अजमेर। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ की माताजी सायर कंवर देवी का शुक्रवार सुबह देवलोकगमन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके पैतृक गांव नांद स्थित श्मशान स्थल पर शाम को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

बड़े पुत्र धर्मेंद्र राठौड़ ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार व शवयात्रा में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल, पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, भाजपा नेता भंवर सिंह पलाड़ा, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश टंडन, दक्षिण विधानसभा से प्रत्याशी रही द्रौपदी कोली, सेवानिवृत्त एडीएम सिटी गजेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक सिंह रावत, वरिष्ठ अधिवक्ता हरि सिंह गुर्जर सहित सैकड़ों नेता, जनप्रतिनिधि, परिजन और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस नेताओं ने किया शोक प्रकट- पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ की माता जी के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, डॉक्टर रघु शर्मा आदि ने शोक प्रकट किया और ईश्वर से दिवगंत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और सांत्वना दी।

सार-समाचार

आश्रय स्थल पर बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं का अवलोकन

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जयपुर) के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा की सचिव एवं अपर जिला व सेशन न्यायाधीश रश्मि आर्य ने एवरेस्ट आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्रय स्थल में साफ-सफाई, भोजन-पोषण, चिकित्सा सुविधाओं और बच्चों के रख-रखाव संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान संस्था सचिव कल्पना जौहरी से बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गई। दीपावली पर्व पर सड़क, असुरक्षित स्थानों, बाल श्रम, कचरा बीनने या भिक्षावृत्ति से जुड़े जरूरतमंद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से सचिव रश्मि आर्य की पहल पर संगिनी ग्रुप द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुष्पा मेहता (सिंगापुर) के सौजन्य से बच्चों को दीपावली उपहार के रूप में मिठाई, पटाखे और स्टेशनरी किट बांटी गई। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। सचिव रश्मि आर्य ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता मंजू पोखरना, पुष्पा गोखरू, मनीषा खजांची, पुष्पा मेहता, ममता शर्मा और सुधा बुलिया सहित संगिनी ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

धनतेरस पर वाहनों की हुई खूब बिक्री

निवाई। शुक्रवार को धनतेरस पर शहर के बाजारों में धन की वर्षा हुई। लोगों ने शुभ मुहुर्त में सोने चांदी के सिक्के, आभूषण व बर्तनों की भी खरीदारी की। सुबह से ही बाजार में खरीदारी करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शहर में लगी हुई रेडीमेड गारमेन्ट, सर्राफा व बर्तन भण्डार सहित अन्य सभी दुकानों पर ग्राहकों की भीड रही। झिलाय रोड स्थित श्री चिंताहरण गणेश मंदिर में नए वाहनों की पूजा के लिए वाहनों की भारी भीड़ रही। भीड़ के चलते लोगों को नए वाहन की पूजा के लिए काफी देर तक इंतजार करना पडा। धनतेरस के मुहुर्त को लेकर लोगों ने एक माह पूर्व ही वाहनों की बुकिंग करवा दी थी। शुक्रवार की सुबह से ही शोरूमों से वाहनों का निकलना शुरू हो गया था। शहर में हीरो, होण्डा, टीवीएस व बजाज के शोरूम पर दिनभर ग्राहकों की भीड रही। इसके अलावा मिट्टी के दीपकों, रूई की दुकानों व किरानों की दुकानों पर विशेष ग्राहकी हुई। इधर अपने गांवों व गन्तव्य को जाने के लिए बस स्टेण्ड पर यात्रियों की भीड़ रही।

विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने दीपावली पर श्रमदान किया

टोंक। दीपावली के पावन अवसर पर पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन के नेतृत्व में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, भारत विकास परिषद, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जागरूक नागरिकों ने विवेकानंद सर्किल पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। दो घंटे के सामूहिक श्रमदान से सर्किल की सूरत बदल दी गई। इस दौरान स्मारक पर चिपके पोस्टर-पंपलेट हटाए गए तथा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा की सफाई कर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर लक्ष्मी जैन ने कहा कि इस सर्किल की बदहाल स्थिति और स्मारक पर चिपके प्रचार पोस्टरों को देखकर उन्हें काफी पीड़ा होती थी। दीपावली पर जब हम अपने घरों और प्रतिष्ठानों की सफाई करते हैं, तो शहर के महापुरुषों के स्मारकों एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर रखना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी भावना से सभी ने मिलकर श्रमदान किया। उन्होंने स्मारक की सुंदरता और आकर्षण को स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए अपने निजी कोष से यहां स्थायी डेकोरेटिव लाइट लगवाने की घोषणा भी की। वही भारत विकास परिषद के प्रदेश पदाधिकारी अशोक कासलीवाल तथा परिषद अध्यक्ष डा रमेश काला ने कहा कि भविष्य में स्मारक पर पोस्टर चिपकाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारत विकास परिषद के आग्रह पर लक्ष्मी जैन ने अपने सभापति कार्यकाल में इस स्मारक का निर्माण करवाया था।

तीन स्थानों पर होगा ग्रीन पटाखों का विक्रय

भरतपुर। दीपावली के त्योहार को देखते हुए नगर निगम की ओर से शहर में आतिशबाजी की अस्थाई दुकानों के आवंटन के लिए लॉटरी निकाली गई। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर निगम सचिव विजय प्रताप सिंह और आरओ तेजराम मीणा के निर्देशन में तीन स्थानों पर कुल 131 दुकानों का आवंटन किया गया। लॉटरी की प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ सभी आवेदकों के समक्ष एक छोटी बच्ची के हाथों संपन्न कराई गई। आरओ तेजराम मीणा ने बताया कि एमएसजे कॉलेज ग्राउंड में 50, नुमाइश ग्राउंड में 41 और आरबीएम अस्पताल के सामने सेक्टर-10 में 40 दुकानों के लिए लॉटरी निकाली गई है। इस प्रकार कुल 131 दुकानों का आवंटन किया गया है। वहीं, 4 से 5 आवेदन अभी जांच प्रक्रिया में हैं, जिन पर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। नगर निगम सचिव विजय प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक करीब 90 से 95 आवेदन प्राप्त हुए हैं और कुल 120 से 150 आवेदन आने की संभावना है। दुकानों पर सफाई और अग्निशमन सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। प्रत्येक स्थान पर एक फायर वाहन तैनात रहेगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार केवल ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए दुकानदारों को एनओसी में भी ग्रीन पटाखों की बिक्री की शर्त का पालन करना होगा। नगर निगम की टीमें समय-समय पर दुकानों की जांच करेंगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दुकान बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी।

भंडारे का आयोजन 22 नवंबर को

पावटा। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर की पावन धरा पर 14 नवंबर से 22 नवंबर तक श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं आयोजक समिति की ओर से तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यक्रम के तहत 14 नवंबर को सुबह 9 बजे मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। यात्रा कस्बा स्थित केशव सागर धर्मशाला प्रांगण से रवाना होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर पहुंचेगी। कलश यात्रा को लेकर महिला कार्यकर्ताओं द्वारा पंजीयन एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रीमद्भागवत कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक होगा। कथा का आयोजन केशव एवं आशीष गर्ग एवं बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी पावटा के संयोजन में किया जा रहा है। आयोजन बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम पावटा में होगा। कथा का समापन 22 नवंबर को होगा, जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह संपूर्ण धार्मिक आयोजन बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर की प्रेरणा एवं महंत जयराम दास त्यागी जी के सानिध्य में संपन्न होगा। आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा पंडाल, श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कथा श्रवण एवं धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

सफाई व्यवस्था को लेकर वार्ड पंचों ने उठाई आवाज

फुलेरा। समीपवर्ती ग्राम पंचायत काचरोदा में सफाई व्यवस्था को लेकर वार्ड पंचों की नाराजगी सामने आई है। वार्ड संख्या 8 और 9 में सफाई कार्य अधूरा रहने तथा कई दिनों तक जेसीबी और कचरा गाड़ी नहीं पहुंचने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत सरपंच रजनी कुमावत ने संबंधित ठेकेदार फर्म के खिलाफ कार्रवाई के लिए विकास अधिकारी को पत्र लिखा है। वार्ड संख्या 9 के वार्ड पंच हेमराज कुमावत एवं वार्ड संख्या 8 की वार्ड पंच सुशीला कुमावत ने बताया कि ग्राम पंचायत के अन्य वार्डों में सफाई अभियान चलाया गया, लेकिन उनके वार्डों में सफाई कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। मुख्य रास्तों और मोहल्लों में गंदगी फैलने से ग्रामीणों को आवागमन सहित विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में सरपंच रजनी कुमावत ने 6 नवंबर 2026 को पंचायत समिति सांभर लेक के विकास अधिकारी को पत्र लिखकर ठेकेदार फर्म श्री बालाजी कंस्ट्रक्शन, जोबनेर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फीस जमा करने को लेकर दिनभर रही चहल-पहल

निवाई। कृषि महाविद्यालय में नए शैक्षिणक सत्र के तहत ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत मूल शैक्षिणक दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन एवं निर्धारित शुल्क जमा करवाने के लिए छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरण में शामिल होने के लिए गुरुवार तडक्रे से ही राजस्थान के पाली, सिरोही, सीकर, झुंझुनूं, बूंदी, झालावाड़, राजधानी जयपुर, भीलवाड़ा व जालोर सहित प्रदेश के विभिन्न अंचलों से चयनित नवप्रवेशी विद्यार्थी अपने माता-पिता व परिजनों के साथ महाविद्यालय परिसर में पहुंचने लगे थे। दूर-दराज के जिलों से बड़ी संख्या में लोगों के आगमन से महाविद्यालय प्रांगण में काफी चहल पहल हो गई।

काउंसलिंग व दस्तावेज जांच की प्रक्रिया के दौरान परिसर में जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच सफलता पूर्वक पूर्ण हो गई और उन्हें मनपसंद पाठ्यक्रम में दाखिला मिल गया, उनके चेहरों पर खुशी झलक रही थी। वहीं दूसरी ओर तकनीकी खामियों, पात्रता शर्तों के अभाव या अन्य विसंगतियों के चलते जिन अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त कर दिए गए, उन्हें व उनके साथ आए परिजनों को मायूसी का सामना करना पड़ा। भीड़ व दस्तावेज प्रमाणीकरण की जटिलता को देखते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने व्यापक व सुव्यवस्थित प्रबंध किए थे। महाविद्यालय के डीन प्रोफेसर आरएस मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में समस्त शैक्षिणक व गैर-शैक्षिणक स्टाफ एवं वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने नवागंतुक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए अत्यंत संवेदनशीलता व आत्मीयता से मोर्चा संभाला।

मतगणना के दौरान पथराव

उदयपुर। उदयपुर की खेरवाड़ा पंचायत समिति की नवाघरा ग्राम पंचायत में सरपंच पद की मतगणना के दौरान हंगामा हो गया। घटना गुरुवार देर रात करीब 11.30 बजे मतगणना स्थल सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल नवाघरा की है।

जानकारी के अनुसार जीत की घोषणा के बाद सरपंच पुष्पा देवी को मतगणना स्थल से उनके घर पहुंचाने के दौरान कुछ लोग भड़क गए। उन्होंने मतगणना स्थल पर पथराव शुरू कर दिया। इसके पास वाले बूथ पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया।आक्रोशित भीड़ ने बूथ परिसर में खड़े फोर व्हीलर और टू व्हीलर पर जमकर तोड़फोड़ की। कुर्सियां,टेबल सहित अन्य सामान तोड़ दिए और उनमें आग लगा दी।करीब आधे घंटे तक चले हंगामे के दौरान पुलिस के जवान भी बचते हुए नजर आए। पुलिस प्रशासन के लिए कानून व्यवस्था संभाल पाना मुश्किल हो गया।

पुष्कर ब्रह्मा मंदिर में धनतेरस पर खुले कुबेर भगवान मंदिर के कपाट

पुष्कर (निसं)। तीर्थराज पुष्कर के जगतपिता ब्रह्मा मंदिर परिसर में धनतेरस के पावन अवसर पर धनपति कुबेर भगवान की विशेष पूजा-अर्चना की गई।

ब्रह्मा मंदिर परिसर में द्वारपाल के रूप में स्थापित भगवान कुबेर के मंदिर के कपाट साल में केवल एक बार धनतेरस के दिन ही खोले जाते हैं। शेष वर्ष मंदिर के कपाट बंद रहते हैं। इस विशेष अवसर पर भगवान कुबेर के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

धनतेरस की तिथि प्रारंभ होने के साथ ही ब्रह्मा मंदिर परिसर स्थित कुबेर भगवान के मंदिर के कपाट खोले गए। इसके बाद मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। जगतपिता ब्रह्मा के द्वारपाल और देवताओं के धन प्रबंधक माने जाने वाले धनपति कुबेर की पूजा कर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई।

इस अवसर पर ब्रह्मा मंदिर के पुजारी कृष्ण गोपाल वशिष्ठ, वैभव वशिष्ठ, तीर्थ पुरोहित रवि पाराशर एवं समाजसेवी गोपाल अठावाल ने विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। धार्मिक मान्यता के अनुसार ब्रह्मा मंदिर परिसर में विराजमान भगवान कुबेर के दर्शन और पूजा करने से धन-धान्य, कीर्ति और समृद्धि की प्राप्ति होती है तथा जीवन में धन की कमी नहीं रहती। श्रद्धालुओं का मानना है कि सच्चे मन से भगवान कुबेर की आराधना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

मान्यता है कि विश्व में भगवान कुबेर का यह विशिष्ट मंदिर जगतपिता ब्रह्मा के मंदिर परिसर में द्वारपाल के रूप में स्थापित है। यहां भगवान कुबेर के साथ भगवान इंद्र का मंदिर भी स्थित है। धनतेरस पर साल में एक बार होने वाली इस विशेष पूजा के चलते मंदिर परिसर में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल रहा।

- विशेष पूजा-अर्चना कर की विश्व कल्याण की कामना
- साल में केवल एक बार धनतेरस पर होते हैं दर्शन

सार-समाचार

जैन मंदिरों में चढेंगा निर्वाण लाडू

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2553 वां निर्वाण व मोक्ष कल्याणक महोत्सव 9 नवम्बर को कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ के सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 9 नवम्बर को सुबह 6 बजे श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में गाजे बाजे के साथ विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा भगवान महावीर का निर्वाण लाडू चढाय़ा जाएगा। इस दौरान बड़ा जैन मंदिर से बेंड बाजे के साथ शोभायात्रा रवाना होकर बिचला जैन मंदिर, नसियां जैन मंदिर, बंपुई वालों के चेत्यालय, सूरजमल बाबाजी के चेत्यालय एवं शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर भगवान महावीर मार्ग सहित शहर के सभी जिनालयों में 9 नवम्बर को भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण लाडू चढाय़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर स्वामी ने सम्पूर्ण विश्व को अहिंसा, करुणा और जीओ और जीने दो का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि जैन समाज द्वारा शुक्रवार को आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ की दर्शन यात्रा निकाली गई, जिसमें सेंकड़ों श्रद्धालुओं एवं युवाओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। दर्शन यात्रा श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर अहिंसा सर्किल स्थित चन्द्र प्रभु मंदिर, बड़ा जैन मंदिर, बिचला जैन मंदिर व नसियां जैन मंदिर होते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची। जिसमें सुन्दर युवा मंच के अध्यक्ष महेश मोठूका, संजय सिरस, रोनक बोहरा, अनन्त सांवलिया, चिराग टोंग्या, शंभु कठमाणा, सुनील बनेठा व मनीष जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

आयुर्वेद को राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धित घोषित करने की मांग

पावटा। आयुर्वेद को भारत की मूल राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धित घोषित करने की मांग को लेकर विश्व आयुर्वेद परिषद् राजस्थान प्रदेश की ओर से जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। परिषद् के जिला अध्यक्ष डॉ. उपेन्द्र भारद्वाज एवं डॉ. मोनिका ने जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती अपर्णा गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर आयुर्वेद को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान एवं सम्मान प्रदान करने की मांग उठाई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि आयुर्वेद भार त की प्राचीन चिकित्सा परंपरा का अभिन्न अंग है। इसका वैज्ञानिक आधार, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धित और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान इसे महत्वपूर्ण बनाता है। परिषद् ने कहा कि आयुर्वेद के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ इसे आधुनिक अनुसंधान, तकनीकी सुविधाओं और चिकित्सा शिक्षा से जोड़कर और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। परिषद् पदाधिकारियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने तथा चिकित्सा सेवाओं में आयुर्वेद की भागीदारी बढ़ाने की मांग की।

ऑनलाइन आवेदन 30 तक

कोटपूतली। वर्ष 2026-27 के लिए अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना के अंतर्गत आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित की गई है। योजना के तहत पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थी ई-मित्र केंद्र अथवा अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक का राजस्थान का मूल निवासी होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ किराए के मकान में निवास करने से संबंधित किरायानामा की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करना आवश्यक है। योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को आवास एवं अन्य आवश्यक व्यय के लिए प्रतिमाह 2,000 रुपये की आर्थिक सहायता अधिकतम 10 माह तक प्रदान की जाएगी।

महुवाडा में चचेरे भाई को वोट नहीं दिया तो कर दी मां की हत्या

उदयपुर। उदयपुर जिले में चचेरे भाई को वोट न देने पर बेटे ने मां की हत्या कर दी। बीच.बचाव करने आए पिता और बड़े भाई पर भी हमला कर दिया। इसके बाद मौके से फरार हो गया।

बड़ा भाई निजी वाहन से घायल माता.पिता को डूंगरपुर जिला अस्पताल ले गया। जहां डॉक्टरों ने मां को मृत घोषित कर दिया। घायल पिता का उपचार जारी है। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के महुवाड़ा गांव की शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे की है।थानाधिकारी सोहनलाल बामनिया के अनुसार सरपंच चुनाव की मतगणना खत्म होने के बाद महुवाड़ा गांव निवासी आरोपी राहुल परमार अपने चचेरे भाई को वोट नहीं देने की बात पर पिता लालचंद से झगड़ा करने लगा और रॉड से उन पर हमला कर दिया। बीच बचाव करने पहुंची उसकी मां पुष्पा के सिर पर रॉड लग गया और वह जमीन पर गिर गईं। हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई।पुलिस ने आरोपी को डिटेन कर लिया है। मारपीट के दौरान आरोपी के भी सिर में चोट लगी है। इलाज कराया जा रहा है।

आरोपी राहुल के बड़े भाई गणेश परमार ने बताया. शुक्रवार तड़के मेरा भाई शराब पीकर आया और मेरे पिता से ये बोलकर झगड़ा करने लगा कि मेरे भाई को वोट क्यों नहीं दिया। फिर लोहे की रॉड उठाकर मारने लगा। मेरी मां के सिर रॉड लगने उनकी मौत हो गई। मेरे पिता के भी चोट लगी है। जीतने वाले मेरे अंकल है और हारने वाला भी हमारा भाई लगता है।

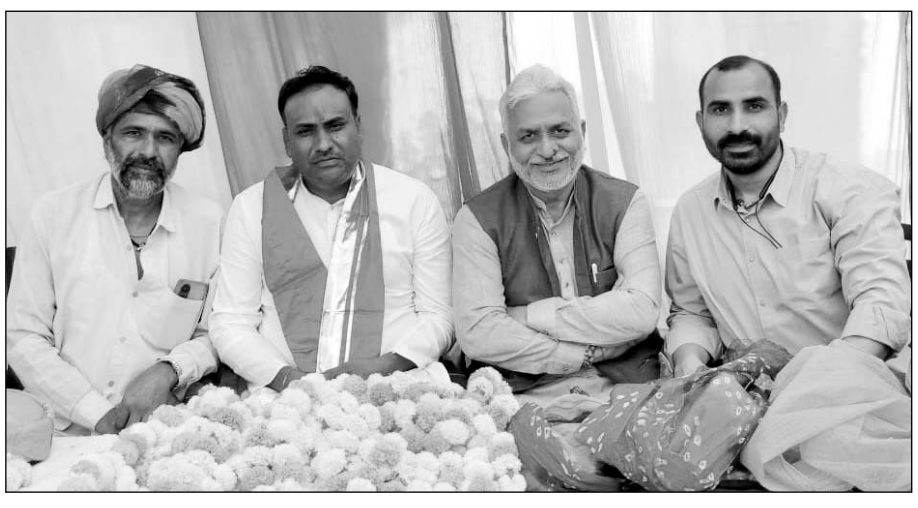
पुलिस ने बताया. महुवाड़ा गांव निवासी लालचंद के भाई की पत्नी और दूसरे भाई का लड़का सरपंच का चुनाव लड़े थे। गुरुवार देर रात रिजल्ट आया तो लालचंद के भाई की पत्नी चुनाव जीत गईं और भतीजा हार गया।

दीपावली पर नर-नारायण सेवा

निवाई। दीपावली के उपलक्ष्य में आशाराम गौशाला की श्री योग वेदांत सेवा समिति एवं समस्त साधक परिवार द्वारा आयोजित दो दिवसीय दीपावली भंडारा एवं सामग्री वितरण सेवा कार्य का उत्साहपूर्वक शुभारंभ किया गया। जिसमें जरूरतमंद परिवारों एवं बच्चों के बीच उपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सभी लाभार्थियों को कम्बल, भोजन प्रसादी, नए वस्त्र, दैनिक जीवन में काम आने वाली आवश्यक घरेलू वस्तुएं व बच्चों के अध्ययन हेतु नोटबुक, पेन व पेंसिल शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि नर-नारायण सेवा ही सच्ची ईश्वर पूजा है।

फुलिया खुर्द में नवनिर्वाचित सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंचों ने शपथ ली

भीलवाड़ा। सोशल मीडिया के मिलियंस में फॉलोअर्स और इंटरनेट की दुनिया की चमक-दमक जब धरातल पर उतरती है, तो कई बार हकीकत बेहद चौंकाने वाली होती है। ऐसा ही एक बडा नजारा भीलवाडा जिले के शाहपुरा उपखंड के अंतर्गत आने वाली फूलिया खुर्द (फूलिया कलां) ग्राम पंचायत के सरपंच चुनाव में देखने को मिला। देश के जाने-माने फिटनेस इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर पवन साहू की प्रतिष्ठा इस चुनाव में दांव पर थी, लेकिन ग्रामीण मतदाताओं ने उनके डिजिटल रुतबे को नकारते हुए स्थानीय चेहरे पर मुहर लगा दी। यूट्यूब पर 2.77 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर और इंस्टाग्राम पर करीब 70 लाख फॉलोअर्स रखने वाले पवन साहू ने अपनी पत्नी कोमल साहू को सरपंच पद के चुनावी मैदान में उतारा था। चुनाव को मिशन 2026 और मेरा गांव, मेरी पहचान का नाम देकर खुद पवन साहू ने गांव की गलियों में उतरकर धुआंधार प्रचार किया था। उनके प्रचार के वीडियो और रील्स सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए, जिससे यह सीट पूरे प्रदेश में हॉट सीट बन गई थी। इसी सीट पर आज स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित सरपंच, उपसरपंच और सभी वार्ड पंचों ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ ली। समारोह में नवनिर्वाचित सरपंच भगवती लाल सोनी और उपसरपंच प्रेम देवी गुर्जर के साथ-साथ वार्ड पंचों-राकेश शर्मा, प्रहलाद बैरवा, राजू जाट, गीता वैष्णव, श्रवण भील एवं पूजा बलाई को पद की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद उपस्थित ग्रामीणों ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और ग्रामीण मौजूद रहे। प्रमुख रूप से पूर्व सरपंच हनुमान शर्मा, समाजसेवी दुर्गा लाल सोनी, पप्पू जाट, लक्ष्मण वैष्णव, कैलाश मेघवंशी, भागचंद शर्मा, हनुमान बैरवा, परमेश कुम्हार, कालू शर्मा, प्रकाश जाट, महावीर सेन एवं लखन सोनी सहित बडी संख्या में ठाामीणजन उपस्थित रहे।



फूलिया खुर्द (फूलिया कलां) ग्राम पंचायत में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने शपथ ली।

- समारोह में नवनिर्वाचित सरपंच भगवती लाल सोनी और उपसरपंच प्रेम देवी गुर्जर के साथ-साथ वार्ड पंचों की मौजूदगी रही।

धनतेरस पर अजमेर को मिली 20 नई पीएम ई-बसों की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने नौसर बस स्टैण्ड से दिखाई हरी झंडी

अजमेर (कासं)। धनतेरस के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 20 नई प्रधानमंत्री ई-बसों की सौगात दी। उन्होंने शुक्रवार को नौसर स्थित ई-बस स्टैण्ड से इन बसों का शुभारम्भ किया। इन बसों के संचालन से आमजन को किफायती, सुरक्षित एवं प्रदूषणमुक्त सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। शहर के साथ-साथ ठाामीण क्षेत्रों को भी बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी मिलेगी।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि दुनियाभर में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के माध्यम से अजमेर में भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल बनाया जा रहा है। योजना के तहत अजमेर में कुल 100 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। प्रथम चरण में 5 बसों का संचालन शुरू किया गया था तथा अब धनतेरस के अवसर पर 20 नई बसों की शुरुआत की जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना का उद्देश्य पीपीपी मॉडल के माध्यम से शहरों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कर प्रदूषण कम करना तथा पैट्रोल-डीजल पर निर्भरता घटाना है। इससे आमजन को सस्ती और सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध होने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। देवनानी ने बताया कि आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन वातानुकूलित बसों में सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन सुरक्षा प्रणाली तथा आपातकालीन बटन की व्यवस्था की गई है। दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों की सुविधा के लिए बसों में चढ़ने एवं उतरने हेतु ऑटोमेटिक गेट की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है।

उन्होंने बताया कि नौसर घाटी में लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक ई-बस डिपो एवं चार्जिंग स्टेशन तैयार किया गया है। यहां बसों की चार्जिंग, रखरखाव एवं संचालन के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं।

शुक्रवार को शुरू की गई नई ई-बसों के लिए निर्धारित मार्गों में वरुण सागर से तबीजी, नरवर से वरुण सागर वाया स्टीफन चौराहा, माखुपुरा से माकड़वाली वाया शास्त्री नगर, अजमेर से पुष्कर वाया लीला सेवड़ी, अजमेर से किशनगढ़ वाया गेगल, भगवंत यूनिवर्सिटी से माखुपुरा वाया कुन्दन नगर, अजमेर से पुष्कर वाया होकरा, अजमेर से अरांई वाया किशनगढ़, अजमेर से बोराड़ा वाया रामसर, तबीजी से जनाना अस्पताल वाया एमडीएस यूनिवर्सिटी, माकड़वाली से श्रीनगर-बडलिया, अजमेर से गोविन्दगढ़ वाया पुष्कर, नौसर से चन्द्रवरदाई नगर वाया रामगंज, अजमेर से ब्यावर सिटी तथा अजमेर से नसीराबाद वाया माखुपुरा शामिल हैं।

पूर्व में शुरू की गई पांच ई-बसें अजमेर बस स्टैण्ड से पुष्कर वाया होकरा, गांधी भवन से टांटोटी वाया नसीराबाद, वरुण सागर से पीसांगन वाया मांगलियावास, अजमेर से बस्सी वाया पुष्कर तथा अजमेर से नसीराबाद वाया माखुपुरा मार्गों पर संचालित हो रही हैं। इस अवसर पर महापौर अनामिका शर्मा, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, उपायुक्त महावीर सिंह एवं भरत राज गुर्जर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 20 नई प्रधानमंत्री ई-बसों की सौगात दी।

- प्रदूषणमुक्त एवं किफायती यात्रा का मिलेगा लाभ

कोटा दशहरा मेले को नई पहचान दिलाने के प्रयास : बिरला

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोटा का दशहरा मेला 133 साल से शहर की पहचान और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा बना हुआ है। इसकी खासियत है कि यह केवल हाड़ौती के लोगों तक सीमित नहीं है। राजस्थान के दूरदराज के इलाकों और दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं। यह मेला कई पीढ़ियों को जोड़ता है और लोगों को एक-दूसरे से मिलने का अवसर देता है।

बिरला गुरुवार को 133 वें राष्ट्रीय दशहरा मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब आवागमन के साधन कम थे और दूर-दराज के गांवों तक पहुंचना आसान नहीं था, तब मेले ही लोगों के मिलने-जुलने का प्रमुख माध्यम होते थे।

समय के साथ मेले का स्वरूप बदला है, लेकिन इसकी परंपरा और लोगों का जुड़ाव आज भी कायम है। यही वजह है कि कोटा दशहरा मेला अब देशभर में अपनी पहचान बना चुका है। बिरला ने कहा कि दशहरा मेला सांस्कृतिक आयोजन के साथ हजारों छोटे दुकानदारों और कारीगरों की आजीविका से भी जुड़ा है। मेले में राजस्थान के अलावा गुजरात और दूसरे राज्यों से भी व्यापारी और हस्तशिल्प से जुड़े लोग आते हैं। कई परिवारों की कमाई ऐसे आयोजनों पर निर्भर रहती है। ये कारीगर और दुकानदार सालभर देश के अलग-अलग शहरों में लगने वाले मेलों में जाकर अपने उत्पाद बेचते हैं।

सार-समाचार

मार्बल उद्योग को नई पहचान दिलाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध : दीप्ति



राजसमंद। राजसमंद विधायक श्रीमतीदीप्ति किरण माहेश्वरी ने मार्बल गैगसा एसोसिएशन, राजसमंद द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने मार्बल उद्योग से जुड़े उद्यिमयों, व्यापारियों एवं व्यवसायियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए जिले के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और मार्बल व्यवसाय की व्यापक संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने कहा कि राजसमंद का मार्बल उद्योग जिले की आर्थिक संरचना का महत्वपूर्ण आधार है। इस उद्योग ने राजसमंद को देशभर में विशिष्ट पहचान दिलाई है। मार्बल खनन से लेकर कटिंग, प्रोसेसिंग, पॉलिशिंग, परिवहन एवं विपणन तक हजारों लोगों की आजीविका इस व्यवसाय से जुड़ी हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहन व्यवसायियों और लघु उद्यिमयों को रोजगार उपलब्ध कराने में इस उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है विधायक ने कहा कि राज्य सरकार राजसमंद के मार्बल उद्योग की समस्याओं एवं उद्यिमयों की अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए जाने वाले विषयों को संबंधित विभागों एवं सक्षम स्तर पर पहुँचाकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। राजसमंद में मार्बल उद्योगों के विकास, विस्तार और उद्यिमयों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सरकार यथासंभव हरसंभव प्रयास करेगी दीपावली स्नेह मिलन समारोह के माध्यम से उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को आपसी सौहार्द, संवाद और संगठनात्मक सहभागिता का अवसर मिला। विधायक ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सभी उद्यिमयों को दीपोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए उनके व्यवसाय में निरंतर उन्नित, समृद्धि एवं सफलता की मंगलकामना की।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर हमला किया

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में कार सवार बदमाशों द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर डंडो व लोहे के पाइप से युवक पर हमला करने का मामला सामने आया हैं, मामले में सामने आया कि कार सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार युवक को पहले टक्कर मारी और इसके बाद युवक पर लोहे के पाईप व डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। बोरखेड़ा थाने के एएसआई देवकरण चौधरी ने बताया कि इलाके में स्थित होली फैमली अस्पताल के समीप कार सवार कुछ बदमाशों ने स्कूटी सवार युवक पर हमला कर दिया था, मामला कुछ दिन पुराना है। एएसआई ने बताया कि मामले में फरियादी इमरान ने हितेन्द्र चौधरी, मयंक कारतूस, खुश अरोरा, यश पांचाल व अन्य के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी है। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि अपने मित्र के साथ स्कूटर से जा रहा था, होली फैमली अस्पताल के समीप कार सवार कुछ जनो ने स्कूटी को टक्कर मारी और जान से मारने की नियत से लोहे के पाईप व डंडो से हमला कर दिया। एएसआई ने बताया कि प्रारंभिक जांच मे मामला पुरानी रंजिश का सामने आया है, मारपीट में युवक घायल हो गया फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश की जा रही है, घटना के बाद से ही हमलावर फरार चल रहे है।

धनतेरस की पूर्व संध्या पर संपन्न हुआ नेत्रदान

कोटा, (निसं)। ग्राम रीछड़िया, तहसील रामगंजमंडी निवासी बृजमोहन मेहता की धर्मपत्नी बद्री बाई का कोटा के एक निजी अस्पताल में हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। परिवार के लिए यह अत्यंत दु:खद घड़ी थी, लेकिन इस कठिन समय में भी परिवार ने मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को सर्वोपरि रखते हुए माताजी का नेत्रदान करवाने का पुनीत निर्णय लिया। बृजमोहन मेहता का परिवार प्रारंभ से ही सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों में अग्रणी रहा है। ज्येष्ठ पुत्र मुकेश कुमार मेहता सामाजिक कार्यकर्ता होने के साथ मां गायत्री के उपासक भी हैं। माताजी के निधन की सूचना मिलते ही उनके मित्र एवं शाईन इंडिया फाउंडेशन के ज्योति मित्र पंकज काला तथा वीरेंद्र कुमार जैन ने मुकेश मेहता से संपर्क कर माताजी के नेत्रदान का आग्रह किया। मुकेश मेहता ने तत्काल अपने छोटे भाईयों बलराम, शैलेन्द्र एवं जीतेश, बहनों रेखा एवं ज्योति मीना तथा पिता बृजमोहन मेहता से चर्चा कर सहमति प्राप्त की। परिवार के सभी सदस्यों ने धर्म, सेवा और मानवता के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए सहर्ष नेत्रदान के लिए सहमति प्रदान की। परिवार की सहमति मिलते ही आरोग्य भारती के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र जैन की सूचना पर शाइन इंडिया फाउंडेशन की टीम के कुलवंत गौड़ ने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न करवाई। शाइन इंडिया फाउंडेशन के शहर संयोजक संजय विजावत ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 15 वर्षों से किए जा रहे निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।

झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ठाामीण पुलिस ने लालच एवं प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज यादव ने बताया कि परिवादी प्रशांत वर्मा ने पुलिस थाना बिलाड़ा में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी के अनुसार वर्ष 2015-16 में उसका संपर्क ओडिशा निवासी सुजीत हनुमान से हुआ था। आरोप है कि सुजीत ने उसकी नशे की लत छुड़वाने और आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रलोभन देकर उसे नियमित रूप से प्रार्थना सभाओं एवं ईसाई धर्म से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। परिवादी ने आरोप लगाया कि उसे ईसाई धर्म स्वीकार करने पर नशे की लत छूटने, आर्थिक स्थिति बेहतर होने और चमत्कारिक लाभ मिलने का भरोसा दिलाया गया। वर्ष 2018-19 में उसे बालोतरा स्थित एक कॉलेज में बाइबल से संबंधित पाठ्यक्रम करवाने के लिए भेजा गया तथा बाइबल सोसायटी ऑफ इंडिया का सदस्य बनाया गया। परिवादी ने चायपत्ती के व्यवसाय का झांसा देकर गौरा नामक महिला से संपर्क करवाने और विवाह कराने का भी आरोप लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी उसे व्हाट्सएप एवं अन्य सामाजिक माध्यमों से हिंदू धर्म के लोगों को ईसाई धर्म का प्रचार करने तथा प्रार्थना कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने को कहता था। परिवादी को जोधपुर के पाली रोड स्थित एक संस्थान में नौकरी भी दिलवाई गई, जहां उसे 14 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता था। परिवादी का आरोप है कि वहां ईसाई धर्म से संबंधित साहित्य वितरित करने और लोगों को धार्मिक गतिविधियों से जोडने का काम किया जाता था। परिवादी ने बताया कि सितंबर 2026 में चाय व्यवसाय का लालच देकर उसे जयपुर निवासी आनंद कराडे की ओर से आयोजित ईसाई धर्म प्रचार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अजमेर स्थित डीसी सेंटर ले जाया गया। वहां चाय व्यवसाय शुरू करने के नाम पर बिना ब्याज 40 हजार रुपए का ऋण देने का प्रलोभन दिया गया। परिवादी के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म परिवर्तन करवाना था तथा इस संबंध में किसी अन्य को जानकारी नहीं देने के लिए भी कहा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज यादव ने शीघ्र खुलासा करने और संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वरलाल के सुपरविजन में कार्रवाई की गई।

धनतेरस पर दीपमाला से जगमगाई गड़ीसर झील

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्वर्णनगरी जैसलमेर की ऐतिहासिक गड़ीसर झील धनतेरस के पावन पर्व पर दीपों की रोशनी से जगमगा उठी। दीपोत्सव के अवसर पर नगर परिषद जैसलमेर की ओर से आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य शुभारंभ हुआ। इस दौरान गंगा आरती, राजस्थानी लोक संगीत, दीपमाला और आकर्षक लाइटिंग शो ने झील परिसर में उत्सवी माहौल बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान गड़ीसर झील के ऐतिहासिक स्वरूप को आकर्षक रोशनी और दीपों से सजाया गया। गंगा आरती के दौरान धार्मिक वातावरण बना, वहीं लोक कलाकारों की मधुर प्रस्तुतियों ने राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा बिखेरी। दीपों से सजी झील का मनमोहक दृश्य शहरवासियों के साथ पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण रहा।

विधायक की मौजूदगी में मिनी हाईमास्ट लाइट का लोकार्पण

अजमेर (कासं)। धनतेरस के पावन पर्व पर अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने शुक्रवार को पहाड़गंज स्थित सीता गौशाला चोराहा में नवनिर्मित मिनी हाईमास्ट लाइट का लोकार्पण किया। इस मिनी हाईमास्क लाईट के शुरू होने से क्षेत्र में रात्रि के समय रोशनी की बेहतर व्यवस्था होगी तथा स्थानीय निवासियों व यहां से गुजरने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

विधायक अनिता भदेल ने बताया कि पहाड़गंज स्थित सीता गौशाला क्षेत्र में रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण स्थानीय निवासियों एवं राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से अंधेरा रहने से आवागमन में असुविधा होती थी। क्षेत्रवासियों की इस समस्या का ध्यान में रखते हुए यहां मिनी हाईमास्ट लाइट लगवाई गई है। इसके लोकार्पण के बाद अब क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी उपलब्ध होगी, जिससे लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था हो सकेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास केवल बड़े निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान करना भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जनसुविधाओं को बेहतर बनाना और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है।

- सीता गौशाला, पहाड़गंज पर पर्याप्त रोशनी होने से क्षेत्रवासियों व राहगीरों को मिलेगी राहत

खाते से निकाले 1.95 लाख

जोधपुर । शहर के यूआईटी कॉलोनी गणेश चौराहा के पास रहने वाले एक युवक को शातिरों ने क्रेडिट किश्त बंद करवाने के नाम पर लिंक भेजा।

लिंक को क्लिक किए जाने पर उसका फोन हैक हो गया और फिर खाते से 1 लाख 95 हजार से ज्यादा रूपयों की निकासी कर ली।

पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। अब प्रतापनगर सदर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करते हुए जांच आरंभ की है।

हॉलिडे मेंबर शिप के नाम पर 2.86 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के करवड़ स्थित निफ्ट के सहायक प्रोफेसर और उनकी पत्नी के साथ शातिरों ने जालसाजी करते हुए 2.86 लाख की ठगी कर ली। उन्हें हॉलिडे मेंबरशिप के नाम पर ठगा गया। घटना 1- 2 नवंबर की है। इस बारे में अब सहायक प्रोफेसर की तरफ से करवड़ थाने में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कराया है।

पीड़ित डॉ. पुनीत कुमार ने क्लब एक्सोटिका लग्जरी और उसके प्रतिनिधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने ऑनलाइन साइबर हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायत और परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवादी डॉ. पुनीत कुमार ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि क्लब एक्सोटिका लग्जरी की ओर से इंस्टाग्राम पर विज्ञापन के माध्यम से उनसे संपर्क किया गया था। इसके बाद कंपनी के प्रतिनिधियों ने उनकी पत्नी वर्षा से फोन पर बात कर 1 नवंबर 2026 को शहर के होटल में मेंबरशिप संबंधी प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया। वहां कंपनी के तीन प्रतिनिधियों ने उन्हें 10 साल की होटल एवं हॉलीडे मेंबरशिप योजना की जानकारी दी थी। पुलिस ने प्रकरण में राखी विशिथ, शेख आदि को नामजद किया है। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण में तफ्तीश आरंभ की है।

रेलवे स्टेशन पर महाआरती 8 को

भीलवाड़ा। दीपावली के पावन पर्व को इस बार भीलवाडा शहर में और अधिक अलौकिक और भव्य बनाने के लिए नगर निगम ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगम की ओर से आगामी 8 नवंबर को रात्रि 8:30 बजे रेलवे स्टेशन के पास एक विशाल व भव्य महा आरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। नगर निगम की महापौर जसवंत कंवर और निगम आयुक्त श्री कमल सिंह यादव ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

पचगांव से भारी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त, 15 दिन में दो बार कार्रवाई हुई

धौलपुर । दीपावली पर्व के दौरान आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में जिलेभर में अवैध पटाखों के भंडारण, निर्माण एवं बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जो बिना वैध लाइसेंस एवं अनुमति के विस्फोटक सामठी का भंडारण अथवा बिक्री कर आमजन की जान-माल की सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। इसी क्रम में आज पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं वृताधिकारी वृत्त धौलपुर प्रदीप नेहरा के सुपरविजन में थाना सदर पुलिस द्वारा पचगांव क्षेत्र में अवैध पटाखों की बिक्री एवं भंडारण की सूचना पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में विस्फोटक श्रेणी के अवैध पटाखे जब्त किए गए हैं। जब्त पटाखों के स्वामित्व एवं संबंधित व्यक्ति की पहचान की जा रही है तथा प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। अवैध पटाखों के विरुद्ध अभियान के तहत इससे पूर्व थाना सदर धौलपुर पुलिस द्वारा ग्राम पचगांव में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए बिना लाइसेंस बारूदयुक्त हस्तनिर्मित एवं अर्धनिर्मित पटाखों का अवैध भंडारण एवं बिक्री करने वाले दो व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी। थाना सदर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पचगांव तिराहे पर एक व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टे में बारूदयुक्त अवैध पटाखे रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति चांद खान पुत्र शंकेरिया, निवासी पचगांव को पकडा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 14 किलोठााम हस्तनिर्मित बारूदयुक्त पटाखे बरामद हुए। संबंधित व्यक्ति से पटाखों के भंडारण एवं बिक्री के संबंध में वैध लाइसेंस अथवा अनुमति मांगी गई, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसी प्रकार थाना सदर पुलिस को ठााम पचगांव के वार्ड नंबर 1 में एक व्यक्ति द्वारा आबादी क्षेत्र में अवैध रूप से बारूदयुक्त पटाखे बेचने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर असगर पुत्र शंकरिया, निवासी पुरानी छावनी को पकडा। उसके कब्जे में मिले प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी लेने पर करीब 15 किलोठााम हस्तनिर्मित अर्धनिर्मित बारूदयुक्त पटाखे बरामद हुए। संबंधित व्यक्ति के पास भी पटाखों के भंडारण एवं बिक्री का कोई वैध लाइसेंस अथवा अनुमति नहीं पाई गई। उक्त दोनों प्रकरणों में बिना लाइसेंस विस्फोटक सामठी का कब्जा रखने एवं बिक्री करने तथा आमजन के जीवन को संकट में डालने के संबंध में थाना सदर धौलपुर पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 288 एवं विस्फोटक अधिनियम की धारा 5/9बी के तहत विधिक कार्रवाई की गई। आज की आगजनी की घटना से जुडे व्यक्तियों के विरुद्ध पूर्व में भी हो चुकी थी पुलिस कार्रवाई उल्लेखनीय है कि आज ठााम पचगांव में अवैध पटाखों में आग लगने की घटना से संबंधित असगर एवं चांद खां के विरुद्ध थाना सदर धौलपुर पुलिस द्वारा पिछले करीब 15 दिनों के दौरान पूर्व में भी दो अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई की जा चुकी थी। पुलिस द्वारा दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को असगर के कब्जे से करीब 15 किलोठााम हस्तनिर्मित अर्धनिर्मित बारूदयुक्त पटाखे तथा दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को चांद खां के कब्जे से करीब 14 किलोठााम हस्तनिर्मित बारूदयुक्त पटाखे जब्त किए गए थे। दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध बिना वैध लाइसेंस विस्फोटक सामठी का भंडारण एवं बिक्री करने के संबंध में भारतीय न्याय संहिता एवं विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की गई थी।



थाना सदर पुलिस ने पूर्व में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में दोनों व्यक्तियों के कब्जे से करीब 29 किलोग्राम हस्तनिर्मित एवं अर्धनिर्मित बारूदयुक्त पटाखे जब्त किए ।

- पचगांव में अवैध पटाखों में आग लगने की घटना से जुड़े असगर एवं चांद खां के विरुद्ध धौलपुर पुलिस पिछले करीब 15 दिनों में दो बार कर चुकी है कार्रवाई

त्योहारी भीड़ से निपटने को रेलवे अलर्ट

जोधपुर, (कासं)। दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर जोधपुर रेलवे स्टेशन पर बढ़ती यात्री भीड़ के प्रबंधन के लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की आवाजाही सुचारू रखने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की गई है। जीआरपी और आरपीएफ को भी मुस्तैद रखा गया है।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में स्थापित वार रूम से स्टेशन की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। यहां से सर्कुलेटिंग एरिया,टिकट घर, पार्सल कार्यालय,ऊपरी पैदल पुलों,लिफ्ट,एस्केलेटर और प्रतीक्षालयों सहित सभी पांचों प्लेटफॉर्म की सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। वहीं,आरपीएफ जोधपुर पोस्ट पर भी कैमरों के जरिए स्टेशन परिसर की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है,ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार भीड़ प्रबंधन के लिए ट्रेनों को निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले प्लेटफॉर्म पर लगाने की व्यवस्था की गई है। विशेष रूप से उत्तर दिशा की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से कोच में बैठाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए टिकट चेकिंग स्टाफ की भी तैनाती की गई है।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे ट्रेन में चढ़ने और उतरने के दौरान जल्दबाजी न करें तथा अनावश्यक चेन पुलिंग से बचें।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
प्रशासनिक खण्ड नागौर रोड, कडवड़, जोधपुर (पिन नं. 342037)
Web side : www.raujodhpur.org , E-mail- dsrrau.ao@gmail.com
क्रमांक :- रा.आ.वि./जोध/लेखा/निविदा/2026-27/403 दिनांक :- 03/11/2026
Corrigendum / Addendum
TENDER FOR E-PROCUREMENT for Man Power (Two Year) at DSRRAU, Jodhpur UBN No. AUJ2627SLRC00033 are invited from interested bidders up to Date 12.11.2026 till 2:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website : https://sppp.rajasthan.gov.in/ and https://eproc.rajasthan.gov.in/.
कुलसचिव
राज.संवाद/सी/26/13068 (डॉ. एस.आर. राजस्थान आयु. वि.वि., जोधपुर)

कार्यालय नगर पालिका, सिवाना (जिला-बालोतरा)
क्रमांक: नपासि/सफाई/2026/2408 दिनांक: 03.11.2026
ई-निविदा सूचना
नगर पालिका सिवाना क्षैत्र में विभिन्न सफाई कार्यो हेतु क्रेन्द्र एवं राज्य सरकार के विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध संवेदकों से ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया से ऑनलाइन ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा संबंधी जानकारी व अन्य शर्ते पालिका कार्यालय नोटिस बोर्ड, पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर जरीये यूबीएन नं. DLB2627WSOB23702, 23704 द्वारा देखी जा सकती है तथा बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
अध्यक्ष
नगर पालिका सिवाना
राज.संवाद/सी/26/13052
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सिवाना

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मेडतासिटी
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सा.नि.वि. खण्ड मेडतासिटी के अधीन राजकीय आवासीय /गैर आवासीय भवनों में मरम्मत एवं रखरखाव कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि सार्वजनिक निर्माण विभाग, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे या राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / विभागों जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी एंव डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्यो ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी / ई-निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.eproc.rajasthan. gov.in व http://www.pwd.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
कार्यवार UBN सरका नम्बर निम्नानुसार है :-
NIB CODE: PWD2627A3420
UBN No.- 1. PWD2627WSOB15353, 2. PWD2627WSOB15354
3. PWD2627WSOB15355, 4. PWD2627WSOB15356
5. PWD2627WSOB15357, 6. PWD2627WSOB15358
(मुकेश बेडा)
अधिशाषी अभियंता,
सा.नि.वि. खण्ड मेडतासिटी
DIPR/C/18262/2026

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों को राहत नहीं

हाईकोर्ट ने आरोप तय करने के खिलाफ दायर अपील को खारिज किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड में आरोपियों की ओर से पेश अपील को खारिज कर दिया है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश मोहम्मद रियाज अत्तारी और मोहम्मद गौस सहित आधा दर्जन अन्य आरोपियों की अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में आरोपियों ने एनआईए कोर्ट की ओर से उनके खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में आरोप तय करने को चुनौती दी थी। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि अदालत को अपीलार्थियों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई ठोस कारण नहीं मिला है। इस स्तर पर अदालत को यह पता लगाना है कि क्या अभियोजन सामग्री आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनाती है, न कि उनके अपराध करने या निर्दोषता को निर्धारित करने के लिए साक्ष्य की सूक्ष्म जांच करनी है।

अपीलों में कहा गया कि ट्रायल कोर्ट ने उनके खिलाफ रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य का उचित मूल्यांकन किए बिना उन पर विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 16, 18 और धारा 20 के तहत आरोप तय किए हैं। कन्हैयालाल की ओर से एक टीवी शो के दौरान नुपुर शर्मा की ओर से पैगंबर साहब के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों को फॉरवर्ड करने के कारण कथित घटना हुई थी। मृतक का कथित कृत्य उकसाने वाला था। ऐसे में अपीलार्थियों के खिलाफ यूएपीए का अपराध नहीं बनता।

आरोपियों की ओर से यह भी कहा गया कि बरामद वीडियो में ऐसा कोई भी शब्द या सामग्री नहीं है, जिसे किसी भी तरह से सार्वजनिक शांति को बिगाड़ने या क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डालने के रूप में देखा जाए। इसके अलावा ऐसा कोई साक्ष्य भी नहीं है जिससे यह संकेत मिलते हो कि अपीलार्थी किसी गैर कानूनी संगठन के सदस्य हो। इसलिए विशेष न्यायालय की ओर से उनके खिलाफ मशीनी अंदाज में किए गए आरोप तय के आदेश को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए एएसजी राजा ठाकरे ने कहा कि धारा 18 के तहत आपराधिक षड्यंत्र व्यापक दायरे वाला है। इसमें वास्तविक कृत्य के साथ ही षड्यंत्र, उकसावा, प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान करना भी शामिल है। इस धारा के अपराध के लिए वास्तविक आतंकी कृत्य का पूरा होना जरूरी नहीं है, बल्कि घटना से पहले की परिस्थिति षड्यंत्र को निर्धारित करने का महत्व ले सकती है। इसके अलावा बरामद वीडियो को मुकदमे की ट्रायल के दौरान परीक्षण किया जाएगा। किसी विशेष बात के नहीं होने को अपने आप में अपराध की अनुस्थिति का प्रमाण नहीं माना जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि 28 जून, 2022 को कन्हैयालाल की हत्या कर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। मामले में एनआईए कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ यूएपीए एक्ट के साथ ही आईपीसी की विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए थे।

जयपुर पुलिस ने लौटाए 10 लाख रुपए के 40 गुमशुदा मोबाइल

जयपुर। दीपावली के अवसर पर जयपुर कमिश्नरेट की साइबर थाना पुलिस ने विशेष अभियान 'ऑपरेशन रिकवरी' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गुमशुदा और चोरी हुए 40 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) रामेश्वर सिंह और पुलिस उपायुक्त (अपराध) योगेश गोयल के निर्देशन में साइबर थानाधिकारी हेमराज के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से राजस्थान सहित अन्य राज्यों में उपयोग किए जा रहे मोबाइल फोन को ट्रेस किया। वर्ष 2025-26 सहित पिछले एक-दो वर्षों में गुम हुए मोबाइलों की तलाश कर उन्हें बरामद किया गया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) योगेश गोयल ने बताया कि बरामद मोबाइल बुजुर्गों, महिलाओं, मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों और सरकारी व निजी कर्मचारियों के थे। इनमें कई ऐसे लोग भी शामिल थे, जिन्होंने बडी मुश्किल से किस्तों पर मोबाइल खरीदे थे। फोन वापस मिलने पर लोगों ने जयपुर पुलिस का आभार जताया। इससे पहले साइबर थाना पुलिस 'ऑपरेशन मुस्कान-मोबाइल अभियान' के तहत 70 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत करीब 20 लाख रुपए थी, बरामद कर मालिकों को लौटा चुकी है।मोबाइल बरामदगी में सहायक उपनिरीक्षक ओमप्रकाश, हेड कांस्टेबल अमरेश यादव, कांस्टेबल सुरेश कुमार, भूपसिंह, रविन्द्र कुमार और दिनेश कुमार शामिल रहे। इनमें कांस्टेबल रविन्द्र कुमार और दिनेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

मुख्यमंत्री ने स्ट्रीट वैंडर्स से की दीपावली की खरीददारी



जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार शाम को धनतेरस पर मानसरोवर के बड़ा बाजार में सपरिवार दीपावली पर्व की खरीददारी की। उन्होंने स्ट्रीट वैंडर्स से मिट्टी के दीये, पूजन सामग्री, रंगोली, बंदनवार आदि खरीदे तथा यूपीआई से भुगतान कर डिजिटल पेमेंट और "वोकल फॉर लोकल" को बढ़ावा देने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने खरीददारी के दौरान स्थानीय आमजन, छोटे विक्रेताओं और व्यापारियों को धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री को अपने बीच खरीददारी करते देखकर स्ट्रीट वैंडर्स एवं आमजन ने खुशी व्यक्त की। इससे पहले किरण पथ स्थित बड़ा बाजार पहुंचने पर स्थानीय व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

एलआईसी ने बीते 6 माह में 25568 करोड़ रुपए कमाए

भारतीय जीवन बीमा निगम का मुनाफा गत छमाही में 21.52 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। गत 30 सितंबर 2026 को समाप्त छह माह में निगम का कर पश्चात लाभ 21.52 प्रतिशत बढ़कर 25 हजार 568 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 21,040 करोड़ था। एलआईसी के निदेशक मंडल ने छमाही के एकल एवं समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी है।

इस अवधि में निगम की कुल प्रीमियम आय 11.64 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख 74 हजार 269 करोड़ रुपए रही। व्यक्तिगत नए कारोबार की प्रीमियम आय 14.86 प्रतिशत बढ़कर 32,725 करोड़ और समूह नए कारोबार की प्रीमियम आय 20.63 प्रतिशत बढ़कर 1 लाख 11 हजार 685 करोड़ हो गई है। व्यक्तिगत नवीनीकरण प्रीमियम आय भी 4.68 प्रतिशत बढ़कर 1 लाख 27 हजार 950 करोड़ रही। नए कारोबार का मूल्य 33.95 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6846 करोड़ रुपए पर पहुंचा। शुद्ध नए कारोबार के लाभ मार्जिन में 470 आधार अंकों का सुधार हुआ और यह 17.6 प्रतिशत से बढ़कर 22.3 प्रतिशत हो गया। वार्षिकी प्रीमियम समतुल्य में 5.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 30,696 करोड़ रहा। एलआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामी ने कहा कि भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की ओर से प्रस्तावित कमीशन विनियमों में किए गए बदलाव बीमा उद्योग के विकास को गति देंगे और ग्राहकों के हित में साबित होंगे। उन्होंने बताया कि एलआईसी उत्पादों और वितरण माध्यमों में विविधता लाने की रणनीति पर काम कर रही है।

> ■ नए कारोबार का मूल्य 33.95 प्रतिशत बढ़कर 6846 करोड़ पहुंचा

पहली छमाही में व्यक्तिगत नए कारोबार के प्रीमियम में बैंक बीमा एवं वैकल्पिक माध्यमों की हिस्सेदारी बढ़कर 7.53 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 7.12 प्रतिशत थी। निगम का लक्ष्य कारोबार की लाभप्रदता बढ़ाने के साथ लागत को भी अनुकूलतम स्तर पर लाना है।

पुराने वाणिज्यिक वाहन हटाने पर 10 साल तक टैक्स माफ

ई-वाहन खरीदने पर 2.56 लाख तक की सहायता देगी सरकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और सुरक्षित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार पुराने वाणिज्यिक वाहनों की जगह आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल वाहन खरीदने पर विशेष प्रोत्साहन दे रही है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में परिवर्तन स्कीम और एनसीआर जिलों की वायु गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजना का लाभ पात्र वाहन स्वामियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड और भरतपुर-डीग के जिला कलेक्टरों से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की जानकारी लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों की पूरी पालना सुनिश्चित करने को कहा।

10 साल तक मोटर वाहन कर में शत-प्रतिशत छूट

परिवर्तन स्कीम के तहत एनसीआर में पंजीकृत बीएस-4 या पुराने ट्रक और बस को अधिकृत वाहन कबाड़ केंद्र में जमा कराने अथवा बीएस-4 वाहन एनसीआर से बाहर बेचकर नया वाहन खरीदने पर मोटर वाहन कर में 10 साल तक 100 प्रतिशत छूट और पंजीकरण शुल्क माफ होगा। एक साल से अधिक की लंबित देनदारियां भी माफ होंगी।

दीपावली पर जयपुर में 4500 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा का मोर्चा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपोत्सव के स्वागत के लिए गुलाबी नगरी तैयार है। बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। आगामी दिनों में परकोटे में रोशनी और सजावट देखने के लिए जयपुरवासियों के साथ देशी-विदेशी पर्यटकों की भी आवाजाही बढ़ेगी। इसे देखते हुए पुलिस ने शहर में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

धनतेरस से ही शहर के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था में करीब 4500 पुलिस अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे। ये पांच दिन तक अलग-अलग पारियों में ड्यूटी करेंगे।

जयपुर के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. अजय सिंह ने बताया कि दीपावली पर भीड़भाड़ वाले इलाकों और बाजारों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इसके लिए 4500 अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यातायात का दबाव देखते हुए ट्रैफिक पुलिस को भी मजबूत किया गया है। इसके लिए 200 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों का जाब्ता तैनात किया गया है, ताकि जाम की समस्या से राहत मिले और यातायात सुचारू रहे।

परकोटे में अलग प्रवेश और निकास व्यवस्था

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ने बताया कि परकोटे में सजावट और रोशनी देखने आने वाले लोगों के लिए प्रवेश और निकास के अलग-अलग रास्ते तय किए गए हैं।

सजावट वाले स्थानों पर नो पार्किंग जोन रहेगा और वाहनों की पार्किंग के लिए अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। प्रमुख बाजारों में नो व्हीकल जोन बनाए गए हैं, ताकि लोग पैदल घूमकर रोशनी और सजावट का आनंद लेने के साथ खरीदारी कर सकें।

परकोटे के बाहर भी वैशाली नगर, मानसरोवर और मालवीय नगर स्थित गौरव टावर जैसे प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा।

संबंधित जिला पुलिस को इसके लिए अलग से बल उपलब्ध कराया गया है। इन क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस के साथ अतिरिक्त पुलिसकर्मी भी सुरक्षा संभालेंगे।

ड्रोन और सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी

शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे अभय कमांड कंट्रोल रूम से जुड़े हैं। इनके माध्यम से पुलिस 24 घंटे निगरानी रख रही है। कंट्रोल रूम में तीन पारियों में अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहकर शहर के प्रमुख क्षेत्रों पर नजर रखेंगे। भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन से भी नियमित निगरानी की जाएगी। नो पार्किंग जोन और सड़कों पर वाहन खड़े करने वालों पर भी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखी जाएगी।

'ई-वेस्ट की रिसाइक्लिंग से सोना-चांदी जैसी धातुओं की रिकवरी होगी, आठ संग्रहण वाहन रवाना'

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने साइबर स्वच्छता और वैज्ञानिक निस्तारण पर जोर दिया

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि डिजिटल सुरक्षा और साइबर स्वच्छता आज समय की मांग है। सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए। अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और रिसाइक्लिंग कर सोना, चांदी सहित अन्य मूल्यवान धातुएं प्राप्त की जा सकती हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 के तहत आयोजित राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कार्यशाला में आठ ई-वेस्ट संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्य सचिव ने ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 के तहत आयोजित राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कार्यशाला में आठ ई-वेस्ट संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्ष एवं खान-पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा, पर्यावरण सचिव शैलजा देवल और मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने ई-वेस्ट रिसाइक्लर्स की तकनीकी व्यवस्थाओं और रिसाइक्लिंग प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। वी. श्रीनिवास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए आमजन, उद्योगों और संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

> ■ राजस्थान में 58,976 गतिविधियों से 7.58 लाख से अधिक लोग जुड़े

अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सामान्य कचरे में फेंकने के बजाय अधिकृत संग्रहण केंद्रों और रिसाइक्लर्स तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आ ान किया।

अपर्णा अरोरा ने बताया कि एक नवंबर से शुरू हुए सप्ताह के तहत 5 नवंबर तक प्रदेश में 58,976 गतिविधियों के माध्यम से 7.58 लाख से अधिक लोगों को जोडा गया है। अभियान में करीब 27 विभागों की भागीदारी रही। राजस्थान इस आयोजन में देशभर में अग्रणी रहा है। सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल ने बताया कि सप्ताह के दौरान सतत जीवनशैली, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने ई-वेस्ट के संग्रहण, पृथक्करण, परिवहन, वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग और संसाधनों के पुन: उपयोग पर चर्चा की। इस दौरान मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली और जिम्मेदार उपभोग की शपथ भी दिलाई गई। पर्यावरण सचिव शैलजा देवल, माइंस विभाग की विशिष्ट सचिव नम्रता वृष्णि ने भी विचार रखे। मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल ने धन्यवाद दिया।











इस टीम ने हाल के वर्षों में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दौर में मैं कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के लिए उपयोगी योगदान दे सकूंगा। **- माइक हसी**

ऑस्ट्रेलियाई सलाहकार कोच, इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



शाबी अलोंसो

चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत की है। टीम नौ मुकाबलों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। चेल्सी के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने कहा कि प्रीमियर लीग बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है और यहां कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, चेल्सी से जुड़ने से पहले मुझे इस लीग की चुनौती का अंदाजा था, लेकिन यहां आने के बाद सभी टीमों और खिलाड़ियों का स्तर देखने को मिला। आप हर सप्ताह ऐसी टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो या तो खिताब की दौड़ में होती है या फिर लीग में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही होती है।

क्या आप जानते हैं ?... विराट कोहली वनडे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

ऋषभ पंत चोट के कारण भारत-ए मैच से बाहर

नई दिल्ली, 6 नवंबर। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से लिंकन में शुरू होने वाले तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से बाहर रहेंगे, क्योंकि वह अभी भी साइड स्ट्रेन (पसलियों की मांसपेशियों में खिंचाव) से उबर रहे हैं। भारत ए के मैच से पंत के बाहर रहने की वजह से, 19 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके खेलने पर संदेह पैदा हो गया है। पंत फिलहाल बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं।

सुपर ओवर में दिशा क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की रोमांचक जीत



जयपुर, 6 नवंबर। यू-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में दिशा क्रिकेट अकादमी ने सुपर ओवर में एसएचएस क्रिकेट अकादमी को हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दिशा क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में 9 विकेट पर 154 रन बनाए। हर्षित सैनी ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। एसएचएस क्रिकेट अकादमी की ओर से अधिराज सिंह ने 3 विकेट हासिल किए। जवाब में एसएचएस क्रिकेट अकादमी ने भी 40 ओवर में 9 विकेट पर 154 रन बनाकर मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। गौरव प्रजापत ने सर्वाधिक 57 रन की पारी खेली। दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से वैभव खटाना ने 3 तथा नंदीश ने 2 विकेट लिए। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। एसएचएस क्रिकेट अकादमी ने सुपर ओवर में 2 विकेट खोकर 11 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिशा क्रिकेट अकादमी ने बिना विकेट खोए 15 रन बनाकर जीत अपने नाम कर ली। दिशा क्रिकेट अकादमी के वैभव खटाना को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

एसजे एकेडमी ने सुपर ओवर में दर्ज की रोमांचक जीत





जयपुर, 6 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में एसजे पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने सुपर ओवर में डायमंड क्रिकेट एकेडमी को हराकर जीत दर्ज की। निर्धारित 20 ओवर के मुकाबले में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहने के बाद मैच का फैसला सुपर ओवर से हुआ। एसजे पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 110 रन बनाए। टीम की ओर से आदर्श ने 47 रन की शानदार पारी खेली। सम्यक जैन ने 39 रन का योगदान दिया। डायमंड क्रिकेट एकेडमी की ओर से अग्रवाल ने 3 विकेट लिए। जवाब में डायमंड क्रिकेट एकेडमी ने भी निर्धारित 20 ओवर में 110 रन बनाकर मुकाबला टाई कर दिया। इसके बाद हुए सुपर ओवर में डायमंड क्रिकेट एकेडमी ने 10 रन का लक्ष्य दिया, जिसे एसजे पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने 2 गेंद शेष रहते 11 रन बनाकर हासिल कर लिया और रोमांचक जीत दर्ज की। गेंदबाजी में एसजे एकेडमी के सिहान अली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। सम्यक जैन ने भी 2 विकेट लिए।

मो. शमी बंगाल टीम में शामिल

नई दिल्ली, 6 नवंबर। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को 14 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बंगाल की 19 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। अभिमन्यु ईश्वरन घरेलू टी20 टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी करेंगे। बंगाल 14 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एलीट ग्रुप ए में कर्नाटक के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल और रणजी ट्रॉफी में मौजूदा कप्तान श्रेयस गोपाल को शुक्रवार को 14 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए कर्नाटक की टीम से बाहर कर दिया गया। इस टीम में बंगाल अंडर-23 के कप्तान शशांक सिंह भी शामिल हैं, जो सीनियर स्तर पर पदार्पण करेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और स्पिन ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को भी टीम में जगह दी गई है। बंगाल को ग्रुप ए में कर्नाटक, चंडीगढ़, झारखंड, मिजोरम, बड़ौदा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के साथ रखा गया है। ग्रुप ए के सभी लीग मैच मुंबई में खेले जाएंगे।

साइमन कीन और फ्रेसर शीट चोट के कारण हुए बाहर

नई दिल्ली, 6 नवंबर। भारत ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी अनौपचारिक टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड ए टीम के तेज गेंदबाज साइमन कीन और फ्रेसर शीट चोटों के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। सीरीज के पहले दोनों मैच ड्रॉ रहे थे। कीन को पिछले मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी जबकि शीट को बाईं बाजू में चोट लगी है। दोनों अगले तीन चार सप्ताह में अपनी घरेलू टीमों के लिये वापसी करेंगे। फ्रेसर शीट ने इंडिया ए के खिलाफ पहले और दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहले मैच में दो और दूसरे मैच में 4 विकेट हासिल किए। साइमन कीन ने पहले अनौपचारिक टेस्ट में 5 विकेट लिए थे। दोनों अगले तीन से चार हफ्तों में अपनी घरेलू टीमों के लिए वापसी करेंगे।

वेलिंगटन में दूसरे वनडे में तेज गेंदबाजों के दम पर बढ़त दोगुनी करने उतरेगी टीम इंडिया



नई दिल्ली, 6 नवंबर। भारत के अनुभवहीन लेकिन प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज शनिवार को यहां दूसरे वनडे में चौतरफा आक्रमण से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाकर श्रृंखला में भारत की बढत दुगुनी करने के इरादे से उतरेंगे। श्रृंखला से पहले भारत के तेज गेंदबाजों की अनुभवहीनता पर काफी सवाल उठे थे लेकिन गुरनूर बराड़, अंशुल कम्बोज और अर्शदीप सिंह ने पहले मैच में यादगार प्रदर्शन करके सभी की धारणा बदल दी। अभी तक हरफनमौलाओं के चयन पर जोर देने वाले मुख्य कोच गौतम गंभीर की पसंद भी इससे बदलती नजर आ रही है। ईडन पार्क की बाउंड्री छोटी और सीधी थी लेकिन यहां सीमारेखा छोटी होने के बावजूद आकार चौकोर है जिसके कारण तेज गेंदबाजों को अपनी लैंग्थ में बदलाव करना होगा। अर्शदीप सिंह की अगुवाई में भारतीय तेज गेंदबाजों ने आकलैंड में मेजबान टीम पर दबाव बनाया लेकिन यहां मैदान के आकार को देखते हुए उन्हें "फुललैंग्थ" गेंद डालनी होगी। अर्शदीप ने पहले मैच में सबसे ज्यादा विकेट लिये लेकिन कम्बोज ने 46 डॉट गेंद डाली।

उन्होंने लगातार टेस्ट मैच वाली लैंग्थ से गेंदबाजी की जिसका फायदा मिला। ईडन पार्क में अर्शदीप और आकिब नबी ने गेंदबाजी का आगाज किया लेकिन कम्बोज की गेंदों को मिल रही मूवमेंट को देखते हुए उन्हें नयी गेंद सौंपी जा सकती है। चारों तेज गेंदबाजों में पहले मैच में सिर्फ नबी को विकेट नहीं मिला।

उनकी जगह मोहम्मद सिराज को उतारा जा सकता है बशर्ते वह उपलब्ध हों। फील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," मुझे नहीं पता , यह टीम प्रबंधन तय करेग।" बल्लेबाजी में रोहित शर्मा अच्छी पारी खेलना चाहेंगे जो पहले मैच में पहले ओवर में ही आउट हो गए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्होंने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया था।

विराट कोहली ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी मर्जी से बाउंड्री लगाकर भारत को लक्ष्य का पीछा करके जीत दिलाने में मदद की। बाकी भारतीय बल्लेबाजों को हालांकि शॉर्ट गेंद ने परेशान किया और उन्हें प्रदर्शन में सुधार करना होगा। श्रेयस अय्यर कई शॉर्ट गेंद का सामना करने के बाद सस्ते में आउट हो गए। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भी शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जूझते नजर आये। कप्तान मिशेल सेंटनेर ने मैच के बाद स्वीकार किया कि भारतीय तेज गेंदबाजों की गेंदों की अतिरिक्त उछाल का वे सामना नहीं कर सके। मैच से पहले न्यूजीलैंड को करारा झटका भी लगा जब उसके आक्रामक बल्लेबाज डेवोन कोंवे अभ्यास के दौरान मैट हेनरी से हुई टक्कर के कारण बाकी मैचों के बाहर हो गए।

हेनरी को हालांकि चोट नहीं लगी है और वह चयन के लिये उपलब्ध होंगे।

टीमें : भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, इशान किशन, कुलदीप यादव, नमन धीर।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, टॉम लैथम (विकेटकीपर), विल यंग, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, माइकल ब्रैसवेल, जैकब डफी, काइल जैमीसन, मैथ्यू फिशर, मैट हेनरी, ब्लेयर टिकनर, नाथन स्मिथ।

युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक, फाइनल में चीन की झांग यी शिन से हारी



डकार, 6 नवंबर। भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में गुरुवार को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3-5 से 10-5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टॉस और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में तन्वी ने 4-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके क्लियर शॉट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19-10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19-15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रॉस-कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंतत: निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया। इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान की युजुनो वातानाबे को 21-14, 11-21, 21-19 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वातानाबे ने कांस्य पदक जीता। तन्वी का रजत पदक युवा ओलंपिक में भारत के बैडमिंटन पदकों की सूची में शामिल हो गया है। इससे पहले एचएस प्रणय ने 2010 और लक्ष्य सेन ने 2018 में पुरुष एकल स्पर्धा में पदक जीते थे।

चोट के कारण भारत के खिलाफ पूरी वनडे सीरीज से बाहर हुए डेवोन कॉनवे



नई दिल्ली, 6 नवंबर। भारत के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को एक बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान चोट (कन्कशन) लगने के कारण, आक्रामक बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को सीरीज के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया है। पहले वनडे से ठीक पहले हुई इस घटना के बाद, कॉनवे को जांच के लिए ऑकलैंड के एक अस्पताल के एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी विभाग में ले जाना पड़ा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक प्रेस विज्ञप्त में बताया है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज निक केली, जिन्हें न्यूजीलैंड की चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया था, शुक्रवार को वेलिंगटन में टीम से जुड़ेंगे। वे शनिवार को होने वाले सीरीज के दूसरे मैच में कॉनवे की जगह लेंगे।

नेपाल में खेला जाएगा वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेऑफ, 4 स्थान के लिये भिडेंगी 8 टीमें : आईसीसी

नई दिल्ली, 6 नवंबर। आईसीसी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि पुरुषों का वनडे वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेऑफ दिसंबर में नेपाल में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 4 दिसंबर को होगी, जिसमें मेजबान नेपाल का मुकाबला त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड पर इटली से होगा। इसी दिन, मुलापानी क्रिकेट ग्राउंड पर नामीबिया का सामना युगांडा से होगा। इस प्रतियोगिता में शामिल अन्य चार टीमें कनाडा, कुवैत, जर्सी और संयुक्त अरब अमीरात हैं। ये आठ टीमें 2027 वनडे वर्ल्ड कप क्वालीफायर में उपलब्ध आखिरी चार स्थानों के लिए मुकाबला करेंगी। 10 टीमों वाले इस क्वालीफायर में आयरलैंड और वेस्टइंडीज पहले से ही शामिल हैं। ये दोनों टीमें, वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाली आठ टीमों के बाहर, सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीमें हैं (इसमें पूर्ण सदस्य देश और मेजबान दक्षिण अफ्रीका व जिम्बाब्वे शामिल नहीं हैं)। आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 से अमेरिका, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड और ओमान ने क्वालीफाई किया है। 10 टीमों वाले इस ग्लोबल क्वालीफायर की विजेता टीम सीधे उस वनडे वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में पहुंच जाएगी, जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाला है। ग्लोबल क्वालीफायर में दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें सुपर सीरीज में प्रवेश करेंगी।

सीडब्ल्यूआई ने 2026-27 के अंतर्राष्ट्रीय रिटेनर अनुबंध घोषित किए

30 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली, 6 नवंबर। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने 2026-27 सीज़न के लिए अपने इंटरनेशनल रिटेनर कॉन्ट्रैक्ट्स की घोषणा कर दी है, जिसमें सीनियर पुरुष और महिला टीमों में 15-15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, तीन पुरुष क्रिकेटरों को डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट दिए गए हैं। ये कॉन्ट्रैक्ट 1 अक्टूबर 2026 से 30 सितंबर 2027 तक लागू रहेंगे। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, शाई होप पुरुष वनडे और टी 20 टीमों के कप्तान बने रहेंगे, रोस्टन चेस टेस्ट टीम की कमान संभालेंगे, और हेली मैथ्यूज सीनियर महिला टीम की कप्तान बनी रहेंगी। 2025-26 के शानदार सीज़न के बाद, जॉन कैंपबेल को 2019 के बाद पहली बार इंटरनेशनल रिटेनर कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कैंपबेल ने पिछले साल अक्टूबर में दिल्ली में भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक (नाबाद 115 रन) लगाया था। इसके अलावा, छह साल बाद वनडे टीम में वापसी करते हुए, उन्होंने सितंबर में गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 68 गेंदों में शतक जड़ा। मैथ्यू फोर्ड और आमिर जंगू को भी अपना पहला इंटरनेशनल रिटेनर कॉन्ट्रैक्ट मिला है। पिछले एक साल में, वेस्टइंडीज के लिए दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट (टी 20 और वनडे) में पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज फोर्ड रहे; उन्होंने 20 इंटरनेशनल में 10 और वनडे में 6 विकेट लिए। जंगू ने जून में एंटीगा में श्रीलंका के खिलाफ अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 233 रन बनाकर टेस्ट क्रिकेट में सुर्खियां बटोरीं। रोस्टन चेस के साथ उनकी 401 रनों की साझेदारी ने टेस्ट क्रिकेट में छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। बांग्लादेश के खिलाफ चल रही दूसरी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के टेस्ट मैच में भी उन्होंने अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और पहले दिन का खेल खत्म होने तक 111 रन बनाकर नाबाद रहे। कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन अपने-अपने दो साल के अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के आखिरी साल में पहुँच गए हैं। ज्वेल एंड्रयू, अकीम ऑगस्ट और विटेल लॉज को डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट दिए गए हैं।

विंडीज ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा, हसन के 6 विकेट पर जंगू का शतक अभी भारी

नई दिल्ली, 6 नवंबर। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की टीमें मौजूदा समय में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही हैं। इस सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश आई है। पहला मुकाबला खेला जा चुका है जिसे वेस्टइंडीज ने आठ विकेट से अपने नाम किया था। दूसरा मैच सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है जिसका आज दूसरा दिन था। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश की टीम ने 40 ओवर की बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट के नुकसान पर 88 रन बना लिए हैं। बांग्लादेश की ओर से तौहीद हृदोय और मुश्फिकुर रहीम बल्लेबाजी कर रहे हैं। रहीन 19 और तौहीद 29 रनों पर नाबाद हैं। तंजीम हसन तमीन ने 16, नयीम हसन ने पांच और कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स, समार जोसेफ और जस्टिन ग्रीव्स ने 1-1 विकेट हासिल किए। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने 24 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 90 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को दो-दो विकेट मिले। इन दोनों गेंदबाजों ने क्रमश: 21 ओवर में 90 और 31.4 ओवर में 82 रन खर्चे। तैजुल इस्लाम और नईम हसन को कोई भी विकेट नहीं मिला।

राजस्थान स्टेट सब जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

फाइनल मुकाबलों में युगल और एकल वर्ग में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, कई जिलों के खिलाड़ियों ने दर्ज की जीत

जयपुर, 6 नवंबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर की डीएमआर बैडमिंटन में आयोजित राजस्थान स्टेट सब जूनियर (अंडर-15) बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जयपुर, जोधपुर, झुंझुनूं, नागौर, भीलवाड़ा, कोटा, बीकानेर, दौसा सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बालक एकल वर्ग के फाइनल में जयपुर के युवराज सिंह शेखावत ने दौसा के कान्हा गुर्जर को सीधे दो गेमों में 15-13, 15-13 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं बालिका एकल वर्ग के फाइनल में जोधपुर की लुक्षिता भारद्वाज ने जयपुर की खुशी शर्मा को 15-4, 15-6 से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

बालक युगल वर्ग के फाइनल में जयपुर के हर्ष कंडपाल एवं उत्कर्ष सिंह राठौड़ ने झुंझुनूं के वर्धित एवं वर्षित को कड़े मुकाबले में 5-15, 16-14, 15-13 से हराकर खिताब जीता। बालिका युगल वर्ग के फाइनल में जोधपुर की कियारा गोयल एवं लुक्षिता भारद्वाज की जोड़ी ने जयपुर की ओजस्विता दुबे एवं पर्ल पारीक को 15-6, 15-10 से हराया।

मिक्स्ड डबल्स के फाइनल में कोटा की सात्विक अग्रवाल एवं जोधपुर की लुक्षिता भारद्वाज की जोड़ी ने नागौर के आनंद मादेरणा एवं भीलवाड़ा की यश्विता मेवाड़ा को 15-10, 15-9 से पराजित कर खिताब हासिल किया।

सेमीफाइनल मुकाबलों में भी खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। बालक एकल में कान्हा गुर्जर ने सात्विक अग्रवाल को 15-11, 15-4 से हराया। बालिका एकल में लुक्षिता भारद्वाज ने पद्मजा सिंह को 12-15, 15-10, 16-14 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खुशी शर्मा ने रिद्धि बत्रा को 15-5, 15-11 से पराजित किया। बालक युगल में वर्धित एवं वर्षित ने आनंद मादेरणा एवं युवराज सिंह शेखावत को 15-12, 7-15, 15-12 से हराया। वहीं हर्ष कंडपाल एवं उत्कर्ष सिंह राठौड़ ने जिग्यास यादव एवं लक्ष्य राज सिंह नाथावत को 15-7, 15-7 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

मिक्स्ड डबल्स में आनंद मादेरणा एवं यश्विता मेवाड़ा ने वैभव अग्रवाल एवं काव्या चौधरी को 15-8, 15-10 से हराया, जबकि सात्विक अग्रवाल एवं लुक्षिता भारद्वाज ने अमन गुर्जर एवं साक्षी सिंह को 15-4, 15-11 से पराजित किया। आयोजन समिति के सचिव दिनेष यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से राजस्थान में बैडमिंटन की उभरती प्रतिभाओं को देखने का अवसर मिला

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार के कप्तान होंगे वैभव सूर्यवंशी, 17 सदस्यीय टीम घोषित



पटना, 6 नवंबर। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए बिहार की सीनियर टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। बिहार क्रिकेट संघ ने शुक्रवार को प्रतियोगिता के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की। सूरज कश्यप को उपकप्तान बनाया गया है। पहली बार वैभव बिहार की सीनियर टीम की अगुवाई करेंगे। बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने कहा कि वैभव ने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और परिपक्वता का परिचय दिया है। कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें एक क्रिकेटर और नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ने का नया अवसर देगी। उन्हें उम्मीद है कि वैभव की अगुवाई में टीम अनुशासित, प्रतिस्पर्धी और प्रभावी प्रदर्शन करेगी तथा आगामी सत्र में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। बिहार क्रिकेट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक 6 नवंबर को हुई, जिसमें खिलाड़ियों के ट्रायल और पिछले प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद टीम को अंतिम रूप दिया गया। चयन समिति के अध्यक्ष हरविंदर सिंह और सदस्य अमिताभ विजयवर्गीय बैठक में मौजूद रहे, जबकि चयनकर्ता एस. शरत ने टेलीफोन के माध्यम से हिस्सा लिया। चार से छह नवंबर तक हुए ट्रायल और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद टीम चुनी गई।

मुंबई के क्रिकेट संग्रहालय में दिखेंगी गांगुली, द्रविड़ और धोनी की ऐतिहासिक जर्सी



मुंबई, 6 नवंबर। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) और मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के संयुक्त प्रयास से क्रिकेट प्रेमियों को खेल के इतिहास से जुड़ी कुछ अनमोल धरोहरों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय की चुनिंदा ऐतिहासिक वस्तुओं की विशेष प्रदर्शनी 14, 15 और 17 नवंबर को एमसीए शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में आयोजित की जाएगी। संग्रहालय पहुंचने वाले आम लोगों को इन ऐतिहासिक वस्तुओं के साथ संग्रहालय के बढ़ते क्रिकेट संग्रह को देखने का अवसर मिलेगा। इस प्रदर्शनी में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों और ऐतिहासिक मुकाबलों से जुड़ी यादगार वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें सौरव गांगुली की वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय जर्सी शामिल है, जिसे उन्होंने वर्ष 2002 में नेटवेस्ट सीरीज जीतने के बाद लॉर्ड्स की बालकनी से लहराया था। इसके अलावा अनिल कुंबले की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टोपी, 1982 में इंग्लैंड और भारत के बीच खेले गए जुबली टेस्ट का पदक, सचिन तेंदुलकर का एकदिवसीय स्वेटर, महेंद्र सिंह धोनी की एकदिवसीय जर्सी और राहुल द्रविड़ की टेस्ट जर्सी भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय में संरक्षित ये ऐतिहासिक वस्तुएं क्रिकेट के उन यादगार पलों और महान खिलाड़ियों की विरासत को दर्शाती हैं, जिन्होंने इस खेल के इतिहास को आकार दिया है। इन धरोहरों का भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष महत्व है।

अंडर-19 एशिया कप में ईशान, सहवाग और रायचंदानी का बेहतरीन प्रदर्शन

भारत ने नेपाल को 10 विकेट से हराया



मस्कट, 6 नवंबर। ईशान सूद की शानदार गेंदबाजी और आर्यवीर सहवाग तथा कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के नाबाद अर्धशतकों की बदौलत भारत अंडर-19 ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप के अपने शुरुआती मुकाबले में नेपाल अंडर-19 को 10 विकेट से हरा दिया। ओमान के अल अमरत क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में भारत ने 129 रन का लक्ष्य महज 19.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने वाली भारतीय टीम के लिए ईशान सूद ने शुरुआती ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया। हरी घास की हल्की परत वाली पिच पर उन्होंने गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराया और नेपाल के शीर्ष क्रम को मुश्किल में डाल दिया। उनके छह ओवर के शुरुआती स्पेल में नेपाल के तीन शीर्ष बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। शुरुआती कुछ ओवर सावधानी से खेलने के बाद आर्यवीर सहवाग और लक्ष्य रायचंदानी ने नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगानी शुरू कर दी। सहवाग ने स्पिन गेंदबाजों को निशाना बनाते हुए मैदान के सामने की ओर ऊंचे शॉट लगाए। उन्होंने केवल 34 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर, रायचंदानी ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए स्ट्राइक रोटेट की और सहवाग को आक्रामक अंदाज में खेलने का मौका दिया। दोनों बल्लेबाजों ने नाबाद रहते हुए 115 गेंदों में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत अंडर-19 टीम ग्रुप ए में दो अंकों और 4.170 के सकारात्मक नेट रन रेट के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गई।

कोकीन सेवन के मामले में क्रिस लिन पर लगा था एक महीने का प्रतिबंध, पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा किया



नई दिल्ली, 6 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के टी20 बल्लेबाज क्रिस लिन को इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के बाद कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के निलंबन का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने पुष्टि की है कि 36 वर्षीय लिन ने इसके बाद नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, लिन ने प्रतिबंध की अवधि पूरी कर ली है। लिन का 18 जुलाई को नियमित डोपिंग परीक्षण किया गया था। इसी दिन नॉर्थम्पटनशायर ने फाइनल्स डे के मुकाबले जीतकर तीसरी बार टी20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया था। लिन ने उस दिन खेले गए दो मुकाबलों में 39 और चार रन बनाए थे। इसके बाद उनका मूत्र नमूना जांच के लिए फ्रांस की एक प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां उसमें बेंजोइलएकगोनिन पाया गया। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक मेटाबोलाइट है। टी20 ब्ल

'हाईटेक सिटी व मेडी सिटी ऐसी विकसित हों कि नए जयपुर की पहचान बनें'

जयपुर विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल ने निर्देश दिया

जयपुर, 6 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर शहर का विकास वर्तमान की आवश्यकताओं के साथ ही, भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाए। राज्य सरकार का प्रयास है कि बेहतर एवं सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ जयपुर शहर को उत्कृष्ट मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ट्रैफिक इम्प्रूवमैंट प्लान में पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही तथा पॉर्किंग व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी जाए।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के कार्यों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के कार्यों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर में यातायात के बढ़ते दबाव के मद्देनज़र आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इसके लिए जेएलएन मार्ग पर स्थित प्रमुख स्थानों को सिग्नल फ्री बनाते हुए सुगम यातायात का प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक इम्प्रूवमैंट प्लान में पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही और पार्किंग व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने मुख्य सचिव एवं विभागीय अधिकारियों को इसके लिए फील्ड में मौका-मुआयना करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने हाईटेक सिटी परियोजना के संबंध में कहा कि दिल्ली से जयपुर की निकटता और देश-दुनिया में प्रवासी राजस्थानियों की व्यापक उपस्थिति शहर के लिए विकास एवं निवेश की नई संभावनाएं प्रस्तुत करती है। इन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हाईटेक सिटी का ऐसा मॉडल विकसित किया जाए, जो आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त हो। उन्होंने कहा कि हाईटेक सिटी और मेडिसिटी का विकास इस प्रकार से हो कि इनका स्वरूप नए जयपुर की पहचान बने।

मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि सभी विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों में अनावश्यक देरी एवं लापरवाही को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कार्मिकों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण सिद्धार्थ महाजन सहित, अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन, धनतेरस और भाईदूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रभु श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण के उच्चतम मूल्यों का प्रतीक है। उनके अयोध्या आगमन पर मनाया जाने वाला दीपोत्सव का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और निराशा से आशा की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।

- उन्होंने दीपावली, गोवर्धन, धनतेरस की हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने कामना की कि दीपोत्सव का पावन पर्व देश-प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि लेकर आए। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों से प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना के साथ त्योहार मनाने तथा विकसित राजस्थान के निर्माण में सहभागी बनने का आव्हान किया।

महिला आयोग परिसर में शिकायतकर्ता ने आत्महत्या का प्रयास किया

जयपुर, 6 नवम्बर। टोंक रोड स्थित गांधी नगर मोड़ पर महिला आयोग परिसर में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पति के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंची एक महिला आत्महत्या करने के इरादे से तीन मंजिला इमारत की छत पर चढ़ गई। महिला छत की रेलिंग के दूसरी तरफ जाकर कूदने की तैयारी में थी। इसी दौरान एडवोकेट चरणजीत भाटी और फैमिली कोर्ट के कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और सुरक्षित नीचे खींच लिया।

- छत की रेलिंग पर चढ़ी महिला को एडवोकेट व कर्मचारियों ने बचाया।

जानकारी के अनुसार, रेलिंग पर चढ़ी महिला कह रही थी कि कोई उसके पास आया तो वह कूद जाएगी। वह अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, न्यायाधीश और मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने की मांग कर रही थी। साथ ही प्रेम विवाह निरस्त करने और न्याय दिलाने की बात कह रही थी।

एडवोकेट चरणजीत भाटी ने बताया कि वे फैमिली कोर्ट में प्रवेश कर ही रहे थे, कि उनकी नजर छत की रेलिंग पर चढ़ी महिला पर पड़ी। वे तुरंत सीढ़ियों से छत पर पहुंचे। वहां फैमिली कोर्ट और महिला आयोग के तीन-चार कर्मचारी भी पहुंच गए थे। भाटी ने महिला को बातचीत में उलझाया और मौका मिलते ही उसका हाथ पकड़कर दूसरी तरफ खींच लिया। इसके बाद अन्य कर्मचारियों ने भी उसे संभालकर सुरक्षित छत पर खींच लिया।

महिला को फैमिली कोर्ट प्रथम, द्वितीय और तृतीय के न्यायाधीशों के समक्ष पेश किया गया। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसने प्रेम विवाह किया था। इसके बाद उसके भाई की मौत हो गई, जिसका जिम्मेदार उसका परिवार उसे मानता है। शादी के बाद वह उत्तर प्रदेश चली गई थी। वहां की पुलिस ने उसे जयपुर महिला आयोग में शिकायत करने की सलाह दी थी। शुक्रवार को जब वह महिला आयोग पहुंची तो कार्यालय पर ताला लगा मिला। इससे वह घबरा गई और निराश होकर आत्महत्या के इरादे से छत पर चढ़ गई।

करोल बाग में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से इमारत की संरचनात्मक सुरक्षा की जांच भी करवाएगी और सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां लोगों की जान को कोई खतरा तो नहीं है।

फिलहाल मौके पर स्थिति नियंत्रण में है और पुलिसकर्मी इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात हैं।

इज़रायल के पूर्व सेना प्रमुख आइसेनकोट को बहुमत का समर्थन मिला

ग्यारह सांसदों वाली अरब पार्टियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर आइसेनकोट को समर्थन का सत्र सौंपा

यरुशलम (इज़रायल), 06 नवंबर। इज़रायल में गुरुवार देर शाम नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। 11 सांसदों वाली अरब पार्टियों के गठबंधन, "ज्वाइंट लिस्ट" के नेताओं ने राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इसके बाद राष्ट्रपति को मध्यमार्गी गठबंधन के नेता और पूर्व सेना प्रमुख 66 वर्षीय गादी आइसेनकोट के समर्थन का पत्र सौंप दिया। आइसेनकोट "यशार पार्टी" के नेता हैं। उन्होंने पिछले साल पार्टी बनाई और इस साल चुनाव मैदान में कूदे।

"द यरुशलम पोस्ट" और "द टाइम्स ऑफ इज़रायल" की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह हुए नेसेट (संसद) के चुनाव के बाद उन्हें विपक्षी गुटों और अरब राजनीतिक दलों ज्वाइंट लिस्ट और "राअम" का समर्थन मिलने तस्वीर बदल गई। इनके समर्थन से आइसेनकोट 120 सदस्यों वाली नेसेट में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत के आंकड़े (61 सीट) को पार कर गए। अरब पार्टी राअम के आठ सांसद हैं। चुनाव में आइसेनकोट के नेतृत्व वाले गठबंधन के 48 उम्मीद जीते हैं।

- आइसेनकोट ने कहा कि वे इज़रायल को यहूदी राष्ट्र मानते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था से देश चलायेंगे।

देश में सबसे ज्यादा समय 19 वर्ष तक सत्ता में रहे बेंजामिन नेतन्याहू नई सरकार के गठन के लिए आवश्यक बहुमत नहीं जुटा सके। 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में उनके गठबंधन को 53 सीटें मिलीं। गुरुवार को नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन में शामिल सात सांसदों वाली पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडिज्म (यूटीजेड) ने अलग होने की घोषणा कर दी। इसके बाद समीकरण बदल गए। नेतन्याहू गुट के पास केवल 46 सांसद बचे। यूटीजेड ने फिलहाल नेसेट में अलग बैठने का फैसला किया है।

आइसेनकोट ने कहा कि वह इज़रायल को यहूदी राष्ट्र मानते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था से देश को चलाएंगे। हमास को आतंकी संगठन मानते हुए उसकी सैन्य शक्ति को खत्म किया जाएगा। सेना में भर्ती के लिए नियम बदले जाएंगे।

अमिताभ बच्चन को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ई-मेल भेजा गया था, जिसमें दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम भी शामिल था। उस समय अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि अमिताभ बच्चन को कोई सीधी धमकी नहीं मिली है।

इस घटना के बाद, अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित घर के बाहर हर रविवार को होने वाला, प्रशंसकों से मिलने का उनका कार्यक्रम इस बार अलग रूप में हुआ। वे एक "प्रोटैक्टिव ग्लास शील्ड" के पीछे खड़े थे, और उनके साथ उनके बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे।

इस घटना के बाद, ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप करने की अपील की है। एसोसिएशन ने बॉलीवुड कलाकारों और उनके परिवारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। ये ताजा घटनाएं, 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी के बाद मशहूर हस्तियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सामने आई हैं। उक्त गोलीबारी की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने ली थी।

उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह अभिनेता तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी बिश्नोई गिरोह के नाम पर धमकियां मिली हैं। पुलिस अभी इन धमकी भरे ऑडियो संदेशों की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली में एक्यूआई 400 पहुँचा, ग्रैप-3 की पाबन्दियां तुरंत लागू हुईं

प्रदूषण के बढ़ते स्तर से चिन्तित प्रबन्धन आयोग की उपसमिति ने शुक्रवार शाम को निर्णय लिया

नई दिल्ली, 06 नवंबर। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में गिरावट के मद्देनजर सख्त कदम उठाते हुए, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण की पाबंदियां लागू कर दी हैं। इसके तहत, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्माण कार्यों, वाहनों और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर आयोग ने यह फैसला लिया है। ग्रैप-3 लागू होने के साथ ही, संबंधित एजेंसियों को प्रदूषण नियंत्रण के उपाय सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 तक पहुंच गया। कई क्षेत्रों में एक्यूआई का स्तर 400 के पार चला गया। प्रदूषण के बढ़ ते स्तर को देखते हुए शुक्रवार शाम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उपसमिति ने आपात बैठक बुलाकर स्थिति की समीक्षा की और ग्रैप 3 की पांबदियों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया।

ग्रैप-3 के तहत प्रतिबंध में, निर्माण एवं तोड़फोड़ (सीएंडडी) से जुड़ी गतिविधियों पर प्रतिबंध, गैर-आवश्यक निर्माण कार्यों पर रोक, निर्धारित क्षेत्रों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के संचालन पर पाबंदी, कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हाइब्रिड मोड में पढ़ ाई का विकल्प, प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक और अन्य गतिविधियों पर सख्त निगरानी शामिल हैं। इसके अलावा, सम्बन्धित एजेंसियों द्वारा धूल नियंत्रण और प्रदूषण कम करने के उपायों के कड़ाई से पालन के साथ ही, पहले और दूसरे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंध भी प्रभावी रहेंगे।

कांग्रेस ने अग्निपथ योजना रद्द करने की मांग की

नई दिल्ली, 06 नवंबर। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना रद्द कर नियमित सैनिकों की भर्ती शुरू करने की मांग की है। साथ ही पार्टी ने 'जय जवान-पार्ट 2' अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। इसके तहत पूरे देश में अग्निवीर सैनिकों की मांगों को उठाया जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष कर्नल (रि.) रोहित चौधरी ने शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार ने सेना पर अग्निपथ योजना थोपी थी और अब पहले बैच के चार साल पूरे होने पर 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार देने का फैसला किया है। उन्होंने सवाल किया कि अग्निवीरों को स्थायी क्यों नहीं किया जा रहा है।

सिद्धारमैया, पूर्व मु.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ भी चर्चा की थी।

इस बीच, कथित स्टिंग वीडियो की जांच कर रही बेंगलुरु पुलिस ने शुरुआती तौर पर संकेत दिया है कि वीडियो में किए गए दावे मनगढ़त हैं और जानबूझकर तैयार किए गए हैं।

पुलिस आयुक्त कार्यालय, बेंगलुरु शहर की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वीडियो को बनाने, रिकॉर्ड करने, अपने पास रखने, एक जगह से दूसरी जगह भेजने और प्रसारित करने के मामले की व्यापक जांच की जा रही है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद मीडिया में काफी चर्चा हुई है और जनता के बीच कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

पुलिस ने कहा, "अब तक जुटाए गए सबूतों से प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि वीडियो में दिखाए गए यौन शोषण के आरोप एक मनगढ़ंत और जानबूझकर रची गई कहानी का हिस्सा हैं। जांच के दौरान अब तक दर्ज किए गए बयान और जुटाए गए सबूत वीडियो में दिखाई गई ऐसी किसी भी घटना की पुष्टि नहीं करते हैं।"

पुलिस ने यह भी बताया कि वीडियो में दिखाई देने वाले सभी लोगों की पहचान कर ली गई है और उनसे विस्तार से पूछताछ की गई है। इनमें से कुछ लोगों से एक से अधिक बार पूछताछ की गई।

पुलिस के अनुसार, उनके बयान और अब तक जुटाए गए सबूतों से प्रथम दृष्टया यही संकेत मिलता है कि वीडियो में शामिल लोगों पर लगाए गए या उनसे जुड़े आरोप "झूठे और मनगढ़ंत" हैं। मामले की जांच अभी जारी है।

पतंजलि की टीम देवी -देवताओं का उपहास उड़ाने वालों पर मुकदमे करेगी

पौड़ी गढ़ वाल, 06 नवंबर। उत्तरांखड के पौड़ी गढ़ वाल के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित मालागांव में आयोजित तीन दिवसीय हर्बल कुंभ, जड़ी-बूटी कृषि मेला एवं श्री धन्वंतरि धाम महोत्सव का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह में योग ऋषि स्वामी रामदेव ने सनातन धर्म और देवी-देवताओं का अपमान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। उन्होंने घोषणा की कि भगवान राम, कृष्ण, हनुमान सहित, अन्य देवी-देवताओं का उपहास करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए पतंजलि में विशेष टीम गठित की जाएगी।

भारत में जन्मी नित्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी तैयार हैं।

चुनावी मुकाबले में उनका उतरना एक बड़ा बदलाव था, क्योंकि पहले उन्होंने अपनी पूर्व सहयोगी कैरेन बास का समर्थन किया था। नित्या रमण ने कहा कि शहर अब एक "नाज़ुक मोड़" (ब्रेकिंग पॉइंट) पर पहुँच गया है, और नामांकन की अंतिम तारीख से ठीक पहले उन्होंने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर दी।

कैरेन बास पिछले दो दशकों में लॉस एंजलिस की पहली ऐसी मेयर बन गई हैं, जो दोबारा चुनाव जीतने में नाकाम रही हैं। उनका पहला कार्यकाल भीषण पैलिसेड्स आग की घटना से प्रभावित हुआ। यह आग उस समय लगी थी, जब वे देश से बाहर थीं और अग्निशमन विभाग इस स्थिति से निपटने के लिए तैयार नहीं था। आग से हुई भारी तबाही के बाद, बहुत से मतदाताओं के मन में यह पक्का विचार बन गया कि कैरेन बास को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। वे इस नुकसान से कभी उबर नहीं पाईं।

- नित्या पहले, डेमोक्रैटिक सोशलिस्ट पार्टी की मुख्य उम्मीदवार कैरेन बास की टीम में थीं। पर, पर्चा भरने की "डैडलाइन" से कुछ समय पहले ही उन्होंने पर्चा दाखिल कर, अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी।

काउंटर इंटैलिजैंस कश्मीर ने 6 क्षेत्रों में छापे मारे

श्रीनगर, 06 नवंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने शुक्रवार को आतंकी भर्ती मामले के सिलसिले में कश्मीर में छह जगहों पर तलाशी ली। एक अधिकारी ने बताया कि सीआईके की टीमों ने दक्षिण कश्मीर के बडगाम, श्रीनगर, बिजबेहरा और अनंतनाग के मट्टन इलाकों में घरों की तलाशी ली। इसके अलावा पुलवामा जिले के एक गांव में भी तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि यह तलाशी स्थानीय पुलिस और राजस्व अधिकारियों के साथ मिलकर कार्यकारी मजिस्ट्रेटों की मौजूदगी में ली गई। अधिकारी ने कहा कि सीआईके श्रीनगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 07/2023 के तहत दर्ज यह मामला कथित तौर पर चल रहे एक आतंकी भर्ती मॉड्यूल से जुड़ा है।

'बिना पटाखों वाली दिवाली को जन आंदोलन बनाएं'

नई दिल्ली, 06 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि दिवाली और अन्य त्योहारों के दौरान साफ हवा की पहल को "जन आंदोलन" में बदलना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे त्योहारों पर प्रदूषण को केवल अदालती आदेशों या पुलिस की तैनाती के जरिए नियंत्रित नहीं किया जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ ते वायु प्रदूषण को लेकर दर्ज एक स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान की।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली सरकार और अन्य संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे स्थानीय नगर पार्षदों को सक्रिय रूप से शामिल करें, ताकि वे नागरिकों से आने वाली दिवाली पर प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे न फोड़ने की अपील कर सकें।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रदूषण को अदालत के आदेश या पुलिस की तैनाती से नियंत्रित नहीं कर सकते।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक को इसमें अपना योगदान देना होगा। जब तक लोग स्वयं जागरूक होकर प्रदूषण फैलाने वाले तौर-तरीकों का त्याग नहीं करेंगे, तब तक जमीनी स्तर पर कोई बड़ा बदलाव देखना नामुमकिन है।

क्रीमी लेयर का आधार मां-बाप का वेतन नहीं पद होना चाहिये- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्रीमी लेयर का निर्धारण स्टेटस बेस्ड है, न कि पूरी तरह इनकम बेस्ड

नई दिल्ली, 06 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी क्रीमी लेयर आरक्षण के मामले में केन्द्र सरकार की संशोधन याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने दोहराया कि ओबीसी आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर तय करते समय माता-पिता की वेतन से होने वाली आय को शामिल नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि क्रीमी लेयर से बाहर रखने का निर्धारण माता-पिता की आय के बजाय, उनकी सेवा संबंधी स्थिति और पद के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि ये फैसला रेट्रोस्पैक्टिव यानी पिछली तारीख से लागू नहीं होगा। ग्यारह मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने यूनियन ऑफ इंडिया बनाम रोहित नाथन मामले में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर के मानदंडों को लेकर बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया था।

- अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला रेट्रोस्पैक्टिव या पिछली तारीख से लागू नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्रीमी लेयर का निर्धारण स्टेटस-बेस्ड या पद-आधारित है, न कि पूरी तरह इनकम-बेस्ड... माता-पिता का पद (जैसे ग्रुप ए, बी, सी या डी) क्या है, यह देखना जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि 8 लाख से अधिक सालाना आय होने पर उम्मीदवार क्रीमी लेयर में आ जाता है, लेकिन मूल नियमों (1993 ऑफिस मेमोरेंडम) के अनुसार, वेतन और खेती की जमीन से होने वाली आय को इस 8 लाख की गणना से कड़ाई से बाहर रखा गया है।

सीबीएसई की परीक्षायें 16 फरवरी से शुरु होंगी

नई दिल्ली, 06 नवंबर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। बोर्ड ने 6 नवंबर 2026 को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा का शेड्यूल जारी किया। इसके अनुसार, दोनों कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। ऐसे में छात्रों को अपनी परीक्षा की तारीख और विषय के अनुसार तैयारी करने का समय मिल गया है। छात्र बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी कक्षा की पूरी डेटशीट देख सकते हैं। इसमें हर विषय की परीक्षा की तारीख और समय दिया गया है।

सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक चलेंगी। इस बार 10वीं के छात्रों को कुल 83 विषयों की परीक्षा देनी होगी। बोर्ड ने सभी विषयों के लिए अलग-अलग तारीखें तय की हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने केरल में कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों को अवमानना नोटिस दिया

कांग्रेस की केरल इकाई के अधिकारिक अकाउन्ट से चीफ जस्टिस के खिलाफ एक पोस्ट वायरल हुई थी

नई दिल्ली, 06 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत को निशाना बनाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों को अवमानना का नोटिस जारी किया है। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संविधान सर्वोच्च है और कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन इससे ऊपर नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता कोई राजनीतिक सुविधा का विषय नहीं है। यह नोटिस सोशल मीडिया पर की गई एक ऐसी पोस्ट को लेकर दिया गया है, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत को निशाना बनाया गया था। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक फैसलों की आलोचना की जा सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल डराने-धमकाने या न्याय प्रक्रिया में दखल देने के लिए एक ढ ाल के रूप में नहीं किया जा सकता। कोई व्यक्ति चाहे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, यदि वह अदालत के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश करता है तो उससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि उसने इस मामले में एक वरिष्ठ वकील को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया है, जो यह जांच करेंगे कि इस मामले में आपराधिक या दीवानी अवमानना लागू होती है या नहीं। साथ ही, अदालत ने इस मामले में अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी सहयोग मांगा है।

- अदालत ने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, यदि वह अदालत के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश करता है, तो उससे सख्ती से निपटा जाना चाहिये।

सात राज्यों में मतदाताओं को एक और अवसर मिलेगा

नई दिल्ली, 06 नवंबर। चुनाव आयोग दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड में ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं होने वाले मतदाताओं को एक बार फिर अपना नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

इस संबंध में चुनाव आयोग की ओर से इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। इसमें कहा गया है कि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दो जगह पर सूचीबद्ध होने के चलते जिन मतदाताओं का नाम काटा है, उन्हें फिर से नाम जुड़वाने का अवसर मिलेगा। आयोग ने कहा है कि संबंधित बूथ स्तर के अधिकारी बूथ स्तर के राजनीतिक दलों के एजेंट के साथ मिलकर एक बार फिर छूटे मतदाताओं को शामिल करने के लिए प्रयास करेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908